हिन्दी दैनिक
रोजनामा इन्डो गल्फ
www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com
सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम
पटना, बुधवार | 10 जुलाई 2024 | वर्ष : 02 अंक : 59 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

हाथरस हादसे की गहन जांच के लिए न्यायिक आयोग भी शुरू कर चुका है कार्यवाही

एजेंसी

लखनऊ। जनपद हाथरस के सिकन्दराराऊ में बीते 02 जुलाई को सत्संग के दौरान घटित हादसे के तत्काल बाद गठित एडीजी जोन आगरा और मंडलायुक्त अलीगढ़ की एसआईटी ने 02, 03 और 05 जुलाई को घटना स्थल का निरीक्षण किया था। जांच के दौरान कुल 125 लोगों का बयान लिया गया, जिसमें प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ आम जनता एवं प्रत्यक्षदर्शियों का बयान भी लिया गया। इसके अलावा, घटना के संबंध में प्रकाशित समाचार की प्रतियां, स्थलीय विडियोग्राफी, छायाचित्र, विडियो क्लिपिंग का संज्ञान लिया गया। जांच समिति की आख्या के प्रमुख बिंदु इस प्रकार हैं:- ? एसआईटी ने प्रारंभिक जांच में चश्मदीद गवाहों व अन्य साक्ष्यों के आधार पर हादसे के लिए कार्यक्रम आयोजकों को मुख्य रूप से जिम्मेदार माना है। ? जांच समिति ने अब तक हुई जांच व कार्यवाही के आधार पर हादसे के पीछे किसी बड़ी साजिश से भी इंकार नहीं किया है और गहन जांच की जरूरत बताई है।

रूस और इन्डिया की दोस्ती में नया आयाम जुड़ा, परमाणु ऊर्जा पर साथ में करेंगे काम, 6 हाईपावर न्यूक्लियर प्लांट्स भारत में लगाए जाएंगे

एनर्जी इस वक्त पूरी दुनिया के लिए सबसे बड़ी चिंता, चुनौती और उपलब्धि भी है। दुनिया का हर देश इस दिशा में कुछ करना चाहता है और इसे पाना चाहता है। इसलिए ये बड़ा फैसला लिया गया है।

एजेंसी

नई दिल्ली: भारत रूस की दोस्ती में एक नया आयाम जुड़ गया है। परमाणु ऊर्जा को लेकर एक बड़ा फैसला लिया गया है। जल्द ही भारत रूसी एटॉमिक एजेंसी के साथ जुड़कर परमाणु ऊर्जा पर काम करेगा। भारत और रूस की एटॉमिक एजेंसी 6 हजार हाईपावर न्यूक्लियर प्लांट्स बनाएंगी। ये सभी प्लांट भारत में लगाए जाएंगी। एनर्जी इस वक्त पूरी दुनिया के लिए सबसे बड़ी चिंता, चुनौती और उपलब्धि भी है। दुनिया का हर देश इस दिशा में कुछ करना चाहता है और इसे पाना चाहता है। इसलिए ये बड़ा फैसला लिया गया है। यह घोषणा तब हुई है जब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 22वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दो दिवसीय महत्वपूर्ण यात्रा पर रूस में हैं। भारत और रूस ने भारत में अतिरिक्त परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण पर चर्चा की, रूस के रोसाटॉम ने भी इसकी पुष्टि की। राज्य परमाणु ऊर्जा निगम रोसाटॉम (रोसाटोम) एक रूसी बहु-उद्योग होल्डिंग कंपनी है जिसमें पावर इंजीनियरिंग, मशीन निर्माण और निर्माण क्षेत्र की संपत्तियां शामिल हैं। इसकी रणनीति पवन ऊर्जा सहित कम कार्बन उत्पादन विकसित करना है। रोसाटॉम ने आगे बताया कि रूस और भारत उत्तरी समुद्री मार्ग की पारगमन क्षमता को संयुक्त रूप से विकसित करने के बारे में बातचीत कर रहे हैं। दोनों देश रूसी सुदूर पूर्वी बंदरगाहों पर ट्रांस-शिपमेंट के साथ, उत्तरी समुद्री मार्ग के माध्यम से भारतीय बंदरगाहों तक रूसी ऊर्जा संसाधनों की आपूर्ति की संभावना पर चर्चा कर रहे हैं। वे उत्तरी समुद्री मार्ग के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय कंटेनर पारगमन के लिए एक पायलट लाइन स्थापित करने के विकल्प भी तलाश रहे हैं। लखनऊ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने कीर्ति चक्र विजेता शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। गांधी ने शहीद के परिवार को लखनऊ से मिलने के लिए बुलाया था। शहीद कैप्टन की मां मंजू सिंह ने राहुल गांधी से मुलाकात के बाद कहा, हम दुखी हैं कि हमारा बेटा हम सबको बीच मझधार में छोड़कर चला गया है, परिवार को उनकी जरूरत थी। उन्होंने कहा मैं यह दर्द पूरी जिंदगी लेकर जीना चाहती हूं और मैं चाहती हूं कि मुझे और दर्द हो ताकि मैं अपने बेटे को याद कर सकूं। एक पदाधिकारी ने बताया कि नेता विपक्ष राहुल गांधी रायबरेली, उत्तर प्रदेश में शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह के परिजनों से मुलाकात की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को दिल्ली में रखा अलंकरण समारोह में दिवंगत अधिकारी की पत्नी स्मृति और मां मंजू सिंह को कैप्टन अंशुमान सिंह की शहादत पर कीर्ति चक्र प्रदान किया। यह शांतिकाल में वीरता के लिए दिया जाने वाला दूसरा सबसे बड़ा पुरस्कार है।

आतंकी हमलों पर कठोर कार्रवाई करनी होगी, खोखले भाषणों से काम नहीं होगा : राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली: नयी दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को जम्मू कश्मीर में सैनिकों पर हुए आतंकी हमले की निंदा की और कहा कि आतंकवादी हमलों पर अब खोखले भाषण और झूठे वादों से काम नहीं चलेगा, बल्कि ठोस कार्रवाई करने की जरूरत है। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, जम्मू-कश्मीर के कठुआ में भारतीय सेना के वाहन पर हुए आतंकी हमले का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने कहा, मातृभूमि के लिए अपना सर्वोच्च न्योछावर करने वाले शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिजनों को अपनी गहन संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। घायल जवानों के शीघ्र से शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उनका कहना है, हमारी सेना पर ये कायरतापूर्ण हमले अत्यधिक निंदनीय हैं। एक महीने के अंदर पांचवा आतंकी हमला देश की सुरक्षा और हमारे जवानों के जीवन पर भयंकर आघात है। उन्होंने कहा कि लगातार हो रहे आतंकी हमलों का हल कठोर कार्रवाई से होगा, न कि खोखले भाषणों और झूठे वादों से। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, इस दुख की घड़ी में हम मजबूती से देश के साथ खड़े हैं कैप्टन सिंह पिछले वर्ष जुलाई में भीषण आग से लोगों को बचाते समय शहीद हो गये थे। शहीद अंशुमान की मां ने कहा, राहुल गांधी से मुलाकात में अग्निवीर को लेकर बात हुई। दो तरह की फौज नहीं होनी चाहिए। सरकार से उम्मीद है कि वह राहुल गांधी की बात सुनें और उस पर विचार करे। मंजू ने कहा, गांधी ने कहा कि उन्होंने सरकार से अग्निवीर योजना को समाप्त करने का अनुरोध किया है, जो सेना के लिए उचित नहीं है। देश हमारे साथ है।

उन्होंने कहा, राहुल गांधी से और शहीदों के परिवारों के बारे में बात हुई है, उन परिवारों के लिये राहुल गांधी कुछ करेंगे। सेना भर्ती में अग्निवीर योजना बंद करने पर जोर देते हुए मंजू सिंह ने बताया कि हम फौजी परिवार से हैं, पक्ष हो या विपक्ष हम सबसे लड़ेंगे और हम सरकार से हाथ जोड़कर निवेदन करते हैं कि अग्निवीर योजना को बंद कर दिया जाए, क्योंकि सेना में सिर्फ चार साल के लिए भर्ती ठीक नहीं है। एक दिवसीय दौरे में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल ने कार्यकर्ताओं,

कठुआ में पांच सैन्यकर्मियों की हत्या का बदला लेंगे, बुरी ताकतों को सीधी चेतावनी

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर: रक्षा सचिव गिरिधर अरामाने ने 9 जुलाई को कहा कि जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकी हमला, जिसमें पांच भारतीय सेना के जवानों की जान चली गई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश इसके पीछे की बुरी ताकतों को हरा देगा। आक्रमण करना। विशेष रूप से, प्रतिबंधित पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद (खोट) के छाया संगठन कश्मीर टाइगर्स ने हमले की जिम्मेदारी ली है। सचिव ने हमले पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि शहीद जवानों की सेवा को याद रखा जायेगा। मैं कठुआ के बदनोटा में आतंकवादी हमले में पांच बहादुर जवानों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त करता हूं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। राष्ट्र के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा को हमेशा याद रखा जाएगा और उनके बलिदान का बदला नहीं लिया जाएगा और भारत हमले के पीछे की बुरी ताकतों को हरा देगा। आतंकवादियों ने सोमवार को कठुआ में भारतीय सेना के एक वाहन पर गोलीबारी की, जिसमें पांच सैनिक मारे गए और चार अन्य घायल हो गए। उन्होंने कठुआ शहर से लगभग 150 किलोमीटर दूर लोहाई मल्हार में बदनोटा गांव के पास माचेडी-किंडली-मल्हार रोड पर दोपहर करीब 3:30 बजे ग्रेनेड और गोलियों से सेना के एक ट्रक को निशाना बनाया, जो एक नियमित गश्ती दल का हिस्सा था।

Kathua Terror Attack: फायर हुआ... आतंकी हमले में 5 जवान हुए हैं शहीद, चश्मदीद ने बताया पूरा वाक्या

एजेंसी

नई दिल्ली: कठुआ आतंकी हमले के एक दिन बाद मंगलवार को एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि आतंकवादियों द्वारा लक्षित सेना के ट्रक पर घात लगाकर हमला करने से कुछ ही मिनट पहले, नागरिकों से भरी एक बस उस सड़क का इस्तेमाल कर रही थी जिस पर घात हुआ था। घटनास्थल से कुछ ही मीटर की दूरी पर एक दुकान चलाने वाले पूरन चंद शर्मा ने बताया कि हमले से 10 मिनट पहले एक सिविल बस सड़क से गुजरी। हमने एक जोरदार विस्फोट सुना और शुरू में इसे टायर फटने के रूप में लिया। लेकिन बाद में हुई भारी गोलीबारी से हमें एहसास हुआ कि मुठभेड़ शुरू हो गई है। शर्मा ने कहा कि मेरी दुकान पर लगभग 12 ग्रामीण थे। गोलीबारी में फंसने से बचने के लिए हमने खुद को इसके अंदर छिपा लिया। गोलीबारी शाम पांच बजे तक जारी रही, इसके बाद एक घंटे तक रुक-रुक कर गोलीबारी होती रही। इसके रुकने के बाद, हम हताहतों को निकालने में मदद के लिए दौड़े। यह हमला कठुआ के जिला मुख्यालय से लगभग 120 किलोमीटर दूर बिलावर तहसील के लोई मल्हार के बदनोटा गांव में दोपहर करीब 3:30 बजे हुआ। इस बीच, एक अन्य स्थानीय विजय कुमार ने बताया कि कैसे 1990 के दशक में जम्मू-कश्मीर में सीमा पार आतंकवाद फैलने के बाद गांव में यह पहली आतंकवादी घटना थी। हमने अपने क्षेत्र में, जहां 100 से अधिक परिवार हैं, आतंकवादियों की कोई गतिविधि नहीं देखी है। हो सकता है कि आतंकी उस बस में सवार होकर यहां आए हों, जो हमले से कुछ देर पहले वहां से गुजरी थी। कुल 10 सैनिक इसकी चपेट में आए, जिनमें से पांच ने दम तोड़ दिया, जबकि बाकी का इलाज चल रहा है।

दस दिनों के भीतर कीमतें कम होंगी, पश्चिम बंगाल की उट ने पुलिस और ईबी से बाजारों में छापेमारी करने को कहा

एजेंसी

पश्चिम बंगाल: खाद्य पदार्थों और सब्जियों की बढ़ती कीमतों के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) और प्रवर्तन शाखा को बाजारों में छापेमारी करने को कहा है। व्यवसायियों के एक वर्ग पर अधिक लाभ कमाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने राज्य पुलिस से लागत में वृद्धि को नियंत्रित करने और जमाखोरी पर भी अंकुश लगाने को कहा। मंगलवार को मुख्यमंत्री ने राज्य सचिवालय नबन्ना में प्रशासनिक अधिकारियों, कई बाजार प्रतिनिधियों, खुदरा विक्रेताओं और थोक विक्रेताओं के साथ बैठक की मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान कहा कि अगले 10 दिनों के भीतर बाजारों में कीमतें कम होनी चाहिए। प्रवर्तन शाखा और पुलिस को बाजारों का दौरा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों का एक वर्ग लाभ के लिए ऐसा कर रहा है और कृत्रिम संकट पैदा किया जा रहा है। बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए गठित टास्क फोर्स की नियमित बैठकें होनी चाहिए, बनर्जी ने कहा कि वह हर हफ्ते कीमतों की रिपोर्ट चाहती हैं उन्होंने कहा कि मैंने मुख्य सचिव और गृह सचिव को एडीजी कानून व्यवस्था और कोलकाता पुलिस के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में उपस्थित रहने के लिए कहा।

हामिद अंसारी को लेकर ऐसा क्या बोले पीएम मोदी? भड़क गई कांग्रेस, उपराष्ट्रपति को लिखा पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली: नरेंद्र मोदी सरकार और पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के बीच तनावपूर्ण संबंधों में एक और अध्याय जुड़ गया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने अंसारी के खिलाफ उनकी अपमानजनक टिप्पणियों के लिए राज्यसभा में प्रधानमंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की कार्यवाही की मांग की है। 8 जुलाई को राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को लिखे अपने पत्र में रमेश ने कहा कि किसी भी पीएम ने कभी भी सदन के पीठासीन अधिकारी पर हमला नहीं किया जैसा मोदी ने किया। उपराष्ट्रपति के रूप में अंसारी राज्यसभा के सभापति थे। पत्र में 2 जुलाई को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर मोदी के जवाब का हवाला दिया गया है और उल्लेख किया गया है कि पीएम ने कहा, चाहे वे कितनी भी संख्या का दावा करें, जब हम 2014 में आए थे, तो राज्य में हमारी ताकत थी। सभा बहुत धीमी थी और सभापति का झुकाव कुछ-कुछ दूसरी ओर था। रमेश पहले टिप्पणियों को हटाने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि हालांकि पीएम ने अंसारी का नाम नहीं लिया, लेकिन यह स्पष्ट था कि उनका मतलब किससे था। "विपक्ष के प्रति 'झुकाव' का डॉ. हामिद अंसारी पर लगाया गया आरोप।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में फादर स्टेन स्वामी की मौत की स्वतंत्र जांच के लिए प्रस्ताव पेश

एजेंसी

नई दिल्ली: अमेरिका में तीन सांसदों ने भारत के मानवाधिकार कार्यकर्ता फादर स्टेन स्वामी की गिरफ्तारी, उन्हें कैद में रखने और उनकी मौत के मामले की स्वतंत्र जांच के लिए प्रतिनिधि सभा में एक आग्रह प्रस्ताव पेश किया है. फादर स्टेन की पांच जुलाई 2021 को मुंबई में हिरासत के दौरान मौत हो गयी थी. सांसद जुअन वार्गस, सांसद जिम मैकगवर्न और आंद्रे कार्सन द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव में मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और विपक्षी दलों को निशाना बनाने के लिए आतंकवाद विरोधी कानूनों के कथित दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त की गयी है. फादर स्टेन ने अपना जीवन कमजोर लोगों की आवाज उठाने के लिए समर्पित कर दिया था प्रस्ताव में भारत के उच्चतम न्यायालय द्वारा हाल ही में दिये गये उस निर्णय की सराहना की गयी है जिसमें औपनिवेशिक काल के एक विवादास्पद राजद्रोह कानून पर रोक लगाई थी. प्रस्ताव में भारत की संसद से इस रोक को स्थायी करने का आग्रह किया गया है. वार्गस ने कहा, फादर स्टेन ने अपना जीवन कमजोर वर्ग के लोगों की आवाज उठाने के लिए समर्पित कर दिया था. वे आदिवासी लोगों के अधिकारों के लिए आवाज उठाते, युवाओं को प्रेरित करते थे और भारत में कई समुदायों के न्याय के लिए काम करते थे. झारखंड में इन दशकों के दौरान, फादर स्टेन ने पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) या पेसा अधिनियम जैसे भारतीय संविधान के प्रावधानों के कार्यान्वयन के बारे में वकालत की . फादर स्टेन को लगातार दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा उन्होंने कहा, मैं इस बात को सोचकर सहम जाता हूं कि फादर स्टेन को किस तरह लगातार दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा और हिरासत में रहने के दौरान उन्हें चिकित्सा देखभाल से वंचित रखा गया. मैंने यह प्रस्ताव इसलिए पेश किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि फादर स्टेन और उनकी आजीवन प्रतिबद्धता को कभी भुलाया न जाये. स्वामी का पांच जुलाई 2021 को मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया था. उन्हें एक दिन पहले दिल का दौरा पड़ा था तथा उन्हें वेंटीलेटर पर रखा गया था.प्रस्ताव में भारत के उच्चतम न्यायालय द्वारा हाल ही में दिये गये उस निर्णय की सराहना की गयी है जिसमें औपनिवेशिक काल के एक विवादास्पद राजद्रोह कानून पर रोक लगाई थी।

बदला अंदाज... बदली रणनीति... नेता विपक्ष बनते ही फॉर्म में राहुल गांधी, भाजपा की बढ़ रही टेंशन

संवाददाता

नई दिल्ली: विपक्ष के नेता के रूप में अपनी नई भूमिका में राहुल गांधी भाजपा के लिए और अधिक हानिकारक साबित हो सकते हैं। पिछले सप्ताह में, राहुल गांधी ने दो महत्वपूर्ण नसों को छुआ है जो भगवा पार्टी के लिए प्रतिकूल रही हैं। पहली उनकी रेलवे लोको पायलटों से मुलाकात और दूसरी मणिपुर के लोगों से मुलाकात। ऐसा आरोप है कि लोको पायलटों को भाजपा सरकार द्वारा लंबे समय से नजरअंदाज किया गया है और राहुल गांधी की उनसे मुलाकात ने रेलवे की कमजोरी को उजागर कर दिया है। हालांकि ये राजनीतिक संभावनाएं हैं, हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव के नतीजों से पता चला है कि ये तरकीबें कांग्रेस के लिए काम कर रही हैं, एक ऐसी पार्टी जिसने 2014 के बाद से अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना किया है उन्होंने कहा, मैं इस बात को सोचकर सहम जाता हूं कि फादर स्टेन को किस तरह लगातार दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा और हिरासत में रहने के दौरान उन्हें चिकित्सा देखभाल से वंचित रखा गया. मैंने यह प्रस्ताव इसलिए पेश किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि फादर स्टेन और उनकी आजीवन प्रतिबद्धता को कभी भुलाया न जाये. स्वामी का पांच जुलाई 2021 को मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया था. उन्हें एक दिन पहले दिल का दौरा पड़ा था तथा उन्हें वेंटीलेटर पर रखा गया था.दिलचस्प बात यह भी है कि राहुल गांधी खुद को आम नागरिक की तरह लोगों के सामने पेश कर रहे हैं। वह आम लोगों से मिल रहे हैं। आज ही वह अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली भी पहुंचे जहां उन्होंने अलग-अलग लोगों से मुलाकात की है तथा अलग-अलग क्षेत्र का दौरा भी किया है। वह एक शहीद की मां से मिले जबकि रायबरेली एम्स का दौरा भी किया। ऐसे में कहीं ना कहीं कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी की छवि को बदलने की कोशिश लगातार जारी है। कांग्रेस को 2014 और 2019 दोनों आम चुनावों में 60 से कम सीटें मिलीं। हालांकि, कांग्रेस के साथ लोगों के अलगाव को महसूस करते हुए, राहुल गांधी ने नियमित रूप से लोगों के वर्ग के साथ बातचीत करते हुए एक साहसी 'भारत जोड़ो यात्रा' और 'न्याय यात्रा' शुरू की। अर्थव्यवस्था को चलाने वाले निचले स्तर के लोगों, किसानों, बढ़ई, मैकेनिकों और अब लोको पायलटों के वर्ग के साथ नियमित रूप से बातचीत करना। यहां तक ? ?कि राजनीतिक विश्लेषक प्रशांत किशोर ने भी राहुल गांधी के फोटो-ऑप्स का मजाक उड़ाते हुए भविष्यवाणी की थी कि इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। हालांकि, 2024 का परिणाम एग्जिट पोल करने वालों के लिए भी पाठ्यक्रम से बाहर का प्रश्न था। जबकि कांग्रेस ने केवल 99 सीटें हासिल कीं, पार्टी की सीटों में लगभग 200% वृद्धि का श्रेय राहुल गांधी की जमीनी पहुंच सहित।

युवा कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

संवाददाता

● युवा कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में बोले अखिलेश, कुशासन की सरकार को उखाड़ फेकेंगे

पटना, मंगलवार, 09 जुलाई 24आज बिहार कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में शिरकत कर रहे बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि कुशासन की सरकार को बिहार युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता उखाड़ फेकेंगे। उन्होंने कहा कि यह सरकार युवाओं की विरोधी है और युवा कांग्रेस एकजुट होकर सरकार की गैर जरूरी और युवा विरोधी नीतियों के खिलाफ बुलंद आवाज बनकर आने वाले दिनों में सड़कों पर लड़ेगी।

बिहार युवा कांग्रेस के अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीबदास के अध्यक्षता में संगठन मजबूती को लेकर प्रदेश कार्यकारिणी की अति महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई जिसमें बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष गरीब दास ने कहा एक महीने के अन्दर नीट, अग्नीवीर , पुल बहने जैसे सभी मुद्दों को लेकर प्रत्येक जिले में मुख्यालय घेराव किया जाएगा वहीं जैसे बिहार में पुल ढहने वाली सरकार है इस सरकार को युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता पुल ढहने और बहने की तरह बहा देंगे का काम करेंगे वहीं कहा मानसून सत्र के दौरान बिहार विधानसभा का विशाल घेराव व प्रदर्शन किया जाएगा। वहीं इस बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव सह बिहार प्रभारी राजेश कुमार सन्नी जी ने कहा बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक संगठन मजबूती पर दिया बल वहीं कहा कि राहुल गांधी जी के सपनों को जन जन तक पहुंचाने के लिए, प्रत्येक युवा कांग्रेस साथी संकल्प लें और बिहार की कुशासन की सरकार के विरोध में प्रत्येक जिले में अग्निवीर जैसे देश के ज्वलंत मुद्दे को लेकर जिलेवार धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा बैठक में लाल बाबू लाल, दौलत इमाम,नंदन यादव, युवा कांग्रेस के शरीकुज्जमा फारूकी उर्फ खुर्रम, खुशबू कुमारी, करूण नंदन पासवान,विकास कुमार झा, डा0 आलोक कुमार, रूद्रमा आर्या, विशाल यादव, सोनू अग्रवाल विवेक कुमार चैबे,विकास सिंह, रीचा सिंह के अलावे युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्षगण उपस्थित रहें।

विद्यालय मे छात्र अभिभावक व शिक्षक संग पीटीएम का आयोजन

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज अनुमंडल दुरौंधा 9 जुलाई मंगलवार। बिहार शिक्षा परियोजना परिषद ने आदेश जारी किया था। राज्य के सरकारी स्कूलों में छात्र अभिभावक संग बैठक सह पीटीएम का आयोजन किया जाय जिसके आलोक मे जिले के सभी स्कूलों मे शिक्षक व छात्रों के अभिभावक के साथ बैठक की गई। वही दुरौंधा प्रखण्ड के उच्च माध्यमिक विद्यालय सह इंटर कॉलेज सवान विग्रह मे प्रधाना ध्यापिका श्रीमती दीपिका कुमारी व शिक्षक दुर्गेश कुमार के नेतृत्व मे पीटीएम का आयोजन कर अभिभावकों ने छात्रों को बेहतर से बेहतर शिक्षा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का आग्रह किया। और शिक्षक अभिभावक से छात्रों को नियमित स्कूल भेजने का आग्रह किए। और सरकार द्वारा छात्रों के लिए चलाए जा रहे कल्याणकारी योजनाओं के बारे मे जानकारी दी गई। इस मौके पर शिक्षक, अजमेरी खातून, जागृति, रानी कुमार, कन्हैया सिंह, राकेश रंजन, धीरज यादव , गुंजन कुमार, एमडी, चुन्नू,, इत्यादि मौजूद रहें, वहीं अभिभावक, चंद्रदेव यादव, सराजुद्दीन मंसूरी, चनेश्वर मांझी, छोटे लाल राम, पिंकी देवी, रुकसाना बेगम उपस्थित थे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आईसीडीएस की समीक्षात्मक बैठक

संवाददाता
शकील हैदर

सारण, छपरा, संवाददाता, 9 जुलाई, 2024 जिलाधिकारी श्री अमन समीर ने आज समाहरणालय सभागार में समेकित बाल विकास परियोजना (आईसीडीएस) के कार्यों की समीक्षा की। बताया गया कि सारण जिला में 4638 आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत हैं, जिसमें से वर्तमान में 4525 केंद्र संचालित हैं। अद्यतन सेविका का 256 पद एवं सहायिका का 605 पद रिक्त है। सेविका के 4 एवं सहायिका के 5 पद के लिये विज्ञापन पूर्व में निकाला गया था, जिसके अनुरूप नियमानुसार ग्राम सभा का अयोजन कर बहाली की प्रक्रिया पूर्ण करने का निदेश दिया गया। शेष रिक्तियों के संदर्भ में संशोधित प्रावधान के तहत बहाली की प्रकिया होगी। आंगनबाड़ी केंद्रों के निरीक्षण के संबंध में पाया गया कि जून माह में सभी सीडीपीओ एवं महिला पर्यवेक्षिका द्वारा शत प्रतिशत केन्द्रों का निरीक्षण नहीं किया गया है। जून माह में गड़खा प्रखंड में 5 महिला पर्यवेक्षिकाओं द्वारा बहुत ही कम केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। इस संबंध में गड़खा की सभी 5 महिला पर्यवेक्षिकाओं से स्पष्टीकरण मांगा गया। सभी महिला पर्यवेक्षिकाओं द्वारा विगत 6 महीनों में किये गये निरीक्षण के मासिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निदेश जिला प्रोग्राम पदाधिकारी को दिया गया। जिलाधिकारी ने सभी सीडीपीओ एवं महिला पर्यवेक्षिकाओं को शत प्रतिशत केंद्रों का प्रतिमाह निरीक्षण सुनिश्चित करने का निदेश दिया। 17 नई महिला पर्यवेक्षिकाओं का जिला में नियोजन किया गया था। इन सभी को विस्तृत रूप से प्रशिक्षण देने को कहा गया। आंगनबाड़ी केंद्रों के भवन के संदर्भ में बताया गया कि वर्तमान में 629 केंद्र अपने सरकारी भवन में संचालित हैं। 118 केंद्रों का भवन निमार्णाधीन है। 156 अन्य केन्द्रों के लिये जमीन उपलब्ध है। अद्यतन 3735 केन्द्रों के भवन निर्माण के लिये जमीन की आवश्यकता है। सभी सीडीपीओ को अंचलाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर जमीन की उपलब्धता हेतु प्राथमिकता से पहल करने को कहा गया। आंगनबाड़ी केंद्र भवन में उपलब्ध मूल-भूत सुविधा सुविधाओं के संदर्भ में बताया गया कि 3981 केन्द्रों में शौचालय की सुविधा उपलब्ध है। 2801 केंद्रों में वजन मापक मशीन उपलब्ध है।सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में अलग से विद्युत कनेक्शन लिया जाना है। इसके लिये विधिवत आवेदन करने का निदेश दिया गया। सरकारी भवनों में संचालित जिन केन्द्रों में शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं है, इसकी सूची उपलब्ध कराने को कहा गया। शौचालयों की मरम्मती/नये शौचालयों का निर्माण पंचायत की योजना के माध्यम से कराया जायेगा।

सेविका/सहायिका के मानदेय का भुगतान अप्रैल-मई माह तक किया गया है। सभी सेविका/सहायिका की उपस्थिति विवरणी अगले महीने की 5 तारीख तक अनिवार्य रूप से अपलोड करने का निदेश दिया गया ताकि मानदेय का भुगतान समय से हो सके।

मृत सेविका/सहायिका के अनुग्रह अनुदान भुगतान के 18 मामले लंबित पाये गये। इन सभी मामलों का निष्पादन अविलंब सुनिश्चित कराने का निदेश दिया गया। भविष्य में ऐसे मामलों के निष्पादन हेतु एक स्टैण्डर्ड प्रोटोकॉल निर्धारित कर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके तहत मृत्यु के एक सप्ताह के अन्तर्गत ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया सुनिश्चित कर एक महीने के अंदर समस्त प्रक्रिया को पूरा करने का स्पष्ट निदेश दिया गया।

प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के तहत वर्ष 2023-24 अंतर्गत 3612 फॉर्म अपलोड किया गया है।

नीतीश कुमार बिहार के लिए वरदान है

2030 तक नितीश बाबू रहेंगे बिहार के मुख्यमंत्री- प्रोफेसर दिनेश चंद्र प्रसाद

संवाददाता
कफील एकबाल

मोतिहारी 9 जुलाई जद यू के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश नेता प्रोफेसर दिनेश चंद्र प्रसाद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि राजा के सक्रिय रहते विरोधियों द्वारा राजा का उत्तराधिकारी घोषित करना राजा को कमजोर करने की साजिश होता है। मीडिया का एक वर्ग जदयू का विरोध किसी न किसी रूप में लगातार करता आ रहा है । वह जनता दल यू के साथ खेल लगातार कर रहा है। विगत 5 साल से "नीतीश जी का उत्तराधिकारी कौन"लिखकर वे लोग जेडीयू के समर्थकों को गुमराह कर रहे है।यह सत्य है कि 60 के बाद उम्र का असर हर व्यक्ति पर पड़ता है। किंतु यदि नरेंद्र मोदी 2029 तक पीएम रह सकते हैं तो नीतीश कुमार 2030 तक सीएम क्यों नहीं रह सकते हैं ? उनसे बेहतर न्यायप्रिय, ईमानदार और नेक नेतृत्व बिहार और देश में मौजूद नहीं है इसलिए उनके अनुभव और उनके होने का लाभ बिहार को अधिकतम समय तक मिलना चाहिए।

मीडिया के एक वर्ग के बीछे जाल से जदयू का तो करेंगे ही बिहार का बड़ा नुकसान हो सकता है।

प्रभारी प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी ने की गुरु गोष्टी का आयोजन

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज अनुमंडल दुरौंधा 9 जुलाई मंगलवार। दुरौंधा पूर्व प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी श्री शिव जी महतो 30 जुलाई को सेवानिवृत हो गए। जिनके सेवानिवृत होने पर महाराजगंज प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी श्री राज किशोर उपाध्याय प्रखण्ड दुरौंधा प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी के अतिरिक्त प्रभारी ने पहली बार गुरु गोष्टी का आयोजन किए।और गुरु गोष्टी मे सर्व प्रथम सभी प्रधान ध्यापक और प्रधान अध्यापक प्रतिनिधि से परिचय आदान प्रदान किए ।और शिक्षा विभाग के द्वारा दिए निदेशो को सत प्रतिशत पालन कर कार्य को समय अवधी के अंतर्गत करने का आग्रह किए। और विद्यालयो में शिक्षण कार्य अच्छे से संचालित करने को कहा और ई शिक्षाकोष पोर्टल पर जल्द से जल्द छात्रों का नाम अपलोड करने और शिक्षको की उपस्थिति ई शिक्षा पोर्टल से दर्ज करने को कहा। दुरौंधा बीआरसी अंतगत सभी लंबित कार्यों

को अभिलंब निस्पादित करने हेतु सभी संबंधित बीआरपी , अकाउंटेंट,व कंप्यूटर ऑपरेट को निर्देश दिए। इस मौके पर बीआरपी अमरेश सिंह, डीपीएम आईसीटी जावेद आलम,बीपीएम, सुभेंदु कुमार सूरज, अकाउंटेंट संजय गुप्ता, प्रधानाध्यापक, रवींद्र प्रसाद, लाल बाबू सिंह,जितेंद्र सिंह, दीपिका कुमारी,कमलेश कुमार सिंह, नजलिन खातून, सर्वजीत राम, रमेश यादव, उपेन्द्र सिंह इत्यादि मौजुद थे।

गरीबों को सरकार फ्री बिजली और रोजगार के लिए दो लाख रू का अनुदान दे- भाकपा माले

संवाददाता
कफील एकबाल

मोतिहारी-9 जुलाई हक दो वादा निभाओ अभियान के तहत गांव- गांव में जनसंवाद आयोजित की जायेगी ! माले गरीब जनता को फ्री बिजली और रोजी -रोजगार के लिए 2 लाख रुपए देने की सरकार गारंटी करें !

आज छौड़ादानो-मोतिहारी रोड में अवस्थित माले अंचल कार्यालय परिसर में अंचल कमिटी की मीटिंग रूपलाल शर्मा के अध्यक्षा में की गई ! माले के जिला सचिव प्रभुदेव यादव ने संबोधन के क्रम में कहा कि देश में जनता की आजादी व आवाज को दबाने के लिए मोदी सरकार नये काले कानून लेकर आई है !जिसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा !पूर्व में महागठबंधन सरकार द्वारा जातीय गणना कराने से आर्थिक आकलन अनुसार 6 हजार से कम आय वाले परिवारो की संख्या 94 लाख पाया गया !उन्हें लघु उद्यमी योजना के तहत रोजी-रोजगार के लिए 2 लाख रुपए देने की वादा मुख्यमंत्री जी निभाये !बिजली कंपनियों की मनमानी पर रोक लगाएं !डबल इंजन की सरकार व प्रशासन द्वारा अतिक्रमण के आरोप के बहाने बड़े पैमाने पर गरीबो को उजाड़ने की धमकिया दी जा रही है !नरायण चौक एकड़िया के सैकड़ो पचेधारियो को नोटिस संविधान का उल्लंघन है !न्याय के हकदारो और माले को मंजूर नहीं है !जनविरोधी अंचलाधिकारी छौड़ादानो को सरकार हटाए !आगामी 16 जुलाई 2024 को पटना के रविंद्र हॉल में भाकपा माले का राज्यस्तरीय कार्यकर्ता कन्वेंशन आयोजित है !जिसमे शामिल होने का आह्वान किया गया !बैठक में राजकुमार शर्मा, उपेंद्र सहनी, सरपंच मनोज कुमार सिंह, रामभरोस पासवान, अतिउल्लाह मियां, अकबर, सिन्धू देवी, विनोद पंडित, अवधेश पंडित, सोनालाल ठाकुर शामिल थे !

राष्ट्रीय कला मंच के द्वारा चार दिवसीय छपरा कला महोत्सव का हुआ शुभारंभ

संवाददाता

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अइश्ढ के 76वाँ स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय कला मंच के तत्वावधान में चार दिवसीय छपरा कला महोत्सव का हुआ शुरूआत छपरा कला महोत्सव के पहले दिन भारतीय संस्कृति आधारित नृत्य, गायन एवं पारंपरिक वेशभूषा का आयोजन हुआ कार्यक्रम का उद्घाटन नगर उपाध्यक्ष डॉ० नीतू सिंह जिला संयोजक नीरज यादव ने झंडोत्तोलन कर किया वही पूर्व के विभाग सेवा प्रमुख अवध किशोर मिश्रा, डॉ० अर्चना सिन्हा, संगीत शिक्षिका प्रियंका कुमारी, रश्मि रानी ने संयुक्त रूप से दिप जला कर विधिवत उद्घाटन किया बता दे कि विद्यार्थी परिषद अपने 75 वर्ष की आयु को पूरा कर लिया है और 76वें वर्ष में प्रवेश कर गया है विगत 75 वर्षो में विद्यार्थी परिषद को विश्व के सबसे ज्यादा सदस्यता वाला विश्व का बड़ा छात्र संगठन होने का गौरव प्राप्त है ।कैंपस से समाज तथा राष्ट्र के सेवा में परिषद सदैव तटपर रहता है । छपरा कला महोत्सव के द्वारा 12 तक विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रम किये जायेंगे। उक्त कार्यक्रम में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रवि पांडे , जिला संयोजक नीरज यादव , राजन सिंह ,आशीष कुमार मुस्कान कुमारी ,अनिशा कुमारी नंदिनी पांडे ,मुस्कान कुमारी आशीष उपाध्याय ,कुंदन कुमार प्रवीण प्रभाकर ,नितेश महाराज रवि राणा ,रोशन कुमार गुप्ता, मनीषा कुमारी नेहा कुमारी अर्पणा कुमारी समृद्धि कुमारी रोहन कुमार अंकिश कुमार उदय प्रताप हिमांशु कुमार आदि सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

डीएम ने की शिक्षा विभाग की समीक्षा

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ीःडीएम रिची पाण्डेय की अध्यक्षता में समाहरणालय के विमर्श सभाकक्ष में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।उक्त बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रमोद कुमार साहू के द्वारा विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों का प्रगति प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया गया। समीक्षा के क्रम में ई शिक्षा कोष पर शिक्षको के शत प्रतिशत उपस्थिति नही बनने,एवम बच्चो का डाटा अपलोड नही होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त किया। उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया की किसी भी स्थिति में शिक्षको की उपस्थिति ई शिक्षा कोष पर निश्चित रूप से दर्ज कराए। इसमें किसी तरह की कोताही बर्दास्त नही की जाएगी। उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को स्वयं एवम अधिनस्थ कर्मियो से विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान बच्चो को मिल रहे मध्याह्न भोजन,पठन पाठन, होम वर्क, शिक्षको की ऑनलाइन उपस्थिति, बच्चो का ई शिक्षा कोष पर इंट्री को अवश्य देखे। सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को बीडीओ से नियमित समन्वय स्थापित करने का निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि विद्यालय किसी भी स्थिति में बंद ना हो,इसकी व्यवस्था सुनिश्चित करे। सरकार के प्रावधान के अनुरूप ही शिक्षको को आकस्मिक अवकाश,या विशेषा अवकाश स्वीकृत करे। उन्होंने सभी अधिकारियों को विद्यालयों के शत प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण निरीक्षण का निर्देश देते हुए कहा कि विद्यालयों में बदलाव नजर आना चाहिए। उन्होंने कहा कि बाढ़ का समय है।

में खुद का सम्मान नहीं करवाऊंगा इस बार मतदाता मालिकों का सम्मान होगा : सांसद प्रमोद कुमार

संवाददाता

आज दिनांक 9 जुलाई को पूर्वी चंपारण के लोकप्रिय सांसद एवं भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री हम सब के अभिभावक जन जन के नेता ने आज वार्ड नंबर 22 में मेरे निवास स्थान जानपुल चौक मे मतदाताओं का अभिनंदन समारोह में माननीय सांसद द्वारा सभी वर्ग के लोगों का जिन्होंने इस ऐतिहासिक जीत में अपनी भागीदारी सुनिश्चित किया उन सबों का माननीय सांसद द्वारा सम्मानित किया गया इस बार माननीय सांसद जी का कहना हे में खुद का सम्मान नहीं करवाऊंगा इस बार मतदाता मालिकों का सम्मान होगा इस कार्यक्रम में माननीय विधायक प्रमोद कुमार जी भारतीय जनता पार्टी के लोकप्रिय अध्यक्ष श्री प्रकाश अस्थाना जी नगर निगम के उपमेयर से लालबाबू प्रसाद जी वार्ड पार्षद धीरज जायसवाल जी पार्षद पति अब्दुल कलाम साहब पार्षद पति कारी साहब एवं वार्ड की सम्मानित जनता शामिल हुए

बिजली विभाग के उदासीन रवैया से परेशान है उपभोक्ता

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज अनुमंडल 9 जुलाई मंगलवार। महाराजगंज अनुमंडल विद्युत आपूर्ति के अंतर्गत, महाराजगंज और दुरौंधा के ऐसे 100 से अधिक गांव के बिजली उपभोक्ता इस उमस भरी गर्मी से इन दिनों काफी परेशान है। बता दे की जब इंद्रा भगवान मानव जीव पर मेहरबान है तब से तो बिजली विभाग उदासीन है। यू कहे तो पहले आम दिनों मे बिजली लगभग 20से 22घंटे रहती थी लेकिन वर्तमान समय और इस उमस भरी गर्मी में 10 घंटा भी बिजली नसीब नही हो रहा है।जिसे उपभोक्ता काफी परेशान है। बिजली कटौती की जानकारी हेतु जब विभाग के आला अधिकारियों को फोन करते है तो फोन नही उठाते है। जानकारी बस मिलती है विभाग के नंबर पर लगे रिंगिंग टोन की,,, हम लाए है घर घर बिजली, हमारा बिहार,,,,,,ये सुन कर उमस भरी गर्मी से राहत लेते है उपभोक्ता । ये है बिजली विभाग का हाल। बिजली कटौती से इन दिनों लोग जनरेटर के मदद से अपना काम चलाने को बेबस दिख रहे है उपभोक्ता।सोमवार को उपभोक्ता बिजली आफिस पहुंचकर हंगामा किया। उपभोक्ताओं का कहना था कि बिजली विभाग अपने लचर व्यवस्था के कारण आम लोगों को परेशान करने का काम कर रही है। बिजली बिल का बकाया होते ही बिजली का कनेक्शन काटने का काम करती है।पिछले तीन माह से विभाग द्वारा मीटर रीडिंग का काम नहीं कराया जा रहा है, और ना ही किसी तरह का बिल उपभोक्ताओं को दिया गया है।ऐसे में एक साथ तीन चार माह का बिल आता है तो हम उपभोक्ता कहां से बिल दे पाएंगे। विभाग की गलती का खामियाजा आखिर हम उपभोक्ताओं क्यों भुगते।

पुश्तैनी जमीन के मालिक को बनाया भूमाफिया, पुलिस पर रिश्वत मे बडी.राशि मांगने का आरोप

रहिका थाना प्रभारी ने बताया हम पर लगाया गया इल्जाम गलत है

संवाददाता
अबू बकर

मधुबनी जिला के रहिका थाना क्षेत्र के गांव मलंगिया से एक अजीबोगरीब मामला प्रकाश मे आया है जहाँ पुश्तैनी जमीन के मालिक राजेश कुमार यादव एवं राकेश कुमार यादव को भूमाफिया बनाकर प्राथमिकी दर्ज कर दी गई हैं। वहीं रहिका थाना पुलिस पर सहयोग करने के नाम पर दो लाख की रिश्वत मांगने का गांव मलंगिया निवासी जमीन मालिक राजेश कुमार यादव एवं राकेश कुमार यादव की मां एवं स्वर्गीय इंद्रदेव यादव की पत्नी पीड़िता शैल देवी ने बड़ा आरोप लगाया हैं।इसे लेकर पीड़िता मसोमात शैल देवी ने मधुबनी एसपी सुशील कुमार को आवेदन देकर मदद की गुहार लगाई हैं। पीड़िता मसोमात शैल देवी द्वारा आवेदन की प्रतिलिपि पुलिस महानिरीक्षक, दरभंगा एवं पुलिस महानिदेशक, पटना को स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजा गया हैं। मधुबनी एसपी सुशील कुमार को दिए गए आवेदन मे मसोमात शैल देवी ने लिखा है की मेरे पति इंद्रदेव यादव की मृत्यु वर्ष 1990 मे हो गई। पति के मृत्यु के बाद मेरे ससुर एवं दोनों देवर सभी ने मिलकर मुझे बच्चों सहित घर से निकाल दिया एवं सम्पति मे हिस्सा देंने से इंकार कर दिया। मै तकरीबन 15वर्षों तक मायके मे रहकर किसी तरह मजदूरी कर अपने बच्चों का भरण पोषण किया। मसोमात शैल देवी ने आवेदन मे उल्लेख किया हैं की वर्ष 2005मे ससुराल आकर संपति मे बंटवारा के लिए मुखिया एवं गणमान्य लोगो से निवेदन कर पंचायत बैठाई। पंचायत मे शर्त के मुताबिक मुझे घर से दूर सड़क किनारे खेसरा नंबर 1914 के दक्षिण से 2कट्ठा 5धुर जो गड्ढा था मुझे घरारी के रुप मे रहने के लिए हिस्सा दिया गया और सभी फरीकेन एवं पंचों की रजामंदी से

वर्ष 2005मे ही जमीन का मापी कराकर पंचनामा बंटवारा एग्रीमेंट बनाकर मुझ? दखल कब्जा करा दिया। पंचनामा मे दिए गए हिस्से के अनुसार मैने दक्षिण से वर्ष 2023मे 2कट्ठा 5धुर जमीन अपने दोनों पुत्र राकेश कुमार यादव एवं राजेश कुमार यादव के नाम केवाला कर दिया। वहीं मसोमात शैल देवी के पुत्र ने राकेश कुमार यादव ने मीडिया को बताया की मां से केवाला से प्राप्त जमीन से संबंधित सभी कागजात मेरे पास हैं। उन्होंने बताया की जमीन का रसीद कट रहा हैं जमाबंदी नंबर एवं अमीन के नापी का प्रतिवेदन भी मेरे पास हैं। पीड़ित राकेश कुमार यादव ने जानकारी दिया की इधर अपने जमीन मे जब-जब मकान निर्माण करना प्रारंभ करते हैं तो मेरे फरीकेन विवाद करते हैं और मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। इस बात की सूचना मेरे द्वारा रहिका थानाध्यक्ष को लगातार दी गई हैं। उन्हें जमीन से संबंधित सभी कागजात भी दिखाये। उन्होंने आश्वासन भी दिया की आपका कागजात सही हैं आपको हम मदद करेंगे, लेकिन उन्होंने किसी भी तरह की मदद नहीं किया। पीड़ित राकेश यादव ने रहिका थानाध्यक्ष पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा की जमीन पर मकान निर्माण मे मदद करने पर हमसे 2लाख की बडी.राशि रिश्वत के रुप मे रहिका थानाध्यक्ष द्वारा मांगी गई। हमने कहा की मेरे पास जमीन के सभी कागजात मौजूद है और वैद्य है तो हम आपको रिश्वत के रुप मे इतनी बडी.राशि क्यों दे, हमने रिश्वत की राशि देंने से इंकार कर दिया। उन्होंने बताया की उसके बाद जब हमने अपने जमीन पर मकान निर्माण करवाना प्रारंभ किया तो मेरे फरिकेन के द्वारा हमलोगों को गाली-गलौज कर जमकर मारपीट की गई। घटना की सूचना मिलनें पर रहिका थाना पुलिस दलबल के साथ आई और थानाध्यक्ष ने 2,लाख का रिश्वत नहीं देंने के कारण दुर्भावना एवं अपने शक्ति का दुरुपयोग किया। मेरे फरीकेन व रिश्तेदार विधायक कहने पर ठीकेदार, लेबर तथा मेरे द्वारा संचालित ग्राहक सेवा केंद्र के ग्राहक का 7मोटरसाइकिल जब्त कर थाना ले गये। इसके साथ ही मेरे फरीकेन के आवेदन पर हमलोगों के ऊपर भूमाफिया होने का प्राथमिकी दर्ज कर दिया। जब हमलोगों ने कार्रवाई का विरोध दर्ज कर जब्त मोटरसाइकिल छोड़ देंने के लिए कहा तो मोटरसाइकिल छोड़ने के लिए भी थानाध्यक्ष द्वारा अलग से रिश्वत की मांग गई, जिसे देंने से हमलोगों ने इंकार कर दिया और जब मेरी मां ने अपने फरीकेन के खिलाफ आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करने के निवेदन किया तो उन्होंने प्राथमिकी दर्ज करने से इंकार कर दिया। पीड़ित राकेश कुमार यादव ने कहा हमने रहिका थानाध्यक्ष को प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश, पूरे मामले की जांच एवं न्याय के लिए मधुबनी एसपी सुशील कुमार समेत अन्य वरीय पदाधिकारियो से आवेदन देकर गुहार लगाया हैं।

SAHAYOG SECURITY SERVICES

बड़ी संख्या में आवश्यक्ता है

SJML HR SOLUTION SERVICES PRIVATE LIMITED

Trade Name : SAHAYOG SECURITY SERVICES

एसजेएमएल, एचआर, सोलुसन सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड को आवश्यक्ता है । दिल्ली, हरीयाणा, पंजाब, उत्तराखंड, तथा बिहार में गन मैन, सिविल गार्ड, बाउनसर, एवं सफाई कर्मचारी की सम्पर्क करें ।

सम्पर्क करें

मो0: 9472871824, 7366028884

ई-मेलः sjmlhrsolutionservices@gmail.com

भोजपुर में उधार देने से मना किया बेटा समझकर भांजे का मर्डर गड्ढे में मिला शव

भोजपुर। में सोमवार को गंदे पानी से भरे गड्ढे से ढाई साल के बच्चे का शव बरामद किया गया। उसकी दोनों आंखें बाहर आ गई थी। उसके मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था। उसकी बॉडी पानी में रहने की वजह से फूल गई थी। घटना जगदीशपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सौंधी गांव की है। मृतक की पहचान ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के ब्रह्मपुर गांव निवासी चंदन साह के ढाई वर्षीय बेटे करण उर्फ ढोलू के रूप में की गई। परिजनों के अनुसार, 6 जुलाई को बच्चे के बड़े मामा की दुकान पर गांव के दो युवक नशे की हालत में पहुंचे थे। उन्होंने कुरकुरे उधार मांगा पर मामा ने देने से इनकार कर दिया। दोनों युवकों ने उसे दो घंटे में खामियाजा भुगतने की धमकी दिया और वहां से चले गए। बच्चा अपने छोटे मामा की सगाई में आया था। वो घर के दरवाजे पर खड़ा था। आरोपियों को लगा वो दुकानदार (बड़े मामा) का बेटा है, इसलिए उसे उठाकर ले गए। 48 घंटे बाद बच्चे का शव बरामद किया गया। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मासूम बच्चे की मौसी अनीता देवी ने बताया कि 5 जुलाई को करण अपने मामा के सगाई में आया था। 6 जुलाई की सुबह जब मेरा भाई दुकान पर था, तब गांव के घुटुर और हातपोखर गांव का मुन्ना तत्वा नशे की हालत में दुकान पर आए थे। दोनों उधार मांग रहे थे। जब मेरे भाई ने उधार नहीं दिया तो उन्होंने दो घंटे में खामियाजा भुगतने की धमकी दी थी। उसके बाद घर से करण लापता हो गया। जब हम लोग करण को ढूंढने लगे तो वो नहीं मिला। इसके बाद इस मामले की सूचना जगदीशपुर थाना पुलिस को दी गई थी और दोनों लोगों को नामजद भी किया गया था। लेकिन, 8 जुलाई की सुबह बच्चे की डेड बॉडी मिली। अनीता देवी ने कहा कि आरोपियों ने दो घंटे में देख लेने की धमकी दी थी और उन्होंने दिखा भी दिया। जैसे उसने हमारे लड़के को मारा है, उन्हें भी फांसी की सजा मिलनी चाहिए। आज जब गांव का एक लड़का शौचालय करने के लिए गड्ढे की तरफ गया तो उसने शव को वहीं देखा। उसके बाद उसी लड़के ने इसकी जानकारी परिजनों को दी गई। शव मिलने की सूचना के बाद परिजनों ने इसकी जानकारी जगदीशपुर थाना को दी। इसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और कानूनी कार्रवाई में जुट गई। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले की सूचना मिलने के बाद जगदीशपुर डीएसपी राजीव चंद्र सिंह, डॉग स्क्वायड की टीम और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद शव को उस गंदे पानी से भरे गड्ढे से बाहर निकाला गया।

दबंगों ने युवक को पिलर में बांधकर पीटा

मोतिहारी। में केस वापस नहीं लेने पर दबंगों ने युवक को उठा कर दरवाजे पर पिलर से बांध कर पिटाई कर दी। इसके बाद पीड़ित के घर जाकर उसकी पत्नी के साथ मारपीट की है। पत्नी ने थाना में आवेदन देकर सुरक्षा की गुहार लगाई है। घटना कोटवा थाना क्षेत्र के महारानी भोपत पंचायत के बनबीरवा गांव की है। सूचना पर पहुंची पुलिस की टीम ने पीड़ित युवक को दबंगों के चंगुल से मुक्त कराया और थाने लेकर गई है। घटना को लेकर पीड़ित सुरेश साह की पत्नी सुमन देवी ने थाने में आवेदन देकर बताया है कि पूर्व में कोटवा थाना में एक छेड़खानी का केस किया गया था। इसको उठा लेने का दबाब आरोपी लगातार बना रहे है। इस बीच रविवार की सुबह जब सुरेश साह आम के बगीचा में आम बेच रहे थे। आरोपी प्रदीप साह , जीवेल साह और विमल साह ने उसके साथ मारपीट की और उसे मारते-पीटते अपने घर पर ले गए। साथ ही पिलर से बांध दिया। इस दौरान उनके 31 हजार रुपया कैश निकाल लिया। आरोपियों ने धमकी देते हुए कहा कि पूर्व का केस नहीं उठाया, तो अंजाम बुरा होगा। पीड़िता ने बताया कि आरोपियों ने धमकी दी कि अगर केश नहीं उठाते हो, तो दुष्कर्म की घटना को अंजाम तक दे देंगे। मेरे पति सुरेश साह का मोबाइल फोन भी तोड़ दिया गया। कोटवा थानाध्यक्ष राजरूप राय ने बताता है कि पूर्व में मारपीट को लेकर दोनों पक्ष ने एफआईआर दर्ज कराया था। वहीं, बांध कर पिटाई करने के मामले में आरोपियों के खिलाफ छापेमारी की जा रही है।

स्कॉर्पियो ने पति-पत्नी को कुचला मौत

हाजीपुर-मुजफ्फरपुर। NH-22 पर भगवानपुर थाना क्षेत्र के वालीशपुर में खेत में काम करने जा रहे पति-पत्नी को सड़क पार करने के दौरान स्कॉर्पियो ने कुचल दिया। दोनों पति-पत्नी की मौत मौके पर ही हो गई। घटना के बाद आसपास स्थानीय लोगों की भीड़ इकठ्ठा हो गई। घटना की सूचना भगवानपुर थाना की पुलिस को दी गई। हालांकि घटना के बाद भाग रहे स्थानीय लोगों ने स्कॉर्पियो को भी पकड़ लिया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मामले की जांच में जुट गई। मृतक की पहचान भगवानपुर थाना क्षेत्र के हरिवंशपुर निवास टुनटुन मांझी के 45 वर्षीय पुत्र मनोज मांझी और मनोज मांझी की 40 वर्षीय पत्नी रेखा देवी के रूप में हुई है। दोनों पति-पत्नी मजदूरी करते थे। दोनों अपने घर से वालीशपुर दूसरे के खेत में मजदूरी करने जा रहे थे। तभी सड़क पार करने के दौरान हाजीपुर की तरफ से मुजफ्फरपुर की तरफ जा रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने कुचल दिया था। दोनों खेत में मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। उनकी मौत हो जाने से परिजनों में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। भगवानपुर थाना अध्यक्ष ने बताया कि सड़क हादसे में पति-पत्नी की मौत हुई है। दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। स्कॉर्पियो गाड़ी को जब्त कर लिया गया है। चालक भागने में सफल रहा है। प्राथमिकी दर्ज की करवाई की जा रही है।

महादेव की भक्ति में तेजप्रताप शिवलिंग से लिपटकर की पूजा

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव भगवान की भक्ति को लेकर काफी चर्चा में रहते हैं। उनका एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें वे शिव भक्ति में लीन नजर आ रहे हैं। वीडियो दिल्ली के शनिधाम मंदिर का बताया जा रहा है, जहां तेजप्रताप अलग अंदाज में शिव की पूजा करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में तेज प्रताप बिल्कुल शांत भाव से भक्ति में लीन हैं और शिवलिंग से लिपटे हुए हैं। उन्होंने दोनों हाथों से शिवलिंग को पकड़ रखा है। वहां मौजूद एक साधु महादेव और उन पर दूध, भांग और विशेष तरह के जल अर्पित कर रहे हैं। इस दौरान पूरा मंदिर हर-हर महादेव के नारों से गूंज रहा है। पूजा संपन्न होने के बाद साधु तेज प्रताप की पीठ ठोंकते हैं और तेज प्रताप उनका आशीर्वाद लेते हैं। 1 मिनट 26 सेकेंड का यह वीडियो तेजप्रताप ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर डाला है। उन्होंने एक्स पर लिखा- महादेव परम सत्य के प्रतीक हैं। महादेव को गले लगाने का अर्थ है। स्वयं के सबसे गहरे, सबसे गहन पहलुओं को गले लगाना। अराजकता के बीच शांति पाना, महादेव को ढूंढना है। तेजप्रताप शिव और कृष्ण के भक्त हैं। अक्सर वृंदावन, महाकाल जैसे मंदिरों में जाते रहते है। पटना में भी उन्होंने मंदिर बनवाया है। उनके इस वीडियो पर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कई लोग व्यंग्य बाण भी छोड़ रहे हैं। बाबा बागेश्वर जब पटना आए थे उस समय उनका काफी विरोध तेजप्रताप यादव ने किया था। उन्होंने कहा था कि वे धर्म के नाम पर लोगों को भड़काएंगे तो उनका संगठन विरोध करेगा। 5 जुलाई को आरजेडी कार्यालय में आरजेडी के स्थापना दिवस के अवसर पर तेजप्रताप यादव नहीं दिखे थे। उस कार्यक्रम में लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव दिखे थे। लालू प्रसाद ने तेजस्वी के हाथ पार्टी की बागडोर दी थी। तब पोस्टर पर भी तेजप्रताप नजर नहीं आए थे। अब उनका वीडियो सामने आया है। पंडित को दिखाइएगा कि अस्पताल जाकर डॉक्टर को दिखाइएगा?' यहीं दूसरी तरफ लालू प्रसाद के बेटे तेजप्रताप शिव की आराधना अपने तरीके से कर रहे हैं।

संक्षिप्त डायरी

10 दिन पहले भी मारने की थी कोशिश 2017 में पति का भी हुआ था मर्डर

नवादा। में एक जुलाई की देर शाम ममता की गोली मारकर हत्या हुई थी। पुलिस ने मामले का चार जुलाई को खुलासा किया है। ममता के जेठ राजेश ने ही 10 साल से चल रहे जमीनी विवाद में उसकी हत्या कराई है। बताया गया कि जिस जमीन का विवाद चल रहा था उसे जून 2024 में महिला के नाम कर दिया गया था। ये फैसला उसके जेठ को नागवार था इसलिए उसने अपने दो साथियों के साथ मिलकर गोली मार दी। मामले में जेठ सहित तीन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। बता दें कि जमीन के इसी विवाद को ही लेकर 5 साल पहले महिला के पति विवेक सिंह की हत्या हुई थी। विवेक को 18 गोली मारी गई थी। विवाद साल 2014 से चला आ रहा था। रविवार को एसपी अंबरीष राहुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बीबीपुरा गांव के पास ममता कुमारी अपने जेठ के साथ बाइक से जा रही थी तभी रास्ते में उसे गोली मारी गई थी। वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव निवासी भगवान सिंह के बेटे राजेश कुमार के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। एसपी ने घटना को गंभीरता से लेते हुए सदर एसडीपीओ-टू, हिसुआ के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया। एसपी ने बताया कि गठित एसआईटी ने तकनीकी और मानवीय जानकारी के आधार पर मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि घटना का मुख्य कारण साल 2014 से चला आ रहा भूमि विवाद है। ये विवाद साल 2014 में शुरू हुआ। विवाद गांव के ही राजेंद्र सिंह और भगवान सिंह के बीच था। भगवान सिंह के बेटे ममता के पति विवेक और राजेश की नजर वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के दौलतपुर के रहने वाले देवेन्द्र लाल की 7 डिसमिल जमीन पर थी। दोनों चाहते थे कि जमीन उनके नाम कर दी जाए। उधर, देवेन्द्र लाल अपनी जमीन राजेंद्र सिंह के बेटे अनिस सिंह को रजिस्ट्र करने वाले थे। तभी उनको अगवा कर लिया गया। इस घटना में आरोपी बनाते हुए राजेश कुमार और उनके भाई विवेक सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। कुछ समय बाद देवेंद्र लाल मिल गया। रविवार को एसपी अंबरीष राहुल ने बताया कि भूमि से जुड़ा यह विवाद यहीं समाप्त नहीं हुआ। साल 2017 में जमीन के विक्रेता राजेन्द्र सिंह के बेटे अनिल सिंह पर गांव की ही एक नाबालिग लड़की से बलात्कार का आरोप लगाकर प्राथमिकी दर्ज कराई गई। उन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। उधर, पति के जेल में रहते हुए उसकी पत्नी को विवेक सिंह के नेतृत्व में डायन घोषित कर सार्वजनिक रूप से गांव में घुमाया गया था। इसका भी वारिसलीगंज थाना में मामला दर्ज हुआ था। उधर, 2017 में ही जेल में रहते हुए अनिल सिंह ने विवेक को मारने का प्लान बनाया। उसके बेटे गुड्डू कुमार ने अन्य लोगों के सहयोग से विवेक सिंह की हत्या कर दी, उसे 18 गोली मारी गई थी। इस मामले में गांव के ही 11 लोगों को आरोपित किया गया। साल 2023 में विवेक के चाचा रिटायर्ड लिपिक उपेंद्र सिंह की भी जमीन विवाद में हत्या हुई थी। उनको वारिसलीगंज रेक पॉइंट के पास नवनिर्मित मकान में गोली मारी गई थी, जिसमें अनिल सिंह के बेटे सुधांशु उर्फ लाला और एक अन्य अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। फिर आपसी वैमनस्य को समाप्त करने के लिए घटनाओं में शामिल और प्रभावित पक्षों ने समझौता किया, जिसमें विवादित जमीन मृतक विवेक सिंह की विधवा ममता देवी को 29 जून 2024 को रजिस्ट्री कर दी गई। एसपी राहुल ने बताया कि एक जुलाई 2024 को शाम लगभग 7.30 बजे ममता देवी अपने जेठ राजेश प्रसाद के साथ बाइक से अपने गांव जा रही थी, तभी उनकी हत्या कर दी गई। जांच में पाया गया कि राजेश ने अपने सहयोगी मनोज सिंह की मदद से ममता को मारा, क्योंकि वो समझौते से नाखुश था। वो चाहता था कि जमीन उसके नाम से रजिस्ट्री की जाए। महिला की हत्या की योजना में रौशन कुमार उर्फ चिरकुट, जो मनोज सिंह का भांजा है, वह भी शामिल था और घटना में प्रयुक्त शस्त्र उसी ने उपलब्ध कराया था। बता दें कि रौशन कुमार उर्फ चिरकुट साल 2021 में नवादा में हुई एक हत्या के मामले में जेल में था। वह हाल ही में जेल से छूटकर आया है। मनोज सिंह भी आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है। उस पर गोनावां में फायरिंग का आरोप है। एसपी ने बताया कि इस घटना से 10-12 दिनों पूर्व में भी ममता देवी की हत्या उस वक्त करने का प्रयास किया गया था, जब-जब वे अपने गांव ऑटो से जा रही थी, लेकिन रास्ते में कहीं एकांत न मिल पाने के कारण घटना को अंजाम नहीं दिया जा सका। घटना में शामिल तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रयुक्त हथियार को भी बरामद कर लिया गया है। मौके पर सदर एसडीपीओ-टू सुनील कुमार तथा मुफस्सिल थानाध्यक्ष सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी और जवान मौजूद थे। गिरफ्तार आरोपियों में जिले के वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव निवासी मृतक के जेठ स्व भगवान सिंह का बेटा राजेश प्रसाद, नगर थाना क्षेत्र के गोनावां गांव निवासी चन्द्रशेखर सिंह का बेटा मनोज सिंह, इसी गांव के सुधीर सिंह का बेटा रौशन कुमार उर्फ चिरकुट शामिल हैं। एसपी राहुल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मनोज सिंह का आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ नवादा नगर थाने में पहले से 2 केस दर्ज हैं। आरोपियों के पास से रिवॉल्वर, एक पिस्टल, 2 कारतूस, घटना में प्रयुक्त बाइक और 1600 रुपए बरामद किया गया है।

चेन्नई से मिली औरंगाबाद से गायब बच्ची बनारस-मुजफ्फरपुर में रेप की कोशिश भी हुई

औरंगाबाद। में पिता की डांट से नाराज बच्ची अपनी चाची के घर चली गई। जिसके बाद चाची ने अपनी भतीजी का सौदा कर दिया। रफीगंज रेलवे स्टेशन पर ले जाकर आरोपी महिला ने नाबालिग को बेच दिया। बच्ची को लेकर वो व्यक्ति पहले बनारस ले गया और फिर मुजफ्फरपुर। नाबालिग के साथ गलत करने की कोशिश भी की गई। वहां से भागने के दौरान नाबालिग चेन्नई की ट्रेन में बैठ गई। चेन्नई में पहुंचने के बाद वहां के लोकल व्यक्ति ने बच्ची के बारे में स्थानीय पुलिस को सूचना दे दी। जिसके बाद वहां की पुलिस के सहयोग से रविवार को बच्ची को बरामद कर लिया गया। आरोपी चाची साहजादी बेगम को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामला रफीगंज थाना क्षेत्र का है। सदर एसडीपीओ-2 अमित कुमार ने पीसी के जरिए जानकारी दी। सदर एसडीपीओ-2 ने कहा कि रफीगंज थाना क्षेत्र निवासी निवासी बच्ची की मां ने रफीगंज थाने में एक आवेदन दिया था। जिसमें उसने बताया था कि मेरी नाबालिग बेटी 27 जून शाम में घर से कहीं चली गई है। उसकी काफी खोजबीन की गई। पर कहीं पता नहीं चल रहा। प्रशिक्षु डीएसपी सह रफीगंज थानाध्यक्ष चंदन कुमार ठाकुर ने 2 जुलाई को मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। नाबालिग की बरामदगी के लिए टीम का गठन हुआ। जिसके बाद बच्ची को चेन्नई से बरामद कर लिया गया। बच्ची अपनी चाची साहजादी बेगम के घर चली गई थी।

1 सप्ताह में निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य नगर प्रबंधक ने कहा- पुल निर्माण की हो रही मॉनिटरिंग

नालंदा। बिहारशरीफ के सदर प्रखंड कार्यालय एवं सदर अस्पताल के पीछे नाला सह रोड निर्माण होने के कारण सदर अस्पताल, बड़ी पहाड़ी, मंसूर नगर, मामू भगिना जाने वाला मार्ग में आवा गमन प्रभावित है। लोगों की परेशानी को देखते हुए इस स्थल के पास पुल सह नाला निर्माण जल्द पूरा करने का आदेश स्मार्ट सिटी के अधिकारी ने दिया है। ताकि इस मार्ग पर आवा गमन जल्द से जल्द शुरू हो सके। रोड के हिस्से के नाला सह पुल की ढलाई कर दी गयी है। कुछ ही एरिया का नाला सह रोड का निर्माण शेष है। अधिकारियों की मानें तो रोड सह नाला निर्माण को गति देने के क्रम में नाले व बारिश का पानी बाधा बन रहा है। द्वारा बासु चाय दुकान के पास 120 एचपी का मोटर लगाकर पानी को दूसरी ओर लिफ्टिंग कर फेंका जा रहा है। इसे एक सप्ताह में पूरा होने की संभावना है।

तेजस्वी की सभा में जा रहे थे घायल नेता हादसे की सूचना के बाद पूर्व डिप्टी सीएम पहुंचे अस्पताल

पूर्णिया। युवा राजद के प्रदेश अध्यक्ष राजेश यादव की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। वे स्कार्पियो से रूपौली विधानसभा के भवानीपुर में पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव की चुनावी सभा में शरीक होने जा रहे थे, हालांकि वे वहां पहुंचते इससे पहले ही मीरगंज के समीप उनकी स्कार्पियो सामने से आ रही स्कूल वैन से टकरा गई। आमने - सामने की टक्कर में दोनों गाड़ियां पलट गई। युवा राजद के प्रदेश अध्यक्ष राजेश यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, स्कूल वैन पर सवार तीन लोग भी हादसे में घायल हैं। घटना मीरगंज थाना क्षेत्र के धमदाहा मीरगंज मार्ग की है। हादसे की जानकारी मिलते ही तेजस्वी यादव जनसभा से पहले राजेश यादव समेत घायलों से मिलने पहुंचे। नेता प्रतिपक्ष ने हादसे में घायल हुए राजेश यादव और अन्य घायलों की इलाज को लेकर डॉक्टरों से बातचीत की। इस दौरान उनके साथ वीआईपी सुप्रीमो मुकेश साहनी समेत कई बड़े नेता दिखाई दिए। हादसे के बाद स्थानीय लोग मौके पर जुटे और कसबा स्थित मैक्स 7 अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही मीरगंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है। स्कूल वैन के चालक को मामूली चोटें आई हैं।

उपचुनाव में बीमा का साथ देंगे सांसद पप्पू यादव

पूर्णिया। आगामी 10 जुलाई को रुपौली विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव होने वाला है। इससे पहले पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने खुलकर राजद प्रत्याशी बीमा भारती का समर्थन कर दिया है। सांसद पप्पू यादव ने अर्जुन भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाकर बीमा भारती के समर्थन का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि किसी कारण के चलते मेरी प्रत्याशी से भूल हुई हो, तो इसके लिए मैं हाथ जोड़कर क्षमा मांगता हूं। आप सभी से रूपौली की बेटी बीमा भारती के पक्ष में वोटिंग के लिए आग्रह करता हूं। प्रेस को संबोधित करते हुए पप्पू यादव ने कहा कि जो लोग कांग्रेस, सोनिया गांधी, राहुल या फिर प्रियंका गांधी की विचारधारा को मानते हैं वे हर परिस्थिति में इसके प्रत्याशी के साथ हैं, फिर चाहे सामने कोई भी हो। वैसे लोग जो कभी कभी निर्दलीय तो कभी NDA के साथ रहे। वे न कभी मेरे विचारधारा से हैं और न आगे कभी होंगे।आगे पप्पू यादव ने खुलकर कहा कि जो लोग इस चुनाव में NDA के साथ हैं या फिर निर्दलीय के साथ होंगे। वो किसी भी कीमत पर पप्पू यादव के साथ नहीं हो सकते। क्योंकि हमारी आइडियोलॉजी और विचारधारा कांग्रेस की है। हमारे लोग कांग्रेस के विचारधारा के साथ रुपौली में पूरी मजबूती के खड़े हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि रुपौली कि जनता मेरे लिए हमारे प्रत्याशी की सारी गलती माफ करेगी। जनता से मैं खुद उनकी ओर हाथ जोड़कर क्षमा मांगता हूं। अगर किसी तरह की कोई गलती हुई हो महागठबंधन के कैंडिडेट से तो माफ कर दीजिएगा। आगे उन्होंने कहा वो कुछ करे न करे, जैसे ही चुनाव खत्म होगा, मैं सूद ब्याज के साथ खड़े रहकर रूपौली से विकास की शुरूआत करूंगा। ये खुद आपसे आपके सांसद पप्पू यादव का वादा है। मैं एक बार फिर रुपौली की जनता से हाथ जोड़कर क्षमा मांगता हूं, अगर कभी भूल से हमारे प्रत्याशी से गलतियां हुई होगी तो उसे क्षमा करिएगा। आप मेरे लिए एक बार रूपौली की बेटी के साथ खड़ा रहिएगा। दरअसल, सांसद पद की शपथ लेने के ठीक बाद पूर्णिया पहुंचते ही बीमा भारती ने पप्पू यादव से मुलाकात की थी। वहीं, इससे जुड़ा एक फोटो भी सामने आया, जिसमें बीमा भारती सांसद पप्पू यादव को बुके देती हुई दिखाई दी थी। ऐसा माना जा रहा है कि तभी सांसद पप्पू यादव ने बीमा भारती को अपना समर्थन देने का भरोसा दिलाया था। वहीं, सांसद पप्पू यादव के समर्थन के बाद बीमा भारती के कैडर वोटर गंगोता के अलावा यादव और मुस्लिम वोटर सीधे तौर पर बीमा भारती की ओर शिफ्ट होते दिख रहे हैं। इससे न सिर्फ एनडीए प्रत्याशी कलाधर मंडल बल्कि पूर्व विधायक और निर्दलीय प्रत्याशी शंकर सिंह की राहें भी काफी मुश्किल हो सकती है। इससे पहले सांसद पप्पू यादव CPI के विकास चंद्र मंडल का टिकट काटकर बीमा भारती को राजद की ओर से रुपौली उपचुनाव का प्रत्याशी बनाए जाने से नाराज चल रहे थे। इतना ही नहीं गोपाल यादुका हत्याकांड में बीमा भारती के बेटे राजा और पति अवधेश मंडल के नाम आने के बाद सांसद पप्पू यादव ने बीमा भारती को घेरते हुए इस केस की निष्पक्ष जांच की मांग की थी। हालांकि, ओथ से ठीक पहले ही बीमा भारती को लेकर सांसद पप्पू यादव के सुर बदले-बदले से दिखाई दिए थे। बता दें कि राजद प्रत्याशी बीमा भारती अब तक पूर्णिया के रुपौली से 5 बार की विधायक रही हैं। बीमा भारती के इस्तीफे के बाद से ये सीट खाली पड़ी थी। रुपौली विधानसभा सीट के लिए 10 जुलाई को वोटिंग होनी है। जबकि 13 जुलाई को काउंटिंग होगी। बिहार में होने वाली 2025 के विधानसभा चुनाव से पहले रूपौली विधानसभा के लिए होने वाले उपचुनाव में सीएम नीतीश कुमार के साथ ही भाजपा और नेता प्रतिपक्ष पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव का लिटमस टेस्ट होगा। जबकि वैश्य वोटरों की तादार 25 हजार के आसपास है। है। कारण अब तक इन वोटरों पर कुख्यात अवधेश मंडल का वर्चस्व रहा।

श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर संकल्प वाली यात्रा पंहुची जतीपुरा

गिर्राज जी मैं गूंजे श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के स्वर

मथुरा। श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के लिए जन जागरण के तहत निकली ब्रज चौरासी कोस संकल्प यात्रा आज छठवें चरण में पुष्टिमार्ग के केंद्र बिंदु स्थल जतीपुरा, गोवर्धन पहुंची सर्वप्रथम वहां इंद्र पूजा छप्पन भोग , स्थल पर मुख्य सेवायक पवन मुखिया जी ने भगवान लड्डू गोपाल को विराजमान कराकर सभी भक्तों का भव्य स्वागत किया सैकड़ो की संख्या में उपस्थित भक्तों ने दर्शन आरती एवं कतारबध होकर पूजा अर्चना की इसके बाद गिरिराज जी मुखारविंद पर विशाल संकल्प सभा का आयोजन हुआ संकल्प सभा को संबोधित करते हुए हिंदूवादी कृष्ण भक्त दिनेश शर्मा ने कहा कि जब तक भगवान श्री कृष्ण मूल गर्भ ग्रह में स्थापित नहीं हो जाते तब तक भारतवर्ष का संपूर्ण सनातनी चुप नहीं बैठेगा, आज बृजवासियों ने भारी संख्या में उपस्थित होकर संकल्प लिया है मुगल आक्रांताओं द्वारा बनाया गया स्मारक जब तक हट नहीं जाता तब तक वह चैन से नहीं बैठेंगे इसके लिए प्रत्येक बृजवासी अपनी कुर्बानी भी देने को तैयार है पर न्यायालय पर हमें पूरा विश्वास है आखिर जीत अंततः सनातनियों की होगी और भगवान योगेश्वर श्रीकृष्ण मूल गर्भ ग्रह में विराजमान होंगे प्रतिपक्ष के पास कोई भी ऐसा सबूत नहीं है जिससे यह बता सके कि यह भगवान कृष्ण के मंदिर से पहले उनका इबादत स्थल था हिंदू महासभा की जिला अध्यक्ष छाया गौतम, राष्ट्रीय सचिव जमुना शर्मा, राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेश पाठक, महानगर अध्यक्ष नरेश सिंह, ने कहा कि हिंदू जनमानस धैर्यवान एवं परोपकारी रहा है वह हमेशा न्याय प्रिय सिद्धांत को मानता है और उस पर विश्वास रखता है मधुबन के प्रख्यात संत हरिदास बाबा, किसान नेता जयराम शर्मा, महामंत्री राहुल गौतम, ने कहा कि आज गिरिराज जी का कण कण श्री कृष्ण जन्मभूमि को मुक्त करने के लिए गूंज उठा है दुनिया की कोई ताकत नहीं जो भक्तों की पुकार और भगवान श्री कृष्ण के आशीर्वाद को मिथ्या साबित कर सके इस अवसर पर उषा सोलंकी, रिचा शर्मा, राजेश कृष्ण शास्त्री, पवन बाबा, नीरज गौतम, अश्वनी शर्मा, प्रवीण शर्मा, राम कौशिक, लाला भैया, ठाकुर सूरजमल, हरि ओम, आदि उपस्थित थे

संक्षिप्त डायरी

बाइक फिसलने से गिरे युवक को डंफर ने रोंदा

मथुरा। सोमवार को नौहझील थाना क्षेत्र के कस्बा बाजना में बाइक फिसलने से गिरे युवक को पीछे से आ रहे डंपर ने रौंद दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। डंफर छोड़र आरोपी चालक फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। मौके से पुलिस ने टंफर को अपने कब्जे में ले लिया। हादसा नौहझील थाना क्षेत्र के बाजना कस्बा में सोमवार की दोपहर को हुआ। जरैलिया मोड़ पर सड़क पार करते समय बाइक फिसलने से युवक गिर गया। इसी समय पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने बाइक चालक विनोद कुमार (40) पुत्र प्रताप सिंह, निवासी कोलाहर को रौंद दिया। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजन को खबर दी। सूचना पर परिजन रोते बिलखते पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हुई है। डंपर को कब्जे में लिया है। परिचालक को पकड़ लिया है। चालक डंपर छोड़ फरार हो गया।

एडु रैंकिंग में वेटनरी विवि को देश में पशु विज्ञान श्रेणी में मिला सर्वोच्च स्थान

मथुरा। उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय एवं गौ-अनुसंधान संस्थान मथुरा को विश्व की मानी जानी स्वतंत्र रूप से कार्य करने वाली संस्था, एडु रैंक द्वारा, पशु विज्ञान श्रेणी में देश में प्रथम स्थान दिया है। स्वतंत्र रूप से विश्व के 183 देशों की 14,131 विश्वविद्यालयों को उनके शोध करने के कार्य शैली, शोध पत्रों के प्रकाशन तथा संस्थान के पुरातन छात्रों के पुनर्मिलन प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए, विश्व के उच्च शिक्षण संस्थाओं की रैंकिंग घोषित करता है। पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय ने एडु रैंकिंग में पशु विज्ञान श्रेणी में, देश में प्रथम स्थान, एशिया में 16वां स्थान तथा विश्व में 143वां स्थान प्राप्त किया है । विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट प्रदर्शन का श्रेय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अनिल कुमार श्रीवास्तव के कठिन परिश्रम एवं मार्गदर्शन को जाता है । प्रोफेसर श्रीवास्तव के अथक प्रयासों के परिणाम स्वरूप विश्वविद्यालय, देश के समस्त पशु विज्ञान संस्थानों में स्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। प्रोफेसर श्रीवास्तव ने विश्वविद्यालय के सफलता का श्रेय विश्वविद्यालम के समस्त शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारीयों तथा छात्र-छात्राओं के अथक प्रयास एवं सहयोग का परिणाम बताया । उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शोध, शिक्षण तथा प्रसार गतिविधियों को उच्च कोटि प्रदान करने में समस्त शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारी और छात्र-छात्राओं का अहम योगदान है। उन्होंने विश्वविद्यालय के समस्त लोगों को इस सफलता की हार्दिक बधाई एवं शुभकामना प्रेषित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय इसी तरह अपने उत्कृष्ट कार्यों से आगे बढ़ता रहे।

महर्षि वेदव्यासजी की तपस्थली पर प्रादुर्भाव समारोह 19 को

मथुरा। श्रीमद्भागवत कथा आयोजन समिति के तत्वावधान में व्यास पूर्णिमा/ गुरु पूर्णिमा के पूर्व दिवस पर परंपरागत रूप से आदि-गुरु महर्षि वेद व्यास प्रादुर्भाव समारोह का आयोजन 19 जुलाई को कृष्णगंगा घाट स्थित कृष्ण द्वैपायन व्यासजी पौराणिक तपस्थली पर आयोजित होगा। इसी संबंध में समिति की एक वर्चुअल बैठक में समारोह की रूपरेखा तय की गयी। समिति संस्थापक पंडित अमित भारद्वाज ने बताया कि वृंदावन के सुदामाकुटी नाभा पीठ द्वाराचार्य स्वामी सुतीक्षण दास महाराज मुख्य अतिथि होंगे। अन्य संत भी सहभागिता करेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महंत राधाकान्त गोस्वामी करेंगे। स्मारक समिति के योगेश उपाध्याय आवा ने बताया कि प्रति वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष यह समारोह अभूतपूर्व होगा। समिति अध्यक्ष पं. शशांक पाठक ने बताया कि 19 जुलाई को प्रातः 10 बजे व्यासजी का वैदिक मंत्रोच्चार व वेद मंत्रों से चरणाभिषेक धर्मगुरु, विद्वतजन, पांडित्यजन व विप्रजन करेंगे। तत्पश्चात वस्त्र अलंकरण, सुगंध सेवा पुष्प सेवा कर पूजन अर्चन के बाद उनके जीवन दर्शन पर विद्वत संगोष्ठी होगी। इस अवसर पर सात धर्म गुरुओं का सम्मान किया जायेगा। संयोजक शिवओम गौड़ शास्त्री ने बताया कि व्यास जी के जन्मोत्सव के कारण ही व्यास पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाते है।

बैठक में महामंत्री सुमंत कृष्ण शास्त्री, उपाध्यक्ष राहुल पाराशर, आचार्य विष्णुशरण भारद्वाज, मंत्री हर्षवर्धन शास्त्री, महंत दीपक शास्त्री, आचार्य लालजी भाई शास्त्री, पं. मुरारी लाल उपाध्याय, विनोद गौड़, आशीष शर्मा, यज्ञ दत्त शास्त्री , गिरीश शास्त्री आदि ने विचार व्यक्त किए।

हाथरस हादसे में महिला अनुयायी का बड़ा खुलासा

आगरा। हाथरस में साकार विश्व हरि भोले बाबा के सत्संग के बाद हुई भगदड़ साजिश है। आगरा के केदारनगर में बनी भोले बाबा की कुटिया में माथा टेकने पहुंची एक महिला अनुयायी ने दावा किया है भगदड़ कच्छा-बनियान पहने पुरुषों ने की। उन्हें रोका भी गया था, लेकिन उन्होंने किसी की नहीं सुनी। महिला अनुयायी शांति देवी का कहना है कि वे 2001 से भोले बाबा से जुड़ी हुई हैं। 2 जुलाई को भी सत्संग में शामिल होने गई थी। सत्संग खत्म होने के बाद वे लोग बाहर सड़क पर खड़े थे। इतने में कच्छा बनियान पहने कुछ पुरुषों ने सत्संग में आए अनुयायियों को धक्का देना शुरू कर दिया। इस धक्का-मुक्की में ही भगदड़ मच गई। लोग गिरने लगे। शांति देवी का कहना है कि वो भी गिर गई थीं। उनके घुटनों में चोट आई। लेकिन किसी तरह वो सुरक्षित साइड में हो गईं। धक्का देने वालों को रोका गया शांति देवी का दावा है कि धक्का-मुक्की करने वाले पुरुषों को रोका गया। उन्होंने नीले रंग की बनियान पहनी हुई थी। वे सत्संगी नहीं थे। हमने उनसे कहा कि धक्का क्यों दे रहे हो। हमारे नारायण हरि सिखाते हैं कि पहले दूसरों को आगे रखो। हम अपने सत्संग में कहते हैं कि आप आगे आओ। हमारे मना करने और रोकने का भी उन पर असर नहीं हुआ। भाई-बहन गिरने लगे। लोगों को चोटें आईं।

कम नहीं हुई है आस्था। भोले बाबा के प्रति लोगों की आस्था में कमी नहीं आई है। घटना वाले दिन से लेकर अब तक लगातार अनुयायी केदारनगर की कुटिया में पहुंच रहे हैं। सुबह से रात तक अनुयायियों का आना-जाना लगा रहता है। मंगलवार को वहां कीर्तन होता है। अनुयायियों में महिलाओं की संख्या ज्यादा है।

साजिश का किया दावा साकार विश्व हरि भोले बाबा के वकील एपी सिंह भी भगदड़ को साजिश बता रहे हैं। उन्होंने बयान दिया है कि कुछ लोगों ने जहरीला स्प्रे किया, जिस वजह से भगदड़ की स्थिति पैदा हुई।

गर्लफ्रेंड के पति ने युवक को मार डाला

आगरा। एटा के रहने वाले युवक की उसकी प्रेमिका के पति ने दोस्तों संग मिलकर आगरा में हत्या कर दी। युवक 30 दिनों से लापता था। अब उसका कंकाल बरामद हुआ है। परिजनों ने एटा के सकीट थाना में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। रविवार रात को एटा पुलिस आगरा पहुंची। प्रेमिका और उसके पति से पूछ तो प्रेमिका ने लाश ठिकाने लगाने की जगह कबूल दी। परिजनों ने बताया- पुलिस का कहना है कि बेटे का सिर बरामद कर लिया गया है।युवक की मां नीरज देवी ने कहा- मेरा घर सकीट थाने के मोहल्ला खरा में है। 8 जून को थाने में 20 साल के बेटे दिलीप की गायब होने की सूचना दर्ज कराई। मेरा बेटा दिलीप 5 जून की दोपहर दो बजे घर से निकला था। इसके बाद वो नहीं लौटा। उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली। एक माह से परिजन बेटे के लिए परेशान थे। मृतक के छोटे भाई ने बताया कि पुलिस ने सर्विलांस के जरिए भाई की लोकेशन आगरा में निकाली। पुलिस ने बताया कि भाई का मर्डर हो गया है। उसकी बॉडी को आगरा में फेंक दिया है। रात एक बजे एटा पुलिस आगरा पहुंची। ताजगंज पुलिस के साथ मिलकर पुलिस ने युवक की प्रेमिका और उसके पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पति गोविंद ने पुलिस को बताया कि दिलीप उसकी पत्नी को फोन करता था। उसने दिलीप को 5 जून को आगरा बुलाया। रात में अपने दोस्तों के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी। उसके शव को दफन कर दिया गया है। एक माह तक किसी को इसका पता नहीं चला।मौके पर मिला कंकालएटा सकीट थाना प्रभारी ने बताया कि रविवार रात को आरोपी की निशानदेही पर शव को बरामद करने के प्रयास किए गए। दोपहर में खुदाई से खोदाई कराई। कंकाल में सिर और कुछ हड्डियां बरामद हुई हैं। इनको फोरेंसिक लैब भेजा जाएगा।

मोहर्रम की पहली तारीख में निकला अलमों का जुलूस

मथुरा। सोमवार को मोहर्रम कमेटी शहर व सदर के तत्वावधान में मोहर्रम माह की एक तारीख में डीग गेट बरबार पाड़ा से अलमों व अखाड़े का जुलूस बहुत सादगी के साथ निकाला गया।मोहर्रम कमेटी अध्यक्ष मौहम्मद युनूस गाजी एवं सचिव अबरार खान वारसी ने बताया कि हजरत मुहम्मद साहब के प्यारे नवासे हजरत इमाम हुसैन की याद में शहर के परम्परागत स्थानों से मोहर्रम माह में सादगी के साथ अलम, अखाड़े, छोटा दुलदुल, बड़ा दुलदुल व ताजिये एवं सोयम प्याला (तीजा) के जुलूस निकाले जाते हैं। उन्होंने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी यह कार्यक्रम लगातार 11 दिन चलेगा।मोहर्रम कमेटी अध्यक्ष युनूस गाजी ने बताया कि इस्लाम में मोहर्रम का महिना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है इसी माह में पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब के प्यारे नवासे हजरत इमाम हुसैन ने हक और बातिल की जंग में अपने परिवार सहित 72 साथियों के साथ कर्बला के मैदान में शहादत का जाम पीया था।अध्यक्ष मोहम्मद युनूस गाजी ने बताया कि मोहर्रम की पहली तारीख में अलम व अखाड़े का जुलूस अफजल बेग पुत्र अजीज बेग के द्वारा परम्परागत स्थान डीग गेट गिलगिलिया वाली बगीची से प्रारम्भ होकर शाही मस्जिद ईदगाह पहुंचेगे। उसके बाद नई बस्ती, भैंसा गोदाम होते हुए गली अहेरियान, बरबार पाड़ा, मण्डी रामदास होकर ठेक नारनौल, खिड़की विलायती, हालन गंज, वृन्दावन गेट होते हुए जामा मस्जिद चौक बाजार में अलम व आखाड़ा जमा जिसमें अखाड़े के उस्ताद खलीफाओं ने अपनी कला बिराह बांटी, तलवार बाजी आदि का प्रदर्शन कर हैरत अंगेज करतब दिखाए गए,इसके बाद कुशक गली, हनुमान टीला, इमाम बाड़ा काजी पाड़ा, चूड़ी वाली गली, नककारची टीला से चौंक बाजार होते हुए घीया मंडी, भरतपुर गेट से मनोहरपुरा, मटिया दरवाजा, बरबार पाड़ा पहुंच कर समाप्त हुआ।

आगरा यूनिवर्सिटी में बीएएमएस छात्रों का हंगामा

आगरा। के डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में सोमवार को बीएएमएस के छात्रों ने हंगामा किया। परीक्षा नियंत्रक ऑफिस के बाहर धरने पर बैठ गए। छात्रों की मांग है कि उनके एग्जाम की डेट शीट बदली जाए। सिलेबस अभी पूरा नहीं हुआ है और विश्वविद्यालय ने डेट शीट जारी कर दी है। विश्वविद्यालय बीएएमएस 2018-19 की मेन एग्जाम 16 जुलाई तक करवा रहा है। इसके साथ ही 2015-16, 2016-17, 2017-18 के सप्लीमेंट्री एग्जाम भी होंगे। 2018-19 बैच के छात्रों का कहना है कि बीएएमएस चार साल का कोर्स है। 18 महीने में पूरा कोर्स होता है। विश्वविद्यालय 6 महीने में ही एग्जाम कैसे करा सकता है। सिलेबस पूरा ही नहीं हुआ है।

बलदेव में नगर पंचायत कार्यालय पर निष्प्रयोज्य खड़ी पानी की टंकी जर्जर हालत में हादसे को निमंत्रण।

बलदेव। मथुरा में पानी की टंकी बतासे की तरह धराशाई होने के बाद भी बलदेव में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। बलदेव में नगर पंचायत कार्यालय पर बीस वर्षों से अधिक समय से निष्प्रयोज्य खड़ी पानी की टंकी जर्जर हालत में हादसे को खुला निमंत्रण दे रहीं हैं। लेकिन नगर पंचायत बलदेव व जिला प्रशासन का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। पानी की टंकी जर्जर हालत में हो गई है।

जगह जगह टंकी चटक गई है। जो कभी भी तेज बारिश व तेज हवाओं या तेज बिजली कड़कड़ाने से धराशाई हो सकती हैं। यहां पर अधिकांश समय काफी लोग आते-जाते हैं। भीड़ भाड़ भी विशेष महत्व के अवसरों पर रहतीं हैं जो कि कभी भी हादसे को खुला निमंत्रण दे रहीं हैं। नगर पंचायत बलदेव में टीसी बाबू लिपिक सुनील पांडेय ने बताया यह टंकी बीस वर्षों से अधिक समय से निष्प्रयोज्य खड़ी हैं। अब यहां पर नगर पंचायत कार्यालय स्थापित हैं, लोग आते-जाते हैं, विशेष अवसरों पर भीड़भाड़ रहती हैं, इस संबंध में उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है जब यह टंकी मथुरा की तरह धराशाई हो कर गिर जायेगी तब प्रशासन नींद में जागेगा। शायद उससे पहले याद नहीं आयेंगी न कुंभकर्णी नींद खुलेगी।

आगरा में भोले बाबा के आश्रम के बाहर धरना

आगरा। हाथरस के सिकंदराऊ में नारायण हरि सरकार उर्फ भोले बाबा के सत्संग में भगदड़ मचने से 123 लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस की ओर से सत्संग के मुख्य आयोजक के खिलाफ FIR दर्ज कराई गई। में बाबा का नाम नहीं है। अब बाबा की गिरफ्तारी की मांग को लेकर आगरा में बाबा के आश्रम के बाहर एक युवक धरने पर बैठा है। उसका कहना है- जब तक बाबा की गिरफ्तारी नहीं होगी, तब तक धरने पर बैठा रहूंगा। हर रोज माथा टेकने पहुंच रहे बाबा के फॉलोअर्स आगरा के शाहगंज के केदार नगर में भोले बाबा का आश्रम है। यहां पर हर दिन बाबा के अनुयायी मत्था टेकने आते हैं। दो जुलाई को हुए हादसे के बाद ये आश्रम चर्चा में आया। सोमवार को आश्रम के बाहर आगरा के रहने वाले कृष्ण गोपाल उपाध्याय धरने पर बैठ गए। वो सुंदर कांड का पाठ भी कर रहे है। कृष्ण गोपाल ने बताया कि उनके धरने पर बैठने कारण है 123 परिवार हैं। हादसे में 123 लोगों की मौत हो गई। घटना हुए 6 दिन बीत गए, लेकिन अभी तक किसी ने

हादसे की जिम्मेदारी नहीं ली है। शासन-प्रशासन ने अभी तक किसी को जिम्मेदार नहीं माना। किसी भी अधिकारी को सस्पेंड नहीं किया गया, तो इन मौतों का जिम्मेदार कौन है। भोले बाबा को इस हादसे की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। वो ही सत्संग के मुख्य आयोजन कर्ता हैं। वो ही सभी को दिशा निर्देश देते हैं। उनकी गिरफ्तारी होनी चाहिए। गिरफ्तारी न होने तक वो धरने पर बैठे रहेंगे। पाखंड करने वालों पर हो कार्रवाई धरने पर बैठे कृष्ण गोपाल का कहना है कि बाबा के सत्संग में अंध विश्वास और पाखंड को बढ़ावा दिया जाता था।

वो अपने आप को परमात्मा कहते हैं। हिंदू देवी देवता की पूजा नहीं करते। वो हिंदू देवी देवताओं के बारे में गलत बयान देते थे, लोगों को गुमराह करते थे। उनकी मांग है कि बाबा के आश्रमों को बेचकर मृतकों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपए की धनराशि दी जाए।

मथुरा में बाइक सवारों की फायरिंग घर के गेट पर गोली चलाते हुए भागे

मथुरा। मथुरा में दबंग किस कदर बेखौफ हैं इसकी बानगी देखने को मिली थाना जैंत क्षेत्र के गांव छटीकरा में। यहां बाइक सवार तीन युवकों ने तमंचा से एक घर पर फायरिंग कर दी। बाइक सवार युवकों ने 2 फायर किए। फायरिंग की यह घटना CCTV कैमरे में कैद हो गई। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। तीन युवकों ने की फायरिंग थाना जैंत क्षेत्र के छटीकरा कस्बे में रेलवे स्टेशन रोड पर रहने वाले विक्रम के घर के बाहर 4 जुलाई की रात को अचानक फायर की आवाज हुई। फायरिंग की आवाज सुनकर मोहल्ले में दहशत फैल गई। आवाज सुनकर बाहर आए लोगों ने देखा तो कोई दिखाई नहीं दिया। जिसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। फायरिंग बाइक सवार युवकों ने की फायरिंग बाइक सवार युवकों ने की सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो 4 जुलाई की रात करीब साढ़े 11 बजे 3 युवक बाइक पर सवार हो कर छटीकरा रेलवे स्टेशन वाली रोड पर बनी कॉलोनी में पहुंचते हैं। यहां वह बाइक चलाते हुए

दबंगई दिखाने के लिए विक्रम के घर के बाहर 2 फायर करते हैं और मौके से भाग जाते हैं। फायरिंग की यह वारदात पास लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई। जिसका वीडियो रविवार देर शाम सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पीड़ित विक्रम ने बताया-पुलिस कार्यवाही के बाद बौखलाए दबंगों के साथी मुकदमा वापस लेने के लिए धमकी दे रहे हैं।

पीड़ित विक्रम ने बताया-पुलिस कार्यवाही के बाद बौखलाए दबंगों के साथी मुकदमा वापस लेने के लिए धमकी दे रहे हैं। दबंग दे रहे धमकीफायरिंग की जानकारी मिलने पर जैंत पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने 1 कैमरे की रिकॉर्डिंग देखी। पीड़ित विक्रम ने बताया कि तीनों युवकों ने गोली सीधे उनके घर के गेट पर चलाई थी। तीनों युवक गांव के ही रहने वाले छोटू,सुदामा और एक अन्य युवक है। फायरिंग के बाद गेट पर बने गोली के निशान। फायरिंग के बाद गेट पर बने गोली के निशान। पुलिस ने 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार फायरिंग का सीसीटीवी वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने 2 युवकों को गिरफ्तार कर लिया। विक्रम ने बताया पुलिस द्वारा की जा रही कार्यवाही से बौखला कर दबंग युवकों के साथी उनसे मुकदमा वापस लेने के लिए धमकी दे रहे हैं।

...फिर, आप रहेंगी खुश

- यदि आप एक घंटे के लिए खुश रहना चाहती हैं तो एक झपकी ले लें।
- यदि आप एक दिन के लिए खुश रहना चाहती हैं तो पिकनिक पार्टी में सम्मिलित हो लें।
- यदि आप एक सप्ताह के लिए खुश रहना चाहती हैं तो फैमिली के साथ कहीं घूम-फिर आएं।
- यदि आप एक महीने के लिए खुश रहना चाहती हैं तो शादी कर लें।
- यदि आप एक साल के लिए खुश रहना चाहती हैं तो बड़ी जायदाद की वारिस बन जाएं।
- यदि तुम जिंदगी भर के लिए खुश रहना चाहती हैं तो अपने काम से प्यार करना सीखें।

मॉइश्चराइजर का उपयोग करना कई लोगों के लिए आम है। कुछ मामलों में, लोशन या मॉइश्चराइजिंग क्रीम का उपयोग, कोमल और स्वस्थ त्वचा को बनाए रखने की इच्छा के वजह से होता है।

ऐसे इस्तेमाल करें मॉइश्चराइजर

अन्य समय में मॉइश्चराइजर का उपयोग एक उपकरण के रूप में किया जाता है, ताकि कुछ प्रकार की त्वचा की समस्याओं को ठीक कर सकें, संभवतः खुजली से राहत लाने के लिए, खरोंच या सूखापन जो की चिकित्सा समस्या के साथ जुड़ा होता है, उसको कम करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। मॉइश्चराइजर को कितनी बार लगाना है, यह एक आम सवाल है, जिसका उत्तर व्यक्तिगत स्थिति के आधार पर होता है। यहां कुछ उदाहरण हैं मॉइश्चराइजर के उपयोग के आम करणों के साथ और इसे कितनी बार लगाना आवश्यक होता है।

- जो लोग त्वचा की देखभाल के मौजूदा काम के लिए स्वस्थ त्वचा को बनाए रखने में संलग्न होते हैं, उनके लिए नियमित रूप से मॉइश्चराइजिंग महत्वपूर्ण होता है।
- लोशन कितनी बार लगाएं, इसके लिए ध्यान रखना पड़ता है कि त्वचा कितना प्राकृतिक तेल ग्रहण कर सकती है।
- कुछ लोग लोशन का प्रयोग नहाने के बाद त्वचा को मॉइश्चराइज करने के लिए करते हैं, ताकि जो नमी साबुन के उपयोग से हट गई है, उसे वापस लाया जा सके।
- जिन लोगों की त्वचा तेलीय होती है, उन लोगों को मॉइश्चराइजर का उपयोग हर दूसरे दिन या सप्ताह में दो बार काफी होता है, ताकि वो त्वचा में नमी की समान मात्रा बनाए रख सकें।
- जब किसी प्रकार का चिकित्सा समस्या होती है, जिसकी वजह से त्वचा शुष्क हो जाती है, कम से कम दिन में एक बार मॉइश्चराइजर का उपयोग करें या कभी-कभी एक से अधिक बार ताकि किसी भी असुविधा और त्वचा को धीमी गति से क्षति को कम करने में मदद कर सकें।
- जो लोग एक्जिमा से पीड़ित होते हैं, उन्हें बहुत खुजली होती है। खुजली की स्वाभाविक प्रवृत्ति, खरोंच होती है, जो आगे त्वचा में जलन पैदा करती है और त्वचा को नुकसान पहुंचाती है।

- औषधीय मॉइश्चराइजर से प्रतिदिन या दिन में दो बार मॉइश्चराइजिंग करने से खुजली काफी शांत होती है और लगातार खरोंच के नुकसान से त्वचा को बचाती है।
- समय-समय पर मॉइश्चराइजिंग क्रीम या लोशन का उपयोग करने से फायदा होता है। जो बच्चे नियमित रूप से बाहर खेलते हैं, उन्हें सनस्क्रीन लोशन लगाना चाहिए।
- हालांकि, नहाने के बाद खुशबू मुक्त लोशन की एक छोटी राशि को लगाने से युवा त्वचा को कोमल बनाने में मदद करता है और त्वचा के शुष्क होने की संभावना को कम करता है।
- आमतौर पर पुरुष मॉइश्चराइजर का उपयोग करने के बारे में नहीं सोचते है। हालांकि, खुशबू मुक्त मॉइश्चराइजिंग एजेंट को कोहनी, एड़ी और पैरों की गेंदों पर लगाना चाहिए, ताकि खुरदुरी शुष्क त्वचा के विकास को रोका जा सके, जो बाद के वर्षों में समस्याओं का कारण बनती है।
- नहाने के बाद थोड़ा समय निकाल कर सप्ताह में एक या दो बार लोशन लगाना काफी होता है, ताकि जो क्षेत्र शुष्क हो जाता है, उसे मजबूत और स्वस्थ त्वचा बनाये रखने में मदद करता है।
- सामान्य रूप में नहाने के बाद मॉइश्चराइजर लगाना अच्छा होता है। उस समय नहाने के लिए जो पानी का उपयोग किया गया था, उसकी छोटी राशि को पकड़ कर रखता है। मॉइश्चराइजिंग प्रोडक्ट उस नमी को पकड़ने में मदद करता है।
- जब तक कि आपकी त्वचा बहुत तेलीय ना हो, मॉइश्चराइजर के दैनिक उपयोग से कोई समस्या पैदा नहीं हो सकती। हालांकि, जिन लोगों की विशेष त्वचा स्थिति होती है, उन्हें त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श करना चाहिए।

नैचुरल ग्लो

तैलीय त्वचा की खूबी है कि इस पर जल्दी झुर्रियां नहीं पड़ती हैं। और चेहरे पर हमेशा चमक बरकरार रहती है। लेकिन तैलीय त्वचा की अगर सही देखभाल न की जाए तो खुले छिद्र और मुंहासे की समस्या शुरू होते देर नहीं लगती। ऐसी त्वचा पर जल्दी कोई मेकअप भी सूट नहीं करता है। अपनी त्वचा के रंग से थोड़े हल्के रंग का फाउंडेशन चुनें। यह आपको नेचरल लुक देगा। फाउंडेशन स्टिक तेल को कम करेगी और कई घंटों तक आप फ्रेस लगेंगी। तैलीय त्वचा के लिए लिक्विड फाउंडेशन के बजाय पाउडर फाउंडेशन ज्यादा असरदायक होता है। यह त्वचा का अतिरिक्त तेल सोख लेता है और उसे त्वचा को साफ-सुथरा बनाता है।

बोल्ड एंड ब्यूटीफुल

आजकल बोल्ड एंड ब्यूटीफुल का कॉन्सेप्ट बेहद पॉपुलर है और डिजाइनर ने इसे अपने क्रिएशन में बखूबी उतारा है। ब्लैक जैसे बोल्ड रंग पर चिकन की कढ़ाई और मिरर वर्क के साथ डिजाइनर ने काफी एक्सपेरिमेंट किया है। शॉर्ट कुर्ती जैसे रेग्यूलर आउटफिट को फैंसी टाइट्स या जींस के साथ टीम करके एक अलग और आकर्षक लुक तैयार किया जा सकता है। बात एसेसरीज की करें तो बोल्ड एंड ब्यूटीफुल लुक के लिए चंकी ज्यूलरी उपयुक्त होती है। गर्ल नेक्स्ट डोर इस कलेक्शन में बाटिक प्रिंट्स और पैचवर्क को प्रमुखता से प्रयोग किया गया। रंगों के एक्सपेरिमेंट में डिजाइनर ने कलात्मकता का पूरा परिचय दिया है। चटख रंगों के साथ कंटेंपरेरी कट्स के प्रयोग वाली यह ड्रेस प्रोफेशनल और कॉलेज-गोइंग लड़कियों के लिए उपयुक्त है। ये ड्रेसेज कॉटन फैब्रिक्स से डिजाइन की गई हैं जो इन्हें पहनने में और भी ज्यादा आरामदायक बनाता है। इस तरह के कलरफुल आउटफिट्स को रात की पार्टीस में भी आराम से कैरी किया जा सकता है।

बदलते वक्त के साथ जहां पति-पत्नी के रिश्तों की नई परिभाषाएं बनी हैं, वहां सेवानिवृत्त पति को लेकर भी कई सवाल उठ रहे हैं। एक महिला का कहना था- मैं नहीं जानती मैं अपने पति के साथ कैसे व्यवहार करूं।

किसी पर बोझ न बनें रिटायर्ड लाइफ

सेवानिवृत्त होने के बाद कुछ हफ्ते तक तो वह तनावग्रस्त रहे, बस समाचार-पत्र पढ़ने, टीवी देखने आदि में व्यस्त रहे, लेकिन फिर उन्होंने किसी कंपनी के अध्यक्ष की तरह व्यवहार करना शुरू कर दिया और घर को चलाने का सारा काम अपने हाथ में ले लिया। मैं सचमुच घर में उनके काम करने के ढंग को लेकर तंग आ गई हूं।

आम समस्या बन रही आदत

यह समस्या सिर्फ एक महिला की नहीं है। प्रायः हर उस महिला की है, जिसका पति नौकरी से सेवानिवृत्त होता है। अंतर केवल उसके काम की प्रकृति का होता है। बाबू के पद से सेवानिवृत्त है तो कोई अफसर के पद से। साथियों के पास उसका व्यवहार कैसा रहा है। यह भी बहुत बाद यह सब कुछ उसके व्यक्तित्व में समा जाता है। घर की समस्याओं को भी वह दफ्तर की समस्याओं की तरह ही निपटाने लगता है। अपने अधीनस्थों के साथ उसका संवेदनशील व्यवहार घर के सदस्यों के साथ भी दिखाई देने लगता है।

अपनी चलाने की कोशिश

समस्या उस समय और भी बढ़ जाती है, जब पति और पत्नी दोनों उच्च पदों से सेवानिवृत्त हुए हों। दफ्तर की तरह घर में भी सब कुछ पति की मर्जी के अनुसार हो ऐसा संभव नहीं। बड़ा साहब होने के कारण दफ्तर में सभी लोग उनके अनुसार चलते थे, लेकिन घर में अगर वह चाहते हैं कि शांति रहे तो उन्हें परिवार के अन्य सदस्यों के साथ समझौता करना होगा।

बच्चों को समझना होगा

बच्चों के अपने कर्तव्य होते हैं। उनका फर्ज है बूढ़े मां बाप की देखभाल करना। दूसरी तरफ मां-बाप को भी उन्हें और उनकी समस्याओं को समझना होगा। आज के समय में किसी को ग्रांटेड नहीं लिया जा सकता। पत्नी को भी नहीं, हर एक व्यक्ति को अपने लिए थोड़ी जगह चाहिए। कुछ समय वह अपने लिए और अपने साथ भी बिताना चाहता है। अगर यह बात पुरुष को समझ आ जाए तो घर में अशांति पांव नहीं रख सकती। अच्छा यही होगा कि अगर हमारी सेहत अच्छी है।

काम का चुनाव कर लें

रिटायर होने के बाद हमारे अंदर काम करने की क्षमता है तो हम रिटायर होने से पहले अपने लिए काम का चुनाव कर लें, ताकि न खुद परेशान हों न घरवाले। अब में रहकर घर के हर काम में टीका टिप्पणी करना किसी को भी नहीं सुहाएगा। सच तो यह है कि न तो घरवालों को 24 घंटे आपका चेहरा देखने की आदत होती है और आपको उनका चेहरा देखने की हर समय की नोक-झोंक घर के वातावरण को खराब कर देती है।

पीढ़ी का अंतर समझें

आखिर पीढ़ी का अंतर भी तो होता है। कहते हैं शादी का सुख जवानी से अधिक बुढ़ापे में होता है, जवानी तो मौजमस्ती में निकल जाती है, लेकिन बुढ़ापे में जब बच्चे अपने-अपने बसेरे बना लेते हैं, तब पति-पत्नी ही एक दूसरे के मित्र और साथी होते हैं और हर तरह का सुख-दुख बांटते हैं। बच्चों से जो शिकायतें होती हैं, वे भी बच्चों की बजाय एक दूसरे से कहकर मन हल्का कर लेते हैं। यह तभी संभव है, जब वे एक दूसरे को समझते हों। रिटायर तो सबको एक दिन होना ही होता है। पत्नी ने सारा जीवन पति की इच्छानुसार जिया, रिटायरमेंट के बाद पति अगर पत्नी की इच्छानुसार जीकर जीवन में नया रंग, नया रूप और नई उमंग भर सकता है, कोशिश तो की ही जा सकती है।

टीन्स का फैशन फिवर

गर्मी में सभी अपना ड्रेसिंग स्टाइल चेंज कर लेते हैं। समर में क्लाथ, वर्क और कलर में भी बदलाव आ जाता है। इसमें टीन एजर्स कैसे पीछे रह सकते हैं। उनके लिए ट्रेंडी के साथ कूल-लुक वाले ड्रेसेस बेहतरीन ऑप्शन है, जो न केवल फैशन में अपडेट रखते हैं, बल्कि जरा हटके दिखने की चाह को भी पूरा करते हैं।

ट्रैंडी कलर्स

गर्मी के मौसम में हल्के रंगों की ड्रेस की मांग बढ़ जाती है। ये ड्रेस सूर्य की रोशनी को रिफलेक्ट करते हैं। इससे शरीर को ठंडक मिलती है। पैस्टल कलर जैसे कैंडी पिंक, पर्पल, लाइट फिरोजी, येलो कलर ऑफ व्हाइट, व्हाइट, पिस्ता, सी ग्रीन 2011 के समर सीजन के ट्रैंडी कलर्स हैं।

बेबी डॉल ड्रेसेस

गर्ल्स इस सीजन में बेबी डॉल ड्रेसेस पहन सकती है। एलाइन या स्ट्रेट के साथ फ्लोरल प्रिंट, एम्पायर बेस लाइन से सजी बेबी डॉल ड्रेसेस पर्सनैलिटी को आकर्षक बनाती है। ऐसी ड्रेसेस की लंबाई घुटनों तक होती है। यदि इसे लेगिंग्स या जीन्स के ऊपर डालें तो यह स्मार्ट लुक देगा। इसमें फ्रंट कट, बैक कट, ओपन नेक, कट स्लीव, वेस्ट लाइन फिटेट, बैक पोर्शन ओपन जैसे बदलाव लाकर इसमें वेरिएशन्स ला सकती है।

ट्यूनिक्स

एम्ब्रायडरी वाले बैलून शेप ट्यूनिक्स का लड़कियों के बीच खूब क्रेज रहता है। इसे लैगिंग्स या शार्ट्स के साथ पहना जाता है। प्रिंटेड लैगिंग्स

आजकल फैशन में इन हैं। जीन्स और ट्यूनिक्स का मैच भी स्मार्ट लुक देता है।

टाइ एंड डाई

यह डाई करने की ऐसी टेक्निक है, जिसमें कपड़े पर डाई से ग्राउंड या पैटर्न बनाया जाता है। इसके ट्यूनिक्स या टॉप आजकल फैशन में है। टाई एंड डाई के कलीदार कुर्ते के साथ लाइक्रा का चूड़ीदार पायजामा खूब फबता है। यदि इसके साथ यूनिक स्टाइल आजमाना हो, तो नेट वाला स्टोल डाल सकते हैं।

शेप्ड फिगर से मिलती है खुशी

कहते है अगर किसी महिला को आकर्षित करना हो तो उसकी तारीफ करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि एक महिला को सबसे ज्यादा खुशी मिलती है अपने शेप्ड फिगर को देखकर या उसकी प्रशंसा सुनकर। एक अध्ययन के मुताबिक अपने प्यार से ज्यादा खुशी महिला को अपनी छरहरी काया को देखकर मिलती है।

मोटा होना है दुखदाई

दूसरी तरफ मोटा होना एकाकी जीवन जीने से कहीं ज्यादा दुखदाई होता है। इतना ही नहीं, पतले होने से रिश्ते में ज्यादा संतोष का अनुभव होता है। विशेषज्ञों के अनुसार अधिक वजनदार होने से जुड़ी पीड़ा इतनी बड़ी हो चुकी है कि यह करीब-करीब जीवन के हर पक्ष को प्रभावित कर रही है। क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. गगनदीप कौर कहती हैं, मोटापे से जितनी शारीरिक समस्याएं होती हैं, उतनी ही मानसिक समस्याएं भी होती जाती हैं। स्त्रियों के लिए खासतौर पर मोटापा मानसिक प्रभाव डालने वाला होता है।

उत्तम है घरेलू जीवन

सन् 1984 से 2008 के बीच 24 साल तक हजारों जर्मन लोगों के जीवन का अध्ययन किया गया और पाया गया कि अच्छा घरेलू जीवन एक चमकदार कैरियर से कहीं ज्यादा बेहतर होता है। इस अध्ययन से संबद्ध मनोचिकित्सक का कहना है कि, 'मैंने बहुत सी मोटी महिलाओं के साथ काम करने के बाद पाया कि उनके दिमाग में अधिक वजन की चिंता हरदम बनी रहती है। इसकी वजह यह है कि आज हम ऐसे समाज में रह रहे हैं, जो अपने नैन-नक्श, आकार-प्रकार और आकर्षण को निरंतर निखारने में लगा हुआ है। मोटे लोगों पर अकसर टिप्पणी होती है कि यह मूर्ख और सुस्त है, जिसे अपनी जरा भी परवाह नहीं है। अध्ययन में बताया गया कि सामाजिक होना और कसरत करना जीवन में संतोष प्रदान करता है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि कम काम करना, अधिक काम करने की तुलना में ज्यादा दुख पहुंचाता है।

एलआईसी ने आरआईएल, टाटा और अदाणी ग्रुप व अन्य कंपनियों में घटाई हिस्सेदारी

इस साल मार्च तक मुकेश अंबानी की कंपनियों में एलआईसी का निवेश सबसे ज्यादा

नई दिल्ली।

सरकारी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्तीय वर्ष 2024 में सभी प्रमुख समूहों में अपनी हिस्सेदारी घटाकर शेयर बाजार में तेजी का भरपूर फायदा उठाया है। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक हिस्सेदारी कम करने के बावजूद सभी समूहों में इसकी बची हुई हिस्सेदारी का मूल्य काफी हद तक बढ़ गया है। इस साल मार्च तक के शेयरहोल्डिंग डेटा के मुताबिक मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाली कंपनियों में एलआईसी का निवेश सबसे ज्यादा है, इसके बाद टाटा और अदाणी ग्रुप की कंपनियों का नंबर आता है। पिछले सप्ताह बाजार बंद होने तक शीर्ष समूहों में एलआईसी का निवेश 37.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4.39 लाख करोड़ रुपये है। मुकेश अंबानी ग्रुप की कंपनियों में एलआईसी के निवेश का मूल्य सबसे ज्यादा 1.5 लाख करोड़ रुपये था, जो पिछले वर्ष की तुलना में 34.2 प्रतिशत अधिक है। एलआईसी ने रिलायंस ग्रुप की कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी 6.37 प्रतिशत से घटाकर 6.19 प्रतिशत कर दी। एलआईसी ने इस साल मार्च तक टाटा समूह की कंपनियों में भी अपनी हिस्सेदारी घटाकर 4.05 प्रतिशत कर दी, लेकिन इसका मूल्य बढ़कर 1.29 लाख करोड़ रुपये हो गया। जून तिमाही का शेयरहोल्डिंग डेटा अभी उपलब्ध नहीं है। एलआईसी ने अदाणी ग्रुप की कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी 4.27 प्रतिशत से घटाकर 3.76 प्रतिशत कर दी है। इसकी हिस्सेदारी का मूल्य शुक्रवार तक 49.2 प्रतिशत बढ़कर 64,414 करोड़ रुपये हो गया। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि शेयर बाजारों में तेजी के साथ सरकार को एलआईसी में अपनी 96.5 प्रतिशत हिस्सेदारी का एक हिस्सा बेचने पर विचार करना चाहिए ताकि प्राप्त राशि का उपयोग विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा बनाने में किया जा सके।

सोना गिरकर 73 हजार, चांदी भी 93,250 रुपए

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा कारोबार में सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72,950 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 93,250 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट आज 13 रुपये की गिरावट के साथ 73,038 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 86 रुपये की गिरावट के साथ 72,965 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 259 रुपये की गिरावट के साथ 93,295 रुपये पर खुला। इस समय यह 284 रुपये की गिरावट के साथ 93,270 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने- चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। कॉमेक्स पर सोना 2,396.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,397.70 डॉलर प्रति औंस था। फिलहाल यह 6.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,391.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.47 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.68 डॉलर था। फिलहाल यह 0.33 डॉलर की गिरावट के साथ 30.35 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

स्टार्टअप बंद होने का सिलसिला इस साल कम हुआ, मगर जो खिम टला नहीं

नया खतरा बनती दिखाई दे रही है जॉम्बी स्टार्टअप

नई दिल्ली ।

स्टार्टअप बंद होने का सिलसिला इस साल 99.8 फीसदी कम हो गया है। निवेशकों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में स्टार्टअप बंद होने का सिलसिला सफाई करने के लिए जरूरी था और फर्मों के संस्थापक अब अपने कामकाज का गणित सुधारने में लग गए हैं। मगर स्टार्टअप की दुनिया अभी संकट से पूरी तरह बाहर नहीं निकली है क्योंकि जॉम्बी स्टार्टअप नया खतरा बन रही हैं। जॉम्बी स्टार्टअप वह होती है, जिसे चलाने के लिए पैसा बहुत लगता है मगर आमदनी बेहद कम होती है।

एक प्रमुख निवेशक ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि संस्थापकों को तय करना होगा कि उनका कारोबारी मॉडल पहले दिन से ही कारगर हो।

दूसरे के कारोबारी मॉडल की नकल करके बनाई गई कू जैसी कंपनियों के पास कुछ अलग नहीं है और ऐसी कंपनियां भारत जैसे बाजार में नहीं टिक सकतीं। कू के अलावा निको, जिपगो, फंटरो और ग्रामफैक्टरी जैसी स्टार्टअप भी पिछले साल बंद हो गईं। एक मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021 में वृहद आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर करीब 5,868 स्टार्टअप पर ताला लग गया था। मगर 2023 में ठप होने वाली कंपनियों की संख्या घटकर 1,720 रह गई और 2024 में अभी तक महज 4 कंपनियों को अपना कारोबार समेटना पड़ा है।

निवेशकों के अनुसार स्टार्टअप को पूंजी मिलने में दिक्कत देखकर संस्थापकों ने खर्च कम करने के उपाय किए, जिससे कई फर्में कारोबार बंद करने से बच गईं। मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म के अनुसार 2022 से लगातार चार साल तक स्टार्टअप कंपनियों के लिए पूंजी जुटाना मुश्किल रहा मगर अब उन्हें एक बार फिर पूंजी मिलने लगी है।

2024 की पहली छमाही में स्टार्टअप को मिलने वाली रकम अब भी 2023 की पहली छमाही से 13 फीसदी कम है मगर स्टार्टअप फर्मों ने इस दौरान 4.1 अरब डॉलर निवेश जुटाया है, जो 2023 की दूसरी छमाही के 3.96 अरब डॉलर से 4 फीसदी अधिक है। इस बीच स्टार्टअप में छंटनी भी पिछले साल की तुलना में 62 फीसदी घट गई है। 2024 के पहले 5 महीनों में 3,600 कर्मचारियों की ही नौकरी गई, जबकि पिछले साल इस अवधि में 9,596 लोगों को नौकरियां गंवानी पड़ी थी।

सीएमएफ फोन 1 अगले महीने होगा लॉन्च

-लॉन्च से पहले लीक हुई कीमत

नई दिल्ली ।

स्मार्टफोन का निर्माण करने वाली कंपनी नथिंग का सब ब्रांड सीएमएफ जल्द ही अपना पहला स्मार्टफोन लॉन्च करने वाला है। हैंडसेट सीएमएफ फोन 1 अगले महीने की शुरुआत में लॉन्च हो सकता है। इसकी जानकारी माइक्रोसाइट फ्लीपकार्ट पर लाइव हो चुकी है। कंपनी की माइक्रोसाइट से साफ है कि ये स्मार्टफोन सुपर अमोलेड डिस्प्ले के साथ आएगा। इसके अलावा फोन की कुछ जानकारी लीक रिपोर्ट्स भी सामने आई है। एक टिप्स्टर ने इसकी कुछ डिटेल्स शेयर की है। भारत में ये फोन 8 जुलाई को लॉन्च हो रहा है। टिप्स्टर योगेश बरार के मुताबिक, सीएमएफ फोन 1 में 6.7-इंच का एस अमोलेड एलटीपीएस डिस्प्ले मिल सकता है, जो 120 एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट के साथ आएगा। इस फोन की पीक ब्राइटनेस 2000 नीटस की होगी। इसमें इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर दिया जा सकता है। ऑप्टिक्स की बात करें, तो फोन में 16एमपी का सेल्फी कैमरा मिल सकता है, जो सेंटर पंच होल कटआउट में फिट होगा। इसके अलावा स्मार्टफोन में 50एमपी के मेन लेंस वाला कैमरा मिल सकता है। फोन में एक डेप्थ सेंसर भी होगा। स्मार्टफोन में एआई वीवीड मोड दिया जा सकता है। कंपनी इसे दो साल का सॉफ्टवेयर अपडेट ऑफर कर सकती है। फोन को पावर देने के लिए 5000 एमएएच की बैटरी और 33वॉट की फास्ट चार्जिंग दी जाएगी। इसके अलावा ये हैंडसेट आईपी52 रेटिंग के साथ लॉन्च होगा। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि ये नथिंग फोन 2ए का रिब्रांडेड वर्जन हो सकता है।हैंडसेट मीडियाटेक डायमेंसिटी 7300 प्रोसेसर के साथ लॉन्च हो सकता है। इसमें 6जीबी और 8जीबी रैम के साथ 128जीबी स्टोरेज दिया जा सकता है। स्टोरेज को माइक्रो एसडी कार्ड की मदद से एक्सपैंड करने का ऑप्शन मिलेगा। फोन एंड्रॉइड 14 के साथ लॉन्च हो सकता है।

वित्त मंत्री सीतारमण 23 जुलाई को बजट पेश करेंगी

- यह बजट 2047 तक विकसित भारत का रास्ता तैयार करेगा

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को अपना सातवां बजट पेश करेंगी। यह नरेन्द्र मोदी 3.0 सरकार का पहला पूर्ण बजट होगा। यह बजट 2047 तक विकसित भारत का रास्ता तैयार करेगा। पिछले महीने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा था कि आगामी बजट सत्र में कई ऐतिहासिक कदम और बड़े आर्थिक फैसले लिए जाएंगे। 18वीं लोकसभा के गठन के बाद संसद की संयुक्त बैठक को अपने पहले संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा था कि यह बजट सरकार की दूरगामी नीतियों और भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण का एक प्रभावी दस्तावेज होगा। इस बजट में बड़े आर्थिक और सामाजिक फैसलों के साथ-साथ कई ऐतिहासिक कदम भी देखने को मिलेंगे। वित्त मंत्रालय ने कहा कि आम बजट 2024-25 के लिए बजट पूर्व परामर्श 19 जून से शुरू हुआ और पांच जुलाई, 2024 को समाप्त हुआ। विचार-विमर्श के दौरान 10 हितधारक समूहों के 120 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इनमें किसान संघों और कृषि अर्थशास्त्रियों के अलावा व्यापारिक संगठनों, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र, रोजगार और कौशल, सूक्ष्म लघु एवं मझोले उद्योग (एमएसएमई), व्यापार और सेवाएं, उद्योग, वित्तीय क्षेत्र और पूंजी बाजार और बुनियादी ढांचा, ऊर्जा और शहरी क्षेत्र के विशेषज्ञ और प्रतिनिधि शामिल थे। वित्त मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित इन बैठकों में वित्तराज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्त सचिव और व्यय सचिव टीवी सोमनाथन, आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ, निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) सचिव तुहिन के पांडेय, वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी और राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा सहित अन्य ने भाग लिया।

सुपरस्टार सिंगर 3 में, खुशी नागर को कैप्टन सलमान अली से सरप्राइज मिला

मुंबई : सोनी एंटरटेनमेंट टीवी के शो, सिंगिंग शो में एपिक सॉन्ग्स ऑफ इंडिया नामक एक खास एपिसोड के साथ संगीत का महोत्सव मनाएगा।

सभी दिलचस्प परफॉर्मेंस के बीच, यूपी की बेहद प्रतिभाशाली प्रतियोगी खुशी नागर सबसे अलग दिखेगी। दिल चीज क्या है पर उनके भावपूर्ण परफॉर्मेंस से हर कोई अवाक रह जाएगा। कैप्टन सलमान अली खुशी के विदेशों में उनकी बहुत अच्छी फैन फॉलोइंग है और वे खुशी के साथ यूनाइटेड स्टेट्स में कुछ शो करना चाहेंगे। यह वाकई खुशी नागर के लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा। खुशी की तारीफ करते हुए कहा, खुशी आप इतनी खूबसूरती से गाती हैं, मैं कहना चाहूंगी कि अपने परफॉर्मेंस से आपने हमारी जान ले ली।

वेलस्पन वन ने जुटाए 2,275 करोड़

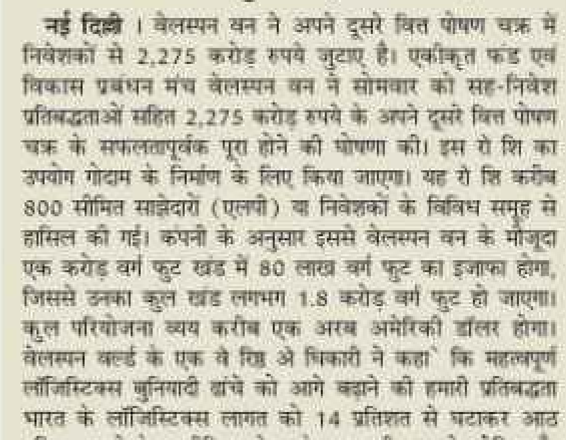

नई दिल्ली । वेलस्पन वन ने अपने दूसरे वित्त पोषण चक्र में निवेशकों से 2,275 करोड़ रुपये जुटाए है। एकीकृत फंड एवं विकास प्रबंधन मंच वेलस्पन वन ने सोमवार को सह-निवेश प्रतिबद्धताओं सहित 2,275 करोड़ रुपये के अपने दूसरे वित्त पोषण चक्र के सफलतापूर्वक पूरा होने की घोषणा की। इस रा शि का उपयोग गोदाम के निर्माण के लिए किया जाएगा। यह रा शि करीब 800 सीमित साझेदारों (एलपी) या निवेशकों के विविध समूह से हासिल की गई। कंपनी के अनुसार इससे वेलस्पन वन के मौजूदा एक करोड़ वर्ग फुट खंड में 80 लाख वर्ग फुट का इजाफा होगा, जिससे उनका कुल खंड लगभग 1.8 करोड़ वर्ग फुट हो जाएगा। कुल परियोजना व्यय करीब एक अरब अमेरिकी डॉलर होगा। वेलस्पन वर्ल्ड के एक वे रि ष्ठ अ धिकारी ने कहा कि महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे को आगे बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता भारत के लॉजिस्टिक्स लागत को 14 प्रतिशत से घटाकर आठ प्रतिशत करने के रणनीतिक उद्देश्य के साथ पूरी तरह से संरेखित है, जिससे हमारे उद्योगों की वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी।

पीएफ अकाउंट में 23 जुलाई के बाद आएगा ब्याज का पैसा!

नई दिल्ली । कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की तरफ से फरवरी 2024 में वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए प्रोविडेंट फंड पर लगने वाली ब्याज दर को बढ़ाने की घोषणा की गई थी। ईपीएफओ ने पिछले साल की 8.15 फीसदी की ब्याज दर को 2023-24 के लिए बढ़ाकर 8.25 फीसदी कर दिया है, लेकिन अभी तक सरकार की ओर से वित्त वर्ष 2023-24 का ब्याज नहीं दिया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सरकार की तरफ से ईपीएफ पर मिलने वाला ब्याज बजट 23 जुलाई के बाद ट्रांसफर किया जा सकता है। बता दें कि कुछ दिनों पहले ईपीएफ के सदस्यों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ब्याज लेकर सवाल पूछा गया था, जिसपर ईपीएफओ ने कहा था कि ब्याज जमा करने की प्रक्रिया जारी है। बहुत जल्द खाताधारकों के अकाउंट में ब्याज जमा किया जाएगा। वित्त वर्ष पीआईबी के मुताबिक ईपीएफ बोर्ड ने सदस्यों के खातों में पिछले साल 1.07 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड राशि बांटने की सिफारिश की थी।

मोबाइल रिचार्ज के प्लान हुए मंहगे....सरकार ने कहा हमारा कोई रोल नहीं

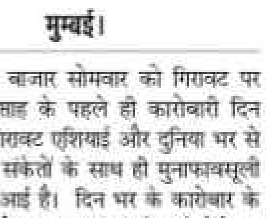

नई दिल्ली । 3 जुलाई 2024, से देश में प्राइवेट टेलीकॉम ऑपरेटर्स ने मोबाइल रिचार्ज प्लान की कीमतें बढ़ा दी हैं। फैसले के बाद जियो, एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया के मोबाइल रिचार्ज प्लान करीब 20 फीसदी तक महंगे हो गए हैं। सभी टेलीकॉम कंपनियों की ओर से अचानक लिए गए फैसले से स्मार्टफोन यूजर्स खासा नाराज हैं। हालांकि, कंपनियों ने अपने ग्राहकों को पहले ही इस बारे में जानकारी देने के साथ उन्हें एडवांस रिचार्ज का ऑप्शन दिया था। मोदी सरकार को लेकर दावा किया जा रहा था कि भारत सरकार ने जियो, एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया को बिना किसी विनियमन के टैरिफ हाइक की परमिशन दी। इसके बाद मोबाइल टैरिफ हाइक को लेकर मोदी सरकार की ओर से स्थिति साफ की गई है। नियामक संस्था ने कहा कि तीन निजी क्षेत्र की कंपनियों और एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के साथ मोबाइल सर्विस मार्केट डिमांड और सप्लाई के मार्केट फोर्स के साथ चलता है। टेलीकम्युनिकेशन सर्विस के रेट्स मार्केट फोर्स के साथ तय होते हैं। यह रेट्स स्वतंत्र नियामक यानी भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण द्वारा अधिसूचित नियामक ढांचे के भीतर तय होते हैं। भारत सरकार का कहना है कि वह फ्री मार्केट के फैसलों को लेकर कोई हस्तक्षेप नहीं करती है क्योंकि यह कार्यक्षमता ट्राई के अधिकार क्षेत्र में है। मोदी सरकार का कहना है कि मोबाइल सर्विस के टैरिफ को लेकर होने वाले किसी भी बदलाव को लेकर टेलीकॉम ऑपरेट ट्राई को पहले ही जानकारी दे देते हैं।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई और दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 36.22 अंक नीचे आकर की 79,960.38 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 3 अंक फिसलकर 24,321 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में टाइटन के शेयर सबसे ज्यादा 3.54 फीसदी गिरे। वहीं इसके अलावा पोर्ट्स, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, जेएसडब्ल्यू, स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक के शेयर भी टूटे। वहीं दूसरी ओर आईटीसी का शेयर आज 2.27 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। साथ ही हिन्दुस्तान यूनीलवर, नेस्ले इंडिया, एचसीएल टेक, टाटा मोटर्स, इन्फोसिस के शेयर भी लाभ में रहे। आज बाजार में आई गिरावट का कारण निवेशकों की मुनाफावसूली रही। इसके अलावा एशिया के अन्य बाजारों में गिरावट से भी घरेलू बाजार पर दबाव आया।

एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नीचे आये जबकि यूरोप के प्रमुख बाजारों में कारोबार में तेजी रही जबकि शुक्रवार को अमेरिकी बाजार लाभ में रहे थे।

इससे पहले आज सुबह

बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स करीब 200 अंकों की गिरावट के साथ 79,915 पर खुला। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 मामूली बढ़त के साथ 24,329.45 के लेवल पर खुला। हालांकि कुछ ही देर में इसमें भी गिरावट आ गई। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में काफी हलचल देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स में आज सबसे ज्यादा बढ़त के साथ खुलने वाले शेयरों में शीर्ष पर टाटा मोटर्स के शेयर रहे। टाटा ग्रुप की ऑटो कंपनी के शेयर 1 फीसदी से ज्यादा की उछाल के साथ खुले। इसके अलावा, टॉप गेनर्स की लिस्ट में हिंदुस्तान यूनिलिवर, एचसीएल टेक, एक्सिस बैंक, लॉर्सन एंड टुब्रो, टेक महिंद्रा के शेयर रहे।

यूजर्स के डायरेक्ट मैसेज को मैन्युअल रिव्यू कर रहा एक्स

नई दिल्ली । एक्स अपनी सेवाओं के कथित उल्लंघनों और दुरुपयोग की जांच करने या कानूनों या सरकारी अनुरोधों का अनुपालन करने के लिए कुछ यूजर्स के डीएम (डायरेक्ट मैसेज) को मैन्युअल रूप से रिव्यू कर रहा है। किम डॉटकॉम नाम से एक एक्स यूजर ने सोमवार को इस पॉलिसी अपडेट को पोस्ट किया, जिसका एलन मस्क स्पष्ट जवाब नहीं दे पाए, जो कि प्लेटफार्म पर कंटेंट को एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन प्रदान करने की पॉलिसी के खिलाफ है। मस्क ने कहा कि यह वर्तमान में अजीब तरीके से काम करता है। हम इसके उपयोग को आसान बनाने और ग्रुप मैसेज पर भी लागू करने पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक्स ऑडियो और वीडियो कॉल ऑटोमैटिक रूप से एन्क्रिप्ट किए जाते हैं। कई यूजर्स ने एक्स द्वारा डीएम की मैन्युअल रूप से रिव्यू करने पर चिंता जाहिर की। एक एक्स यूजर ने पोस्ट किया, क्या यह मेरी गलती है या एलन, किम के सवाल को समझ नहीं पाए?

दिल्ली और मुंबई में पांच साल में 49 फीसदी महंगे हुए घर

नई दिल्ली ।

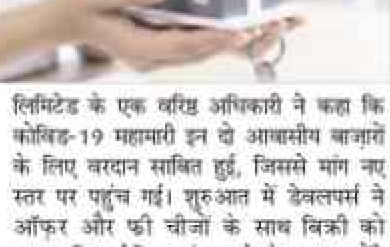

नेशनल कैपिटल रीजन (एनसीआर) और मुंबई में बीते पांच सालों में घरों की कीमतों में भारी उछाल देखा गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक बीते पांच सालों में नेशनल कैपिटल रीजन में औसत आवासीय घरों की कीमतों में 49 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इस दौरान घरों की कीमत 4,565 रुपये प्रति वर्ग फीट से बढ़कर 6,800 रुपये प्रति वर्ग फीट हो गई है। वहीं मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में बीते पांच साल में घरों कीमतों में 48 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। साल 2019 की पहली छमाही में 10,610 रुपये प्रति वर्ग फुट से 2024 की पहली छमाही में 15,650 रुपये प्रति वर्ग फुट तक हो गई है। एनारॉक ग्रुप के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कोरोना महामारी नेशनल कैपिटल रीजन के लिए एक आशीर्वाद थी। एनसीआर ने पिछले पांच साल में अपने अनसोल्ड स्टॉक में 52 प्रतिशत से ज्यादा की कमजोरी दर्ज की है। साल 2019 में एनसीआर का अनसोल्ड स्टॉक लगभग 1.82 लाख यूनिट्स था, जो 2024 में घटकर 86,900 यूनिट्स तक पहुंच गया है। राजधानी दिल्ली और उससे सटे इलाके और मुंबई में आवासीय घरों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के कारण की बात करें तो, इसमें निर्माण लागत में बढ़ोतरी और अच्छी बिक्री है। डीएलएफ लिमिटेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कोविड-19 महामारी इन दो आवासीय बाजारों के लिए वरदान साबित हुई, जिससे मांग नए स्तर पर पहुंच गई। शुरुआत में डेवलपर्स ने ऑफर और फ्री चीजों के साथ बिक्री को बढ़ावा दिया लेकिन मांग बढ़ने के साथ उन्होंने धीरे-धीरे औसत कीमतों में इजाफा कर दिया।

विद्युत संकट से निपटने के उद्देश्य से हिताची एनर्जी ने किया ईडीडब्ल्यू 2024 का आयोजन

जमशेदपुर : जलवायु परिवर्तन से दुनियाभर में कई परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं, कई देशों को गंभीर विद्युत संकट का सामना भी करना पड़ रहा है। वैश्विक स्तर पर इन चुनौतियों से निपटने के लिए कंपनी ने देश के पहले नियोजित औद्योगिक शहर जमशेदपुर में एनर्जी एंड डिजिटल वर्ल्ड (ईडीडब्ल्यू) 2024 का आयोजन किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य भविष्य के डिजिटल और एनर्जी प्लेटफॉर्म विकसित करने के लिए, थॉट लीडर्स और टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स को एक साथ एक मंच पर लाना था। इस आयोजन में 90 ग्राहकों की भागीदारी भी देखने को मिली।

कंपनी 75 सालों से भारत में सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक सिद्धांतों को संतुलित करने के लिए काम कर रही है। कंपनी देश के एनर्जी सिस्टम में सुधार करने के लिए भी लगातार काम कर रही है। इसके लिए कंपनी ने ईडीडब्ल्यू पहल के तहत देश भर में यूटिलिटीज, ट्रांसपोर्ट और अन्य इंडस्ट्री में कई साझेदारियां की है जिससे लाखों लोगों के जीवन को बेहतर बना रही है। दक्षिण भारत में अपने सफल अभियान के बाद, कंपनी ने जमशेदपुर में हुए ईडीडब्ल्यू आयोजन में नए जमाने की टेक्नोलॉजी और प्रोडक्ट चर्चा पर फोकस किया गया ।

आप कब शुरू करेंगे छोटे और मोटे अनाज का भोजन

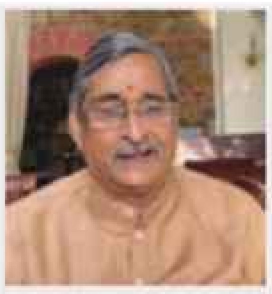
आर.के. सिन्हा

एक बात समझनी होगी कि जब मोटा अनाज की मांग बढ़ेगी तो बाजार में इनका दाम भी बढ़ेगा। तभी असिंचित भूमि वाले गरीब किसानों की आय भी बढ़ेगी। कृषि विशेषज्ञ मानते हैं कि पूरे विश्व के छोटा और मोटा अनाज का बड़ा उत्पादक भारत है, इसलिए भारत के पास यह अनुपम अवसर है अपने मोटा अनाज का निर्यात तेजी से बढ़ाने का। उस स्थिति में भारत का विदेशी मुद्रा का भंडार भरने लगेगा और गरीब किसानों का पेट भी।

कुछ ही दिन पहले हिन्द महासागर, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के त्रिवेणी संगम पर स्थित कन्याकुमारी के स्वामी विवेकानंद परिसर के विशाल सभागार में आयुष मंत्रालय के सहयोग से आयोजित इंटरनेशनल आयुष समिटह का तीन दिवसीय आयोजन हुआ था, जिसका ह्की नोट स्पीचह मैंने दिया था और समारोह का उद्घाटन केरल के माननीय राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान साहब ने किया।

मेरा पूरा व्याख्यान रोगों से बचाव में छोटे और मोटे अनाज यानी मिलेट्स की उपयोगिता को लेकर ही था। मैंने उपस्थित सैकड़ों डॉक्टरों और विभिन्न मेडिकल कॉलेज के छात्रों से यही कहा कि आप अच्छे डॉक्टर मात्र बड़ी कम्पनियों की अच्छी और महंगी दवाइयां लिखने भर से नहीं कहे जायेंगे, बल्कि अच्छे डॉक्टर बनने के लिए आपको अपने मरीजों को यह भी बताना होगा कि वे जिस रोग से ग्रसित हैं, वे रोग उन्हें हुये क्यों और उससे बचा कैसे जा सकता है। यदि डॉक्टर रोगों की प्रतिरोधक क्षमता तैयार करने वाले छोटे और मोटे अनाजों के गुणों को ठीक से समझ लें तो उनका, उनके मरीजों का और पूरे समाज को भारी फायदा होगा।

छोटे और मोटे अनाज सिर्फ प्रोटीन और फाइबर ही नहीं देते बल्कि, खाने वाले को शरीर में उत्पन्न हो रहे रोगों का निदान भी करते हैं क्योंकि, मोटे और खासकर छोटे अनाज के फाइबर (रेशे) मानव शरीर की सभी प्रमुख अंगों के कोशिकाओं या सेल्स को साफ भी करते हैं।

यदि आप हाल के दिनों में दिल्ली गए हों तो देखेंगे कि राजधानी दिल्ली में भारत सरकार के बहुत से बड़े-बड़े दफ्तर निर्माण भवन, शास्त्री भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन आदि भवनों से चलते हैं। जाहिर है, जहां पर हजारों मुलाजिम काम करेंगे और रोज सैकड़ों बाहरी लोगों का भी आना-जाना लगा रहेगा, वहां पर कैंटीन तो होगी ही। पर निर्माण भवन की कैंटीन ने अपने को बदला है। वहां पर अब मोटे और छोटे अनाज से तैयार होने वाले पकवान भी परोसे जाने लगे हैं। हालांकि पिछले सात दशकों से यहाँ मात्र गेहूं और मैदे की बनी पकवानें ही मिला करती थीं।

यह एक तरह से यह वर्तमान मोदी सरकार की संकल्प शक्ति और दृढ़ इच्छा का ठोस संकेत है कि चालू वर्ष 2023 को चूँकि विश्व स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष के रूप में मनाया गया जिसने मोटे और छोटे अनाज के प्रति जागृति पैदा कीक अतः खान-पान में एक व्यावहारिक बदलाव की शुरूआत हुई और कोशिश यही रही कि अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष नाम भर का नहीं रह जाये। इसका प्रस्ताव भारत ने ही दिया था और भारत के इस प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 5 मार्च 2021 को अपनी स्वीकृति दे दी थी। इसका उद्देश्य विश्व स्तर पर मोटे और छोटे अनाज के उत्पादन और खपत के प्रति जागरूकता पैदा करना ही था ।

दरअसल मोटे और छोटे अनाजों में पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। बीटा-कैरोटीन, नाइयासिन, विटामिन-बी6, फोलिक एसिड, पोटेशियम, मैग्नीशियम, जस्ता आदि से भरपूर इन अनाजों को सुपरफूड भी कहा जाता है। ज्वार,

बाजरा, रागी (मडुआ), मक्का, जौ, कोदो, सामा, सांवा, कंगनी, कुटकी चीना आदि जिसे लघु धान्य या ह्श्री धान्यह या ह्श्री अन्नह भी कहा जाता है, मोटे और छोटे अनाज की श्रेणी में आते हैं। लघु धान्य या कुटकी, कांगनी और साँवा जैसे अनाज मिलेट्स यानी छोटे अनाज होते हैं। इनका सेवन करने से हड्डियों को मजबूती मिलती है, कैल्शियम की कमी से बचाव होता है, ज्यादा फाइबर होने से पाचन दुरुस्त रहता है, वजन कंट्रोल होने लगता है, दुबले-पतलों का वजन कुछ बढ़ जाता है तो ज्यादा वजन वालों का घट कर बी.एम.आई. (बॉडी मास इंडेक्स) के स्तर पर घट जाता है कएनीमिया का खतरा कम होता है, यह डायबिटीज तथा दिल के रोगियों के लिए भी यह उत्तम माना जाता है।

जब इन दोनों रोगों की चपेट में लगातार लोग आ रहे हैं तब छोटे और मोटे अनाज का सेवन संजीवनी बूटी का काम कर सकता है। शादियों के सीजन में तो हर रोज भारी संख्या में विवाह हो रहे हैं। आपको भी विवाह समारोहों में भाग लेने के निमंत्रण मिल ही रहे होंगे। अगर विवाह के कार्यक्रमों में भी छोटे और मोटे अनाज से तैयार कुछ व्यंजन अतिथियों को परोसे जाएं, तो यह एक शानदार पहल होगी। आखिर हम कब तक वही खाएंगे, जो खाते चले आ रहे हैं और बीमार पड़ते चले जा रहे हैं। आज विश्व भर में सारी बीमारियों की जड़ गेहूं है।

मैं सलाह देता हूं कि पाठक गूगल पर सर्च करके एक पुस्तक ह्वीट बेलीह यानी ह्गेहूं की तोंदह नामक पुस्तक को डाउनलोड कर लें जिसने पूरे अमेरिका और यूरोप में तहलका मचाया हुआ है। ह्वीट बेलीह अमरीकी वैज्ञानिकों द्वारा शोध के उपरांत तैयार एक ऐसी पुस्तक है जिसमें यह सिद्ध किया गया है कि गेहूं में पाया जाने वाला ह्ग्लूटेनह नाम का रसायन डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, मानसिक बीमारियों के साथ-साथ मोटापे की भी मुख्य वजह है। गेहूं छोड़िये और वजन घटाइए। अभी हम जिस गेहूं से पका हुआ भोजन कर रहे हैं, उससे हमारी सेहत बिगड़ रही है। देखिए अब देश वासियों को अपनी जुबान से ज्यादा अपनी सेहत पर तो ध्यान देना ही होगा। यह तब ही संभव है जब हम छोटे और मोटे अनाज को अपने भोजन का हिस्सा बनाने लगेंगे। अब इस लिहाज से देरी करने का समय नहीं रह गया है। देरी से नुकसान ही होगा। देरी छोड़िये, अपना स्वास्थ्य सुधारिये !

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी चाहते हैं कि भारत छोटे और मोटे अनाज का वैश्विक केंद्र बने और छोटे और मोटे अनाज को ह्जन आंदोलनह का रूप दिया जाए। बेशक, भारत दुनिया को छोटे और मोटे अनाज के लाभ बताने-समझाने में अहम भूमिका निभा रहा है। हमारे देश में एशिया का लगभग 80 प्रतिशत और विश्व का 20 प्रतिशत मोटा अनाज पैदा होता है। चूंकि, वह असिंचित भूमि पर आसानी से हो सकता है अतः यदि इसकी विश्व में मांग बढ़ेगी तो भारत में इसकी पैदावार कई गुना बढ़ाई जा सकती है। अभी तो गरीब किसान खुद के खाने भर ही मोटे अनाज को उगाते हैं। जब उनका मोटा अनाज बाजार में बिकने लगेगा तो वे क्यों न अपना उत्पादन बढ़ाएंगे ? एक अनुमान के मुताबिक, 100 से अधिक देशों में मोटे अनाज की खेती होती है।

आपको बुजुर्ग बता सकते हैं कि मोटा अनाज ज्वार, बाजरा, रागी (मडुआ), जौ, कोदों आदि पहले खूब खाया जाता था। हम आज गेहूं के आटा के आदी हो चुके हैं या बना दिये गये हैं, तो मिलेट्स और गेहूं का आटा मिलाकर भी खा सकते हैं। अगर हम गेहूं के साथ कई तरह के अनाज या चने आदि को पिसवा लें तो मल्टीग्रेन आटा बन जाता है। जैसे गेहूं में प्रोटीन कम होता है लेकिन चने में ज्यादा। मिस्सी रोटी भी ऐसे ही तैयार होती है। यह छोटे या मोटे अनाज जैसा पुष्टिकारक तो नहीं, पर गेहूँ और चावल से बेहतर तो है ही। पारंपरिक तौर पर दाल-चावल, दाल-रोटी की जोड़ी भी ऐसी है, जिसमें अलग-अलग तरह के एमिनो एसिड होते हैं जो एक-दूसरे की कमी दूर करते हैं। गेहूं की एलर्जी से बचने के लिए अनाज को बदल-बदलकर खाना चाहिए।

देश के उत्तरी राज्यों में जब जाड़े का मौसम चल रहा होता तब मोटा और छोटा अनाज खाना बेहद मुफीद रहता है। ठंड के दिनों में शरीर को गर्म रखने में भोजन की अहम भूमिका रहती है। छोटा और मोटा अनाज खाने से जाड़े से बचाव होता है। इसलिए जाड़े के दिनों में छोटा और मोटा अनाज अवश्य खाना चाहिए। जैसा कि हम जानते हैं मोटे अनाज में जौ, बाजरा, मक्का मडुआ या रागी आदि शामिल होता है। इस अनाज की तासीर गर्म होती है। ये शरीर में पहुंचकर पर्याप्त गर्माहट देते हैं। सर्दी में मोटा और छोटा अनाज खाने की सबसे बड़ी वजह यही है। इनमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं जो शरीर को फायदा पहुंचाते हैं। उदाहरण के रूप में इनमें पाया जाने वाला भारी मात्रा में फायबर। यह पेट के लिए सबसे बेहतर है। छोटे और मोटे अनाज से आप दलिया, रोटी और डोसा आदि सबकुछ बना सकते हैं। बाजरे की रोटी और भात (चावल) या खिचड़ी भी खानपान में शामिल की जा सकती है।

एक बात को और जान लेना जरूरी है कि छोटे और मोटे अनाज की खेती में कम मेहनत लगती है और पानी की भी कम ही जरूरत नाम मात्र की होती है। यह ऐसा अन्न है जो बिना सिंचाई और बिना खाद और बगैर किसी कीटनाशक के पैदा किया जा सकता है। भारत की कुल कृषि योग्य भूमि में मात्र 25-30 फीसद ही सिंचित या अर्ध सिंचित है। अतः लगभग 70-80 कृषि भूमि वैसे भी धान (चावल) या गेहूं नहीं उगा सकते। चावल (धान) और गेहूं के उगाने के लिये लगभग महीने में एकबार पूरे खेत को पानी से भरकर फ्लड इरीगेशन करना पड़ता है। इतना पानी अब बचा ही नहीं कि पीने के पानी को बोरिंग कर पम्पों से निकाल कर खेतों को भरा जा सके। धान और गेहूं में भयंकर ढंग से रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों का प्रयोग करना पड़ता है, जिससे इंसानों के स्वास्थ्य पर बुरा असर तो पड़ता ही है, जमीन बंजर होती जाती है वह अलग। यह जानना जरूरी है कि एक किलो धान उगाने में 8000 लीटर एक किलो गेहूं उगाने में 10,000 लीटर और एक किलो चीनी बनाने में 28,000 लीटर पानी की जरुरत होती है कजबकि एक किलो मोटा या छोटा अनाज उगाने में मात्र 150 से 300 लीटर ही पानी की जरुरत होती है। अतः आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी बचाना है तो मिलेट्स यानी छोटा अनाज या मोटा अनाज ही उगाने और खाने की जरुरत है। तभी पृथ्वी पर पर्यावरण का संतुलन रह सकता है।

एक बात समझनी होगी कि जब मोटा अनाज की मांग बढ़ेगी तो बाजार में इनका दाम भी बढ़ेगा। तभी असिंचित भूमि वाले गरीब किसानों की आय भी बढ़ेगी। कृषि विशेषज्ञ मानते हैं कि पूरे विश्व के छोटा और मोटा अनाज का बड़ा उत्पादक भारत है, इसलिए भारत के पास यह अनुपम अवसर है अपने मोटा अनाज का निर्यात तेजी से बढ़ाने का। उस स्थिति में भारत का विदेशी मुद्रा का भंडार भरने लगेगा और गरीब किसानों का पेट भी।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

संपादकीय

भारत-ब्रिटेन की प्रतिबद्धता

ब्रिटेन में लेबर पार्टी की जीत के साथही कीर स्टार्मर नये प्रधानमंत्री चुने गए हैं, और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फोन पर उन्हें बधाई दी। कीर स्टार्मर ने भी मोदी को चुनावी जीत पर बधाई दी। शनिवार को अपनी पहली बातचीत में दोनों नेताओं ने भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। पीएम मोदी ने स्टार्मर को जल्द भारत आने का निमंत्रण दिया और दोनों नेताओं ने संपर्क में बने रहने पर सहमति जताई। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'कीर स्टार्मर से बात करके खुशी हुई। उन्हें ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी। हम अपने लोगों की प्रगति और समृद्धि तथा वैश्विक भलाई के लिए व्यापक रणनीतिक साझेदारी और मजबूत भारत-ब्रिटेन आर्थिक संबंधों को गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' भारत और ब्रिटेन बीते दो वर्षों से मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत करते रहे हैं, लेकिन तेरह दौर की बातचीत के बावजूद एफटीए समझौता नहीं हो सका। चौदहवें दौर की वार्ता चल रही थी कि एकाएक दोनों देशों में आम चुनाव की घोषणा हो गई। उम्मीद है कि स्टार्मर जल्द ही इस वार्ता को फिर से आरंभ करेंगे और यह वार्ता नतीजाकुन होगी। भारत और ब्रिटेन जनवरी, 2022 से ही एफटीए सिरे चढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं, जब बोरिस जॉनसन ब्रिटेन के प्रधानमंत्री थे। दोनों देशों के बीच 38.1 अरब पाउंड का द्विपक्षीय व्यापार होता है, और ये चाहते हैं कि द्विपक्षीय व्यापार को और बढ़ावा जाए। एफटीए होने पर इस दिशा में उत्तरोत्तर प्रगति हो सकती है। लेकिन 2022 से शुरू हुई यह कवायद बार-बार अवरोद्ध होती रही है। इसे ब्रिटेन में राजनीतिक उथल-पुथल का सामना करना पड़ा। पहले लिज ट्रस को थोड़े समय के लिए प्रधानमंत्री बनाया गया तो एफटीए की दिशा में काम नहीं बढ़ सका। उनके बाद ऋषि सुनक के प्रधानमंत्री बनने पर उम्मीद बनी कि अब एफटीए हो सकेगा लेकिन उनके कार्यकाल में भी यह पूरी नहीं हो सकी।

चिंतन-मनन

विवेक ही धर्म है

युग के आदि में मनुष्य भी जंगली था। जब से मनुष्य ने विकास करना शुरू किया, उसकी आवश्यकताएं बढ़ गई। आवश्यकताओं की पूर्ति न होने से समस्या ने जन्म लिया।समस्या सामने आई तब समाधान की बात सोची गई। समाधान के स्तर दो थे- पदार्थ-जगत, मनो-जगत. प्रथम स्तर पर पदाथरें के सुनियोजित उत्पादन और उनकी व्यवस्था को आकार मिला। दूसरा स्तर मानसिक था। इस जगत की समस्याएं थी अपरिमार्जित वृत्तियां, असंतुलन और तनाव। इन समस्याओं को समाहित करने के लिए धर्म की खोज हुई। धर्म का अर्थ है पारंपरिक मूल्य-मानकों से परे हटकर मनुष्य को सत्य की दिशा में अग्रसर करना। जब तक धर्म अपने इस परिवेश में रहता है, तब तक वह रूढ़ नहीं हो सकता। पर उद्देश्य की विस्मृति के साथ ही उसमें रूढ़ता आ जाती ह। रूढ़ धर्म को व्यक्ति अपने जीवंत संदभरें से काटकर परलोक के साथ जोड़ देता है। बस यहीं से धर्म में विकृति का प्रवेश होने लगता है। मैं ऐसा सोचता हूं कि धर्म का संबंध हमारी हर सांस से होना चाहिए। ऐसा वे ही व्यक्ति कर सकते हैं जो अपने जीवन की सतह पर दौड़-धूप कर रहे हैं। या फिर यह उन लोगों का काम है जो जीवन की गहराइयों में उतरकर अध्यात्म के प्रति समर्पित हो जाते हैं।जीवन की सतह पर जीने वाले व्यक्ति धर्म की गहराई में नहीं उतर सकते, किंतु अध्यात्म के प्रयोक्ता की दृष्टि से वह गहराई छिपी नहीं रह सकती। जो व्यक्ति उतनी गहराई में उतरे, उन्हें धर्म की विकृतियों का बोध हुआ। जो धर्म मन को समाधान देने वाला था, वह स्वयं समस्या बनकर उभर गया। इस दृष्टि से उसमें संशोधन व परिवर्तन की अपेक्षा अनुभव हुई। अणुव्रत उसी आवश्यकता का आविष्कार है। यदि धर्म एक समस्या बनकर सामने नहीं आता तो उसे अणुव्रत के रूप में प्रस्तुति देने का कोई अर्थ ही नहीं था। अणुव्रत धर्म के साथ विवेक की अपरिहार्यता पर बल देता है। आगम की भाषा में विवेक ही धर्म है।

मंडराने लगे हैं जल संकट के बादल

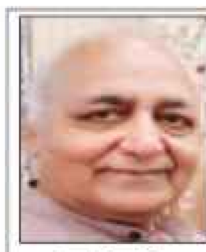
तनवीर जाफ़री

इसी वर्ष मई माह के मध्य में दक्षिण अफ्रीका से आई इस खबर ने पूरे विश्व को हिला कर रख दिया कि राजधानी केपटाउन को विश्व का पहला जलविहीन शहर घोषित किया गया है। 2018 की शुरूआत में ही कैपटाउन के लोगों को इस आशय की चेतावनी दे दी गयी थी। दरअसल वहां तीन वर्षों से लगातार पड़ने वाला सूखा इस खतरनाक स्तर तक पहुंच गया था कि फरवरी 2018 में ही डे -ज़ीरो के तहत सारे नलों से पानी की आपूर्ति बंद कर दी गई थी । उसी समय हालात ऐसे हो गए थे कि नागरिकों को सप्ताह में केवल दो बार नहाने का आदेश दिया गया था साथ ही शौचालय में फ़्लश के लिए टंकी के पानी का उपयोग करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। आखिरकार मई 2024 में इसी कैपटाउन को विश्व का पहला जलविहीन शहर घोषित कर दिया गया । अब वहाँ पुलिस व सेना की सुरक्षा में संचालित 200 जल आपूर्ति केंद्रों से केवल 25 लीटर पानी प्रति परिवार को दिया जा रहा है। भीषण जल संकट और इससे उपजी अराजकता के कारण सरकार ने वहां पानी के निजी इस्तेमाल की सीमा 87 से घटाकर 50 लीटर प्रतिदिन कर दी है। अब डे-ज़ीरो के तहत कैपटाउन में 75 फीसदी घरों की पानी सप्लाई काट दी गयी है। यानी 10 लाख से ज्यादा घरों को पानी मिलना बंद हो चुका है। यहां सिंचाई में भी पानी का उपयोग नाममात्र कर दिया गया है। इसी संकट के बीच समुद्र के पानी को साफ करने की कोशिशें भी की जा रही हैं और अब यहां नालों व नालियों के गंदे पानी को भी रिसाइकल किया जाना शुरू हो गया है।

तो क्या पूरा विश्व कैपटाउन जैसे जलसंकट का सामना करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है ? यदि कुछ दिन पहले जारी की गयी संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी पर नजर डालें तो संयुक्त राष्ट्र ने आगाह कर दिया था कि 2025 तक दुनिया के लगभग 1.20 अरब लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। और इस संकट की शुरूआत हो चुकी है। कुछ समय पूर्व सिलिकॉन वैली के नाम से मशहूर बेंगलुरु में जल संकट का समाचार मिला। 1 करोड़ 30 लाख आबादी वाले बेंगलुरु में अमीरों गरीबों को एक साथ हाथों में बाल्टियां लिये सूखे पड़े नलों व टैंकर्स के पास लम्बी कतार लगाये देखा गया। यहाँ तक कि सरकारी अस्पतालों में हवा से पानी बनाने की मशीन लगानी पड़ी। परन्तु ऐसा लगता है कि यदि पृथ्वी वासी हम आम जनों ने पानी की बर्बादी करने वाली अपनी दिनचर्या न तो बदली और न ही जलसंरक्षण पर ध्यान न दिया। नतीजतन संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी यह चेतावनी कि 2025 तक दुनिया के लगभग 1.20 अरब लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा, यह सही साबित होने में अब ज्यादा वक़्त लगता नजर नहीं आता।

जल संकट मंडराने का दृश्य मैंने अपनी आँखों से पिछले दिनों अपनी सांगला (हिमाचल प्रदेश) की यात्रा के दौरान स्वयं महसूस किया। मैंने केवल बरसात के मौसम में ही नहीं बल्कि पूरे वर्ष पहाड़ों पर तेज धार से बहने वाले शीतल जल के अनगिनत झरने / चश्मे बहते देखे हैं। उन झरनों पर लगने वाली भीड़,लोगों को वहां खड़े होकर अपने वाहनों की धुलाई करते,नहाते,कपड़े धोते, मस्ती करते,फोटो सेशन कराते और कहीं कहीं तो फ़िल्में शूट होते भी देखा है। इन्हीं जगहों पर कुछ गरीबों को मक्के की छल्ली बेचते,चिप्स,चाय कोल्डड्रिंक्स गोली टॉफी बेचते भी देखा है। परन्तु अत्यंत दुखद है कि गत दो दशकों से झरनों के सूखने का यह सिलसिला आज यहाँ तक आ पहुंचा है कि वही अनगिनत झरने पूरी तरह सूखे पड़े हैं। ऊँची पर्वत श्रृंखलाओं पर इकठ्ठी बर्फ पिघल चुकी है। ग्लेशियर सूखे पड़े हैं। गोया नदी जल का मुख्य स्रोत समझे जाने वाले अधिकांश पहाड़ी चश्मे सूख चुके हैं। झरना स्थलों पर सन्नाटा पसरा पड़ा है। पहाड़ों की हरियाली ख़त्म होती जा रही है। इसी संकट के परिणामस्वरूप देश की तमाम नदियां सूखती जा रही हैं। मीठे पानी की कमी का दुष्प्रभाव हिमाचल प्रदेश जैसे जल स्रोत वाले प्रमुख राज्य में क्या देखना पड़ा यह मेरी आपबीती से समझ सकते हैं। शिमला के आगे फागु घाटी के एक होटल में रुकने के लिये कमरा बुक करने के समय होटल मालिक ने साफ़ कह दिया कि पानी की कमी है। सुबह को केवल फ़्रेश होने के लिये टंकी से पानी थोड़ी देर के लिये चलेगा परन्तु नहाने धोने के लिये पानी नहीं है। पीने के लिये बोतल का पानी उपलब्ध है। इसके बाद नारकंडा में स्थित एकमात्र सुलभ शौचालय जलरहित थाऔर बदबू फैली हुई थी। रामपुर के निकट कार में तेल डलवाने के बाद जब पम्प कर्मचारी से शौचालय के बारे में पता किया तो वह बोला कि शौचालय तो जरूर है परन्तु पानी नहीं है। और इंतेहा तो तब हुई जब सांगला में जहाँ ठहरे थे वहाँ भी पानी का काल पड़ा हुआ था। जबकि सामने कलकल करती बसपा नदी बह रही थी। अपने जीवन के किसी पहाड़ी दौरे में पानी के काल का व्यक्तिगत अनुभव हासिल करने का यह पहला मौका था जिसने भविष्य के संभावित जलसंकट की याद दिलाकर अत्यंत विचलित व चिंतित कर दिया।

ग्लोबलवार्मिंग के दुष्प्रभाव के कारण इसका कोई तात्कालिक जादुई समाधान तो नजर नहीं आता परन्तु प्रत्येक व्यक्ति व सरकारों को इस दिशा में कुछ न कुछ कोशिश तो करनी ही चाहिये। बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिये पूरे विश्व को पूंजीवाद का मोह छोड़ मानवता के प्रति प्रेम दर्शाते हुये प्राकृतिक संतुलन बनाने की दिशा में सख़्त क़ानून बनाकर कड़े क़दम उठाने चाहिये। ग़ौरतलब है कि विकास के नाम पर पूंजीवाद पेड़ों की कटान कर समतल ज़मीन चाहता है जबकि प्रकृति अधिक से अधिक वृक्षारोपण चाहती है। वृक्षारोपण को तो प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन का हिस्सा मान लेना चाहिये। हर इंसान को शादी,पार्टी ,मरना,सालगिरह,विवाह वर्षगांठ,बरसी आदि हर ग़म ख़ुशी व त्यौहार के अवसर पर वृक्षारोपण ज़रूर करना चाहिये। इसी तरह पूंजीवाद अधिक से अधिक वाहनों की बिक्री में दिलचस्पी रख प्रदूषण को बढ़ाने में भागीदार होता है जबकि प्रकृति प्रदूषणमुक्त वातावरण चाहती है। इसके अतिरिक्त वर्षा जल को संचित करने के लिये सूखे पड़े तालाबों को गहरा करने व अधिक से अधिक नये नये तालाब खोदने की ज़रुरत है। इससे जल संग्रहण भी होगा और आसपास का भूगर्भीय जलस्तर भी सुधरेगा। नवनिर्मित होने वाले मकानों में बारिश में छतों का पानी संचित करने के लिये एक पाइप ज़मीन में डालने की प्रक्रिया (लैंड रिचार्जिंग सिस्टम) को अनिवार्य किया जाना चाहिये।

बजट: आयकर में छूट मिलना जरूरी

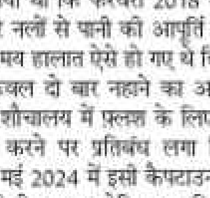
प्रह्लाद सबनानी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण तेईस जुलाई को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पूर्णकालिक केंद्रीय बजट पेश करेंगी। पिछले लगातार दो वर्षों के बजट में पूंजीगत खर्चों की ओर सरकार का विशेष ध्यान रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में 7.50 लाख करोड़ की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया गया था और वित्त वर्ष 2023-24 में इस राशि में 33 प्रतिशत की राशि की भारी-भरकम वृद्धि करते हुए 10 लाख करोड़ रु पये की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया गया था।

हालांकि, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भी 11.11 लाख करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में केवल 11 प्रतिशत ही अधिक है। इस राशि को यदि 33 प्रतिशत तक नहीं बढ़ाया जा सकता है तो कम से कम 25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ आगे बढ़ाने के प्रयास होने चाहिए अर्थात वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 11.11 लाख करोड़ की राशि के स्थान पर 12.5 लाख करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया जाना चाहिए। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति को गति देने के लिए पूंजीगत खर्चों में वृद्धि होना आवश्यक है और फिर भारत ने तो वित्त वर्ष 2023-24 में 8 प्रतिशत से अधिक की आर्थिक विकास दर की रफ्तार को पकड़ा ही है। आर्थिक विकास की इस वृद्धि दर को बनाए रखने एवं इसे बढ़ाने के लिए पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करना ही चाहिए। आज प्रत्यक्ष कर संग्रहण लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता हुआ दिखाई दे रहा है तथा वस्तु एवं सेवा कर भी औसतन 1.80 लाख करोड़ रुपये प्रति माह से अधिक की राशि के संग्रहण के साथ आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 2 लाख करोड़ से अधिक की राशि का लाभांश केंद्र सरकार को उपलब्ध कराया है तो सरकारी क्षेत्र के बैंकों/उपक्रमों ने भी 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि का लाभ अर्जित कर केंद्र सरकार को भारी-भरकम राशि का लाभांश उपलब्ध कराया है, जबकि कुछ वर्ष पूर्व तक केंद्र सरकार को सरकारी क्षेत्र के बैंकों के घाटे की पूर्ति करने के लिए इन बैंकों को बजट में से भारी-भरकम राशि उपलब्ध करानी होती थी। कुल मिलाकर इस आमूल चूल परिवर्तन से बजटीय घाटे में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। बजटीय घाटा कोविड महामारी के दौरान 8 प्रतिशत से अधिक हो गया था जो वित्त वर्ष 2024-25 में घटकर 5.1 प्रतिशत तक नीचे आने की संभावना है। सिद्ध हो रहा है कि केंद्र सरकार ने न केवल अपने वित्तीय संसाधनों में वृद्धि करने में सफलता अर्जित की है, बल्कि अपने खर्चों को भी नियंत्रित करने में सफल रह है। पूंजीगत खर्चों में वृद्धि के साथ ही, केंद्र सरकार द्वारा अपने बजट में मध्यवर्गीय नागरिकों को आय कर की राशि में छूट देने का प्रयास भी बजट में किया जाना चाहिए क्योंकि प्रत्यक्ष कर संग्रहण में हो रही भारी भरकम 25 प्रतिशत की वृद्धि इसी वर्ग के प्रयासों के चलते संभव हो पा रही है। भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार भी करों का बोझ उतना ही होना चाहिए जितना एक मधुमक्खी किसी फूल से शहद लेती है। मध्यवर्गीय नागरिकों के हाथों में अधिक राशि पहुंचने का सीधा फायदा अर्थव्यवस्था को होता है। उनके हाथों में खर्च करने के लिए अधिक राशि पहुंचती है तो विभिन्न उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा मिलता है। इससे उत्पादों की मांग में वृद्धि होती है और इन उत्पादों का उत्पादन बढ़ता है। उत्पादन बढ़ने से रोजगार के नये अवसर पैदा होते हैं। कंपनियां अपनी विनिर्माण इकाइयों का विस्तार करने को तत्पर होती हैं जिससे निजी क्षेत्र में पूंजी निवेश बढ़ता है। कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था के चक्र को बढ़ावा मिलता है जो अंततः देश के कर संग्रहण में वृद्धि करने में सहायक होता है। मध्यवर्गीय परिवार के आय कर में कमी करने से बहुत संभव है कि भारत में औपचारिक अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिले क्योंकि कई देशों में सिद्ध हो चुका है कि कर की राशि कम रखने से औपचारिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है। कर की दर कम रहने से कर संग्रहण में वृद्धि होते देखी गई है। कहा जाता है कि भारत में अभी भी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था औपचारिक अर्थव्यवस्था के करीबक़रीब बराबरी पर ही है। हालांकि केंद्र सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था में आर्थिक व्यवहारों के भारी मात्रा में डिजिटलीकरण करने के उपरांत अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने में मदद मिली है और इसी के चलते ही वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण लगभग 1.80 लाख करोड़ से अधिक प्रति माह के स्तर पर पहुंच सका है। कुल मिलाकर मध्यवर्गीय परिवारों की संख्या जितनी तेज गति से आगे बढ़ेगी देश का आर्थिक विकास भी उतनी ही तेज गति से आगे बढ़ता दिखाई देगा। दरअसल, कर संग्रहण में आकर्षक वृद्धि के बाद ही गरीब वर्ग की सहायता के लिए भी विभिन्न योजनाएं सफलतापूर्वक चलाई जा सकेंगी।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवारं मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

ज्योतिषी ने की भविष्यवाणी

बेटे का स्वागत करेंगे रणवीर और दीपिका !

एक्टर रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण बहुत जल्द माता-पिता बनने वाले हैं। कपल इस साल सितंबर में अपने बच्चे का स्वागत कर सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पंडित जगन्नाथ गुरुजी, जो एक प्रसिद्ध सेलिब्रिटी ज्योतिषी और फेस रीडर हैं, उन्होंने भविष्यवाणी की है कि रणवीर और दीपिका एक लड़के का स्वागत करेंगे। इस ज्योतिषी ने पहले भी भविष्यवाणी की थी कि दीपिका 2024 में प्रेग्नेंट होंगी।

पंडित जगन्नाथ गुरुजी के अनुसार, यह बच्चा अपने माता-पिता के लिए राजकुमार होगा। उम्मीद है कि वह आकर्षण से भरपूर पैदा होगा और रणवीर और दीपिका के लिए अच्छी किस्मत लाएगा। बता दें रणवीर और दीपिका 6 साल से अधिक समय तक रिलेशनशिप में रहने के बाद नवंबर 2018 में शादी की थी। कपल ने कॉफी विद करण 8 में खुलासा किया था कि वे 2015 में गुपचुप तरीके से सगाई कर चुके थे।

कॉमेडी फिल्मों में दोस्ती दिखाए जाने पर वरुण का बयान

वरुण शर्मा अपनी कॉमेडी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने फिल्मों में लगातार हास्य किरदार निभाए हैं, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद भी किया है। उन्हें फुकरे फ्रेंचाइजी और छिछोरे जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। हाल में ही उन्होंने कॉमेडी फिल्मों में किरदारों की दोस्ती दिखाए जाने को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि दोस्ती कॉमिडी फिल्मों के लिए काफी सामान्य सी आवश्यकता है, क्योंकि यह सबसे मजबूत भावनाओं में से एक है, जिसे कोई भी इंसान अनुभव कर सकता है। वरुण ने आगे कहा कि दोस्ती वाली फिल्में काफी आकर्षक होती है। यह हमारी जिंदगी की सबसे मजबूत भावनाओं में से एक है। यह प्यार की भावना से भी ज्यादा मजबूत भावना होती है। उन्होंने आगे कहा, साल 2011 प्यार का पंचनामा में दोस्ती का एक नया नजरिया दिखाया गया था।

इन सितारों को भरना पड़ा प्यार का जुर्माना

दांव पर लग गया था करियर

मनोरंजन जगत के सितारे अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों जिंदगी को लेकर सुर्खियां बटोरते हैं। फैंस अपने पसंदीदा सितारे की हर एक एक्टिविटी पर नजरें गड़ाए रखते हैं। फिल्मों के साथ-साथ सेलेब्स के लिंकअप और ब्रेकअप की खबरें भी समय-समय पर हेडलाइंस का हिस्सा बनती हैं। हालांकि, कुछ सितारों को प्यार करना काफी भारी पड़ा है। मनोरंजन जगत की कुछ नामचीन हस्तियां ऐसी भी हैं, जिन्हें प्यार करने का बड़ा जुर्माना भरना पड़ा है। आइए इन सितारों की सूची पर एक नजर डाल लेते हैं-

विवेक ओबेरॉय

सलमान खान और विवेक ओबेरॉय के बीच की तकरार आज भी लोगों को याद है। दोनों के बीच हुए विवाद की जड़ ऐश्वर्या राय थीं, जिनकी वजह से सलमान और विवेक आपस में भिड़ गए थे। यह बात है साल 1999 की, जब सलमान खान और ऐश्वर्या राय हम दिल दे चुके सनम में साथ नजर आए थे। दोनों की केमिस्ट्री न सिर्फ फिल्म में बल्कि रियल लाइफ में भी काफी बढ़िया थी। फिल्म की शूटिंग के दौरान ही दोनों को प्यार हो गया, लेकिन यह रिश्ता ज्यादा दिन तक नहीं चल पाया और उनका ब्रेकअप हो गया। उस दौरान ऐश्वर्या ने सलमान पर मारपीट करने का आरोप भी लगाया था। इतना ही नहीं कहा जाता है कि सलमान ने ऐश्वर्या की फिल्म के सेट पर पहुंचकर खूब बवाल भी किया था, जिसके बाद अभिनेत्री को फिल्म ही छोड़नी पड़ गई थी। सलमान से ब्रेकअप के बाद ऐश्वर्या की विवेक ओबेरॉय संग नजदीकियां बढ़ीं। ये बात सलमान को रास नहीं आई, और नतीजा यह रहा कि विवेक ओबेरॉय को काम मिलना बंद हो गया।

सूरज पंचोली

सूरज पंचोली भी प्यार कर पछता चुके हैं। अभिनेता पर गर्लफ्रेंड और अभिनेत्री जिया खान को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगा था। हालांकि, 10 साल बाद उनके ऊपर से यह इल्जाम हट गया। वहीं, इस इल्जाम की वजह से सूरज पंचोली को काम मिलना बंद हो गया था, जिस पर बात करते हुए सूरज और उनकी मां दोनों बेहद भावुक हो गए थे।

मोनिका बेदी

मोनिका बेदी कभी बॉलीवुड की बड़ी हीरोइन हुआ करती थीं। उनकी फिल्म प्यार इश्क और मोहब्बत और जोड़ी नंबर 1 बड़ी हिट थीं। मोनिका ने कुछ टीवी शो में भी काम किया। साथ ही मोनिका बिग बॉस 2 में भी नजर आ चुकी हैं। मोनिका का करियर ऊंचाइयों पर था लेकिन तभी उनका नाम अंडर वर्ल्ड डॉन से जुड़ गया। मोनिका बेदी का नाम अंडरवर्ल्ड डॉन अबु सलेम से जुड़ा था। अबु सलेम 1993 के मुंबई में हुए बम ब्लास्ट का दोषी है। अबु सलेम से नाम जुड़ने के बाद मोनिका बेदी का फिल्मी करियर खत्म हो गया।

रिया चक्रवर्ती

रिया चक्रवर्ती को भी प्यार करना भारी पड़ा। रिया के एक्स बॉयफ्रेंड और अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने साल 2020 में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अभिनेता के आत्महत्या करने के बाद अभिनेत्री पर कई गंभीर आरोप लगे। आरोपों के कारण रिया चक्रवर्ती को काम मिलना कम हो गया, और वह धीरे-धीरे पर्दे से गायब हो गईं।

मंदाकिनी

राम तेरी गंगा मैली फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली अभिनेत्री मंदाकिनी पर्दे पर आते ही लोगों के दिलों पर छा गई थीं। बला की खूबसूरत इस हीरोइन ने अपनी सुंदरता और अभिनय से सभी के दिल में जगह बना ली थी। इस फिल्म के जरिए वह रातोंरात मशहूर हो गई थीं। उनकी सुंदरता के चर्चे दूर-दूर तक थे। सभी निर्माता और निर्देशक उनको अपनी फिल्म में कास्ट करना चाहते थे। मंदाकिनी की खूबसूरती का आलम ये था कि अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम भी उनपर फिदा हो गया था। हालांकि, दाऊद के साथ नाम जुड़ना मंदाकिनी के लिए अभिशाप साबित हुआ। अभिनेत्री को काम मिलना कम होता गया, और वह धीरे-धीरे पर्दे से दूर हो गईं।

गद्दार का बेटा कहे जाने पर तिलमिलाए जावेद अख्तर

मशहूर लेखक और गीतकार जावेद अख्तर अक्सर अपने विवादित बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते है और हमेशा बड़ी बेबाकी के साथ अपनी बात लोगों के बीच रखते हैं। अब हाल ही में गीतकार ने खुद को गद्दार का बेटा कहे जाने पर सोशल मीडिया यूजर की फटकार लगाई। इसे लेकर एक बार फिर जावेद सुर्खियों में आ गए हैं। दरअसल, एक्स पर एक यूजर ने जावेद अख्तर पर निशाना साधते हुए कहा, आपके पिता ने पाकिस्तान को सिर्फ मुसलमानों के लिए एक राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, फिर प्रगतिशील लेखक की आड़ में उन्होंने भारत में रहना चुना। आप गद्दार के बेटे हैं जिसने धर्म के आधार पर हमारे देश का विभाजन किया, अब आप कुछ भी कहें लेकिन ये सच है। यूजर की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए जावेद अख्तर ने लिखा, यह तय करना मुश्किल है कि आप अज्ञानी हैं या पूर्ण मूर्ख हैं। 1857 से मेरा परिवार स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल रहा है और जेल और काला पानी की सजा काट चुका है। जब संभवतः आपके बाप दादा अंग्रेज सरकार के जूते चाट रहे थे। बता दें, यूजर और जावेद अख्तर के बीच यह बहस गीतकार के उस ट्वीट के बाद हुई, जिसमें उन्होंने अपनी तुलना अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन से की थी। उन्होंने लिखा था, मैं एक गौरवान्वित भारतीय नागरिक हूं और अपनी आखिरी सांस तक ऐसा ही रहूंगा, लेकिन मेरे और जो बिडेन के बीच एक सामान्य तथ्य है। हम दोनों के पास संयुक्त राज्य अमेरिका का अगला राष्टपति बनने की बिल्कुल समान संभावना है।

धक धक की असफलता पर सह निर्माताओं पर साधा निशाना

तापसी पन्नू अपनी बोल्ड फिल्म विकल्पों के लिए जानी जाती हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में फिल्म धक धक के लिए एक निर्माता के रूप में अपनी यात्रा साझा की। 2022 में हॉरर थ्रिलर ब्लर के साथ एक निर्माता के रूप में अपनी शुरुआत के बाद, पन्नू ने 2023 में तरुण डुडेजा द्वारा निर्देशित धक धक के साथ एक बड़े प्रोजेक्ट में कदम रखा। हालांकि, अभिनेत्री ने इस फिल्म से जुड़ा एक बड़ा खुलासा किया है, जिसके कारण वह जबर्दस्त सुर्खियां बटोर रही हैं। एक हालिया इंटरव्यू में तापसी पन्नू ने फिल्म धक धक के प्रदर्शन और उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा, यह बहुत हृदयविदारक था। मैं वैकल्पिक करियर बनाने के लिए निर्माता नहीं बनी। मैं एक अभिनेत्री के रूप में बहुत अच्छा कर रही थी। पन्नू ने इस बात पर जोर दिया कि वह ऐसी फिल्में बनाना चाहती थीं जिनका वह सक्रिय रूप से हिस्सा नहीं थीं।

धक धक उस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। तापसी पन्नू ने सुझाव दिया कि धक धक के सह-निर्माताओं ने फिल्म का पूरा समर्थन नहीं किया। उन्होंने प्रमोशन और पर्याप्त नाटकीय रिलीज में निवेश की कमी पर निराशा व्यक्त की। अभिनेत्री ने अपनी बात में जोड़ा, अगर यह बड़े बजट की फिल्म नहीं है, तो स्टूडियो फिल्म के सिनेमाघरों में आने से पहले पैसा वसूल लेते हैं। अब जब उन्होंने अपना पैसा कमा लिया है, तो वे केवल एक सांकेतिक रिलीज करते हैं। वे प्रिंट और विज्ञापन पर भी खर्च नहीं करना चाहते। प्रदर्शकों का मानना है कि चूंकि यह कोई सामूहिक मसाला फिल्म नहीं है, तो बिजली और पॉपकॉर्न पर खर्च क्यों करें? इसलिए वे हमें अजीब शो, थिएटर आदि देते हैं। फिर इसे सप्ताह के मध्य में अचानक हटा दिया जाता है।

तापसी यहीं नहीं रुकीं और आगे कहा, उस समय मैं बहुत निराश हो गई थी। हमने फिल्म का ट्रेलर आने के चार से पांच दिन बाद फिल्म दिखाना शुरू किया। लोग हमारे पास आने लगे और कहने लगे कि वे इसे बढ़ावा देने में मदद करेंगे। लेकिन मेरे पास अभी भी निर्माता और सह-निर्माता के रूप में मेरे बगल में खड़े लोग नहीं थे जो कहते हों कि हम जितना कर सकते थे हमने उतना किया और बाकी दर्शकों पर छोड़ दिया। पन्नू के अनुसार, इस दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप फिल्म को सीमित और असुविधाजनक शोटाइम मिले, अंततः समय से पहले ही इसे सिनेमाघरों से हटा लिया गया। धक धक जो अक्तूबर 2023 में स्क्रीन पर आई, दर्शकों को आकर्षित करने के लिए संघर्ष करती दिखी। धक धक एक अनोखा रोड एडवेंचर ड्रामा है जिसमें रत्ना पाठक शाह, दीया मिर्जा, फातिमा सना शेख और संजना सांघी सहित शानदार महिला कलाकार शामिल हैं।

दुबई में पलक तिवारी का कातिलाना अवतार

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी भी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रख चुकी है. उन्होंने बीते सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से डेब्यू किया था .हालांकि मूवी पर्दे पर ज्यादा कमाल नहीं कर पाई लेकिन पलक ने अच्छा काम किया था . इन दिनों पलक अपनी लेटेस्ट फोटोज को लेकर चर्चा में है. पलक प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती है. एक्ट्रेस का नाम काफी वक्त से सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान से जुड़ रहा है.

पलक सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन फोटोज शेयर करती हैं. इन दिनों अभिनेत्री दुबई में वेकेशन मना रही हैं, जिसकी एक झलक उन्होंने इंस्टा पर शेयर की है. श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी को फैंस देसी काइली जेनर भी कहते हैं.पलक तिवारी ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी वेकेशन की फोटोज साझा की है, जिसमें वो हमेशा की तरह ही काफी गॉर्जियस नजर आ रही है. काफी समय खबर है कि पलक तिवारी और इब्राहिम अली खान को डेट कर रही है. हाल ही में एक्ट्रेस को इब्राहिम के घर से बाहर निकलते देखा गया था.

बुरे दौर से गुजर रहा है

हिन्दी सिनेमाः करण

बॉलीवुड पिछले कुछ सालों से बुरे दौर से गुजर रहा है। बड़े से बड़े सुपरस्टार और बजट की फिल्में भी बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरने से नहीं रुक रही है। ऐसे में फिल्म मेकर करण जौहर ने इस मामले पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा है कि इंडस्ट्री में गिने-चुने ही ढंग के अभिनेता हैं। इसके अलावा उन्होंने दावा किया है कि दर्शकों का टेस्ट अब बदल गया है।

फेय डिसूजा के यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में हिंदी फिल्मों की बुरी हालत पर करण जौहर ने अपना रिएक्शन दिया। उन्होंने कहा- सबसे पहले तो दर्शकों का टेस्ट बहुत लिमिटेड हो गया है। वे एक खास तरह का सिनेमा चाहते हैं और अगर आप एक लिमिटेड नंबर में काम करना चाहते हैं, तो आपकी फिल्म को ए, बी और सी सेंटर पर परफॉर्म करना होगा। सिर्फ मल्टीप्लेक्स काफी नहीं होंगे।

इन फिल्मों में रितेश करते हैं बिना पैसों के काम

रितेश देशमुख हिंदी और मराठी फिल्मों के जाने-माने कलाकार हैं। बॉलीवुड फिल्मों में वह ज्यादातर बार कॉमेडी करते दिखे हैं, जिसमें उन्हें काफी पसंद भी किया गया है। हालांकि, फिल्म एक विलेन में उनके खलनायक वाले अवतार ने लोगों को काफी प्रभावित किया था। अब एक बार फिर वह दर्शकों का दिल जीतने आ रहे हैं। इस वक्त वह अपनी पहली ओटीटी सीरीज पिल को लेकर व्यस्त हैं। उनकी यह सीरीज रिलीज को तैयार है। हाल में ही उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अभिनेताओं की फीस को लेकर बात की है।

रितेश जल्द ही ओटीटी डेब्यू करने वाले हैं। वह जियो सिनेमा पर प्रसारित होने वाले सीरीज पिल में एक मेडिकल ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगे। इस सीरीज का प्रीमियर बहुत जल्द होने वाला है। इसी सीरीज के प्रमोशन के दौरान उन्होंने पीटीआई से बात की है। इस दौरान उन्होंने कहा कि अभिनेता की फीस बढ़ने से फिल्म पर बोझ बढ़ता है। एक फिल्म निर्माता होने के तौर उन्होंने कहा कि जब वह खुद को कास्ट करते हैं, तो वह एक पैसा भी फीस के तौर पर नहीं लेते। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि अभिनेता को किसी फिल्म पर अपनी फीस का बोझ नहीं डालना चाहिए, क्योंकि फिल्म का बेहतर बनना जरूरी है, अगर फिल्म बेहतर बनी रहती है, तब ही सभी बेहतर बने रहेंगे।

पिल के डायरेक्टर राजकुमार गुप्ता और प्रोड्यूसर रोनी स्क्रूवाला ने भी रितेश से सहमत दिखे। राजकुमार गुप्ता ने कहा कि पैसे का सही जगह पर उपयोग करना चाहिए। इसके लिए स्टूडियो या निर्माता के तरफ से पारदर्शिता भी बनाए रखना चाहिए।

-साभार एजेंसी

संक्षिप्त समाचार

जयसूर्या होंगे भारत के खिलाफ सीरीज में श्रीलंका के कोच

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका टीम का प्रदर्शन हाल के दिनों में अच्छा नहीं रहा है और टीम टी20 विश्व कप में भी प्रभावित नहीं कर सकी थी। श्रीलंका का सफर ग्रुप चरण में ही थम गया था जिसके बाद टीम के कोच क्रिस सिल्वरवुड ने इस्तीफा दे दिया था। श्रीलंका को अब भारत की मेजबानी करनी है और उससे पहले श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) ने पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सनथ जयसूर्या को टीम का अंतरिम कोच नामित किया है। जयसूर्या पहले भी श्रीलंका टीम के साथ जुड़े रह चुके हैं। वह टीम के चयनकर्ता की भूमिका निभा चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने सलाहकार के रूप में भी कार्य किया है। जयसूर्या ने खुद इस बात की पुष्टि की है कि श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने इस भूमिका के लिए उनसे संपर्क साधा है। मीडिया रिपोर्ट के हवाले से जयसूर्या ने कहा, मुझसे कोचिंग का जिम्मा संभालने के लिए कहा गया है और मुझे ऐसा करने में खुशी होगी। मालूम हो कि पूर्व कप्तान माहेल जयवर्धने ने भी जून में टीम के सलाहकार पद से इस्तीफा दे दिया था।

सिल्वरवुड ने अप्रैल 2022 में संभाला था पद

क्रिस सिल्वरवुड ने अप्रैल 2022 से टी20 विश्व कप 2024 तक श्रीलंका का कोच पद संभाला था। उनके नेतृत्व में टीम ने 2022 एशिया कप का खिताब जीता था, लेकिन वनडे विश्व कप 2023 में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। श्रीलंका की टीम पिछले साल भी एशिया कप के फाइनल में पहुंची थी, लेकिन खिताबी मैच में भारत ने उसे एकतरफा अंदाज में हरा दिया था। श्रीलंका की टीम अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में हुए टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में भी नहीं पहुंच सकी थी और उसे ग्रुप चरण में सिर्फ एक जीत मिली। श्रीलंका ग्रुप सी में तीसरे स्थान पर थी। सिल्वरवुड ने पद छोड़ते हुए कहा था कि वह अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका टीम का ऐलान

जोहांसबर्ग, एजेंसी। वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जानी है। पहला टेस्ट मैच 7 अगस्त से खेला जाएगा। अब टेस्ट सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका की टीम का ऐलान कर दिया गया है। टीम का कप्तान टेम्बा बावुमा को बनाया गया है। टीम में 16 खिलाड़ियों को जगह मिली है। घरेलू क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन करने वाले मैथ्यू ब्रीट्जके को पहली बार टेस्ट स्क्वाड में जगह मिली है।

रेयान रिकेल्टन की हुई वापसी

मैथ्यू ब्रीट्जके ने पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने चार दिनों के घरेलू टूर्नामेंट में 46 के औसत से 322 रन बनाकर प्रभावित किया था। इसी वजह से उन्हें पहली बार टेस्ट स्क्वाड में शामिल किया गया है। वह साउथ अफ्रीका-ए टीम की कप्तानी भी चुके हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन की भी वापसी हुई है। वहीं ऑलराउंडर मार्को यानसन को सीरीज से आराम दिया गया है।

टेस्ट कोच शुक्री कॉनरोड ने कही ये बात

साउथ अफ्रीका के टेस्ट कोच शुक्री कॉनरोड ने कहा कि हम पिछले कुछ महीनों में लिमिटेड ओवर में लगातार खेलने के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी की उम्मीद कर रहे हैं। यह दौरा हमारे लिए बेहद अहम है क्योंकि हमारा टारगेट आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में अपनी स्थिति को सुधारना है। इसलिए हमने अपनी सबसे मजबूत टीम को सेलेक्ट किया है और कैरेबियन में मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं।

हमारी टीम में एक नया चेहरा मैथ्यू ब्रीट्जके है, जिसे पिछले सीजन के शानदार प्रदर्शन के आधार पर चुना गया है। वर्कलोड मैनेज करने की वजह से मार्को यानसन को रेस्ट दिया गया है। वेस्टइंडीज बनाम साउथ अफ्रीका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। जून 2021 के बाद कैरेबियन धरती पर साउथ अफ्रीका की ये पहली सीरीज होगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका की टेस्ट टीम

टेम्बा बावुमा, डेविड बेडिंघम, मैथ्यू ब्रीट्जके, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्जी, टोनी डी जोरजी, केशव महाराज, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, डेन पैटरसन, डेन पिड्ट, कैगिसो रबाडा, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेल्टन, काइल वेरिन।

जेम्स एंडरसन को है गेंदबाजी की लत: स्टुअर्ट ब्रॉड

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को गेंदबाजी की कला का आदी बताया है। जेम्स एंडरसन 10 जुलाई से लॉर्ड्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच के बाद टेस्ट करियर से विदा ले लेंगे।

जेम्स एंडरसन ने 2003 में इंग्लैंड के लिए डेब्यू किया था और वे 187 टेस्ट मैच खेल चुके हैं। इस साल की शुरुआत में एंडरसन शेन वार्न और मुथैया मुरलीधरन के बाद ऐसे तीसरे गेंदबाज बने जिन्होंने 700 टेस्ट विकेट हासिल किए। मार्च 2024 में इंग्लैंड की क्रिकेट टीम भारत दौरे पर आई थीऔर धर्मशाला में हुए पांचवें टेस्ट मैच में एंडरसन ने ये उपलब्धि (700 विकेट) हासिल की थी। वे टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज हैं। एंडरसन के साथ लंबे समय तक जुड़े रहे स्टुअर्ट ब्रॉड ने एक कॉलम में लिखा है कि एंडरसन चाहे आउट स्विंग, इन स्विंग या वॉबल सीम से गेंदबाजी कर रहे हों, उनको रन-अप की लय, बॉलिंग एक्शन की तकनीक पर नियंत्रण जैसे पक्ष पसंद हैं। जब आप लंबे समय तक खेलने वाले पेशेवरों के बारे में बात करते हैं, तो आप अक्सर ट्रेनिंग के प्रति उनके समर्पण, जिम में उनके अनुशासन और उनके खानपान के बारे में बात करते हैं।

ब्रॉड ने आगे कहा, एंडरसन के बारे में खास बात गेंदबाजी के प्रति उनका सच्चा प्रेम है। किसी चीज की लत होने की बात करना वैसे तो एक नकारात्मक शब्द है, लेकिन मैं कहूंगा कि एंडरसन को अपनी गेंदबाजी की कला की लत है। ब्रॉड ने पिछले साल ओवल में अंतिम टेस्ट मैच खेलने के बाद क्रिकेट के तीनों प्रारूपों से संन्यास ले लिया था, वे एंडरसन के साथ 138 मैचों में नई गेंद से गेंदबाजी कर चुके हैं। उनको लगता है कि टेस्ट मैचों में एंडरसन की रिवर्स स्विंग कराने की क्षमता को काफी कमतर आंका गया है।

ब्रॉड ने कहा, एंडरसन को उनकी रिवर्स स्विंग के लिए पर्याप्त श्रेय नहीं मिला है, जो उपमहाद्वीप में उनके बेहतरीन रिकॉर्ड में काफी अहम रही है। उनकी लाइन-लेंथ के कारण वो और भी घातक बन जाती है। डेल स्टेन जेम्स एंडरसन से ज्यादा तेज थे, लेकिन जेम्स निश्चित तौर पर बेस्ट रिवर्स स्विंग बॉलर हैं जिनको मैंने देखा है।

क्रिस गेल ने 40 गेंदों में मचाई तबाही

छक्के मार-मारकर बड़े टारगेट को बनाया छोटा, वेस्टइंडीज चैंपियंस की जीत का खुला खाता

नईदिल्ली, एजेंसी।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स की पिच पर 7 जुलाई की शाम खास रही. और, वो इस वजह से कि उसमें क्रिस गेल की तूफानी पारी का दीदार हुआ. इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके गेल WCL 2024 में वेस्टइंडीज चैंपियंस की ओर से खेल रहे हैं. ऐसे में रविवार की शाम साउथ अफ्रीका चैंपियंस के खिलाफ मुकाबले में वो अपने बल्ले से तबाही मचाते दिखे. बर्मिंघम के मैदान पर उन्होंने अपने नाम के मुताबिक सिर्फ 40 गेंदों में ही ऐसा खेल दिखाया कि उसके चलते साउथ अफ्रीका चैंपियंस से मिला बड़ा टारगेट भी छोटा पड़ता दिखा. साउथ अफ्रीका चैंपियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 174 रन बनाए थे. साउथ अफ्रीका ने ये रन एश्वेल प्रिंस और डेन विलास के बनाए नाबाद 46 और 44 रन की पारी की बदौलत बनाए. इन दोनों के अलावा रिचर्ड लुईस ने 20 रन और जेपी डुमिनी ने 23 रन की पारी खेली. वेस्टइंडीज की ओर से जेसन मोहम्मद सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 2 विकेट लिए.

अब वेस्टइंडीज चैंपियंस के सामने 175 रन का बड़ा लक्ष्य था. क्रिस गेल और ड्वेन स्मिथ की ओपनिंग जोड़ी इसका पीछा करने उतरी और पहले विकेट के लिए 8.3 ओवर में 65 रन जोड़े. स्मिथ 22 रन बनाकर आउट हो गए पर गेल का खेल जारी रहा. साउथ अफ्रीका चैंपियंस के गेंदबाजों पर उनका अटैक चलता रहा.

क्रिस गेल ने मैच में 40 गेंदों का सामना करते हुए 70 रन बनाए. 175 की स्ट्राइक रेट से खेली इस पारी में 6 छक्के और 4 चौके शामिल रहे. गेल जब आउट हुए तब तक काम पूरा हो चुका था. वेस्टइंडीज को बनाने के लिए रन ज्यादा रन नहीं गए थे और 8 विकेट के अलावा ओवर भी 7 बचे थे. नतीजा ये हुआ कि वेस्टइंडीज चैंपियंस ने ये मैच 6 विकेट से जीत लिया. उसने 175 रन के लक्ष्य को 4 विकेट खोकर 19.1 ओवर में हासिल कर लिया.

विंबलडन

पहला सेट गंवाने के बाद जोकोविच ने की शानदार वापसी

लंदन, एजेंसी। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के जोकोविच ने पोपिरिन को 4-6, 6-3, 6-4, 7-6 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। इसी के साथ जोकोविच ने विंबलडन में एक खास उपलब्धि हासिल कर ली है। जोकोविच विंबलडन में 1000 से अधिक ऐस लगाने वाले छठे खिलाड़ी बन गए हैं।

सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। विंबलडन के सात बार के चैंपियन जोकोविच ने एलेक्सेई पोपिरिन के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी की और चार सेटों में जीत दर्ज कर पुरुष सिंगल्स वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

विंबलडन

यानिक सिनर क्वार्टर फाइनल में, कोको गॉफ बाहर

लंदन, एजेंसी।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन यानिक सिनर ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया लेकिन महिला वर्ग में कोको गॉफ को बाहर का रास्ता देखना पड़ा। सिनर ने 14वीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन के खिलाफ 6-2, 6-4, 7-6 (9) से जीत दर्ज की। उनका अगला मुकाबला दानिल मेदवेदेव से होगा। एक अन्य क्वार्टर फाइनल मैच कार्लोस अल्काराज और टॉमी पॉल के बीच खेला जाएगा।

गत चैंपियन अल्काराज ने 16वें वरीय उगो हम्बर्ट को 6-3, 6-4, 1-6, 7-5 से पराजित किया। पॉल ने रॉबर्टो बातिस्ता अगुट को 6-2, 7-6 (3), 6-2 से हरा कर पहली बार विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मेदवेदेव ने ग्रिगोर दिमित्रोव के पहले सेट में पांव पर चोट लग जाने के कारण बाहर हो जाने से अंतिम आठ में प्रवेश किया। महिला वर्ग में मेडिसन कीज के तीसरे सेट में 5-5 के स्कोर पर हट जाने के कारण जैस्मीन पाओलिनी ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पाओलिनी का अगला मुकाबला एम्मा नवारो से होगा, जिन्होंने मौजूदा अमेरिकी ओपन चैंपियन गॉफ को 6-4, 6-3 से हराया। क्वालीफायर लुलु सन भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है जहां उनका मुकाबला डोना वेकिच से होगा। सन ने 2021 की अमेरिकी ओपन चैंपियन एम्मा राडुकानू को 6-2, 5-7, 6-2 से हराया। यह 2010 के बाद पहला अवसर है जबकि महिला वर्ग में किसी क्वालीफायर ने अंतिम आठ में प्रवेश किया। वेकिच ने बारिश से प्रभावित एक अन्य मैच में पाउला बडोसा को 6-2, 1-6, 6-4 से हराया।

टी20 विश्व कप जीतने के बाद बुमराह का आया बयान

सपनों में जी रहा हूं

नई दिल्ली, एजेंसी।

बुमराह ने टी20 विश्व कप में भारत की 17 साल बाद खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में हार्दिक पांड्या के साथ मिलकर भारत को शानदार वापसी दिलाई थी।

हाल ही में संपन्न हुए टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अब भी खिताबी जीत को नहीं भुला पा रहे हैं। भारतीय टीम का स्वदेश पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया था और बुमराह ने इसके लिए आभार व्यक्त किया है। बुमराह ने कहा कि वह पिछले कुछ दिनों से सपनों में जी रहे हैं। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। बुमराह का हाल ही में अपने घर अहमदाबाद पहुंचने पर फूलों से स्वागत किया गया था। इस 30 वर्षीय तेज गेंदबाज ने अमेरिका और वेस्टइंडीज की संयुक्त मेजबानी में खेले गए टूर्नामेंट में 15 विकेट लिए।

जब मैं शून्य पर आउट हुआ तो युवराज काफी खुश थे, शतकीय पारी के बाद अभिषेक शर्मा का खुलासा

हरारे, एजेंसी। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने खुलासा किया कि जिंबॉब्वे के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण मैच में जब वह शून्य पर आउट हो गए थे तो उनके मेंटर (मार्गदर्शक) युवराज सिंह काफी खुश थे क्योंकि इस पूर्व ऑलराउंडर का मानना था कि यह अच्छी शुरुआत है। अभिषेक भारत की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करते हुए खाता नहीं खोल पाए थे।

जिम्बाब्वे ने यह मैच 13 रन से जीता। अभिषेक ने हालांकि शानदार वापसी करके दूसरे मैच में 47 गेंद पर 100 रन बनाए जिससे भारत यह मैच 100 रन से जीतने में सफल रहा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें अभिषेक ने कहा, 'मैंने कल (शनिवार) को उनसे (युवराज) बात की और मैं नहीं जानता कि जब मैं शून्य पर आउट हुआ तो वह क्यों बहुत खुश थे। उन्होंने कहा कि यह अच्छी शुरुआत है लेकिन अब वह मेरे परिवार की तरह खुश होंगे और उन्हें मुझ पर गर्व होगा। अभिषेक ने न सिर्फ क्रिकेट मैदान पर उनका कौशल सुधारने बल्कि मैदान के बाहर भी उनका समर्थन करने के लिए भारत की 2011 की विश्व कप की जीत के नायक युवराज का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'मैं आज जो

भी हूं उसमें उनकी काफी अहम भूमिका रही है। उन्होंने मुझे यहां तक पहुंचाने में कड़ी मेहनत की। उन्होंने न सिर्फ क्रिकेट मैदान पर मेरा कौशल निखारा बल्कि मैदान के बाहर की जिंदगी में भी मेरी मदद की। रविवार को खेले गए मैच के बाद अभिषेक ने युवराज से बात की और वह इस युवा बल्लेबाज के प्रदर्शन से काफी खुश थे। युवराज ने कहा, 'शाबास, मुझे तुम पर गर्व है।

टेस्ट कोच जेसन गिलेस्पी ने बताई पाकिस्तान क्रिकेट टीम की मुख्य समस्या

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के रेड-बॉल क्रिकेट कोच जेसन गिलेस्पी ने अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले टीम की मुख्य समस्या के रूप में निरंतरता की कमी को बताया। पिछले साल भारत में वनडे विश्व कप के समापन के बाद से पाकिस्तान ने सभी प्रारूपों में जीत हासिल करने के लिए संघर्ष किया है।

तब से व्हाइट-बॉल क्रिकेट में, बाबर की अगुवाई वाली टीम यूएसए, आयरलैंड, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, भारत और अन्य टीमों के खिलाफ हार का सामना कर रही है। पाकिस्तान की बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज 21 अगस्त को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगी। दूसरा टेस्ट 30 अगस्त को नेशनल स्टेडियम कराची में खेला जाएगा। रेड-बॉल क्रिकेट में पिछले साल के अंत में उन्होंने शान मसूद के नए शासन के तहत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली। ऑस्ट्रेलिया ने एशियाई दिग्गजों पर दबदबा बनाया और रेड-बॉल क्रिकेट में अपने अजेय अभियान को बरकरार रखा, जो 1996 से चली आ रही है। ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान पाकिस्तान की परेशानियों के बावजूद गिलेस्पी ने उनके प्रदर्शन के सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया।

गिलेस्पी ने कहा, ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे में पाकिस्तान ने सीरीज 3-0 से गंवाई थी, लेकिन उन्होंने अच्छा खेला। सीरीज में कुछ ऐसे पल भी आए जब वे विरोधियों पर हावी हो गए। उन्होंने टीम में प्रतिभा होने के बावजूद निरंतरता की कमी को मुख्य समस्या बताया। उन्होंने कहा, पाकिस्तान क्रिकेट टीम बहुत प्रतिभाशाली है, लेकिन प्रदर्शन में निरंतरता की कमी मुख्य समस्या है। हम देखेंगे कि हम प्रदर्शन में निरंतरता और स्थिरता कैसे ला सकते हैं। पिछले कुछ सालों से निरंतरता के अलावा पाकिस्तान की फील्डिंग भी आलोचना का विषय रही है। हाल ही में संपन्न टी20 विश्व कप में कैच छूटना और मिसफील्डिंग उनके प्रदर्शन में आम बात थी। गिलेस्पी ने कहा, आम तौर पर माना जाता है कि पाकिस्तान की फील्डिंग उनकी कमजोरी है, इसलिए यह मेरी प्राथमिकता होगी।

पेरिस डायमंड लीग

डायमंड लीग में साबले ने दिखाया दम

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके अविनाश साबले ने रविवार को डायमंड लीग में 8 मिनट और 9.91 सेकंड का समय लेकर छठा स्थान हासिल करते हुए 3000 मीटर स्टीपलचेज का अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने 2022 में बनाए गए अपने पहले के राष्ट्रीय रिकॉर्ड 8-11.20 से करीब 1.5 सेकंड बेहतर प्रदर्शन किया।

इथियोपिया के अब्राहम सिमे 8ः02.36 के समय से कीनिया के अमोस सेरेम ((8ः02.36) से 'फोटो फिनिश' में पहले स्थान रहे। कीनिया के अब्राहम किबिवोट 8ः06.70 के समय से तीसरे स्थान पर रहे। साबले ने दो साल पहले बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था और वह इसे तोड़ने में सफल रहे।

पाकिस्तान में आतंकवादी हमले में सीटीडी अधिकारी की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची में हुए एक आतंकवादी हमले में एक अधिकारी की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीटीडी के उप महानिरीक्षक आसिफ एजाज शेख ने बताया कि सीटीडी का एक वरिष्ठ अधिकारी कराची के करीमाबाद इलाके में अपने दोस्त से मिलने गए थे, इस दौरान मोटरसाइकिल पर सवार अज्ञात आतंकवादियों ने उन पर गोलियां चलाई। इस हमले में अधिकारी की मौत हो गई और एक सुरक्षा गार्ड गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारी ने बताया कि नजदीकी अस्पताल ले जाते समय घायल अधिकारी की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि गोलियां चलाने के बाद आतंकवादी घटनास्थल से फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि यह सीटीडी कर्मियों पर लक्षित हमला था और आतंकवादियों ने उन पर गोलियां तब चलाई जब वो बुलेटप्रूफ वाहन से बाहर आ गए थे। पुलिस ने उनकी तलाश शुरू कर दी है।

कैसे लगी कचरे में आग.... जो 60 सालों से नहीं बुझी

फ्लोरिडा। क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसा शहर भी है, जो पिछले 60 सालों से लगातार जल रहा है? एक बड़ी चूक की वजह से आज ये शहर भुतिया बन गया है? क्योंकि अब यहां कोई नहीं रहता। जब शहर की हवा में जहर घुलने लगा, तब यहीं के लोग अपना घर छोड़कर चले गए। इस शहर तक जाने वाली सड़कों पर मिट्टी के ढेर डाल दिए गए जिससे यहां टूरिस्ट न जा सकें। यहां के पोस्टल जिप कोड को भी खत्म कर दिया गया, आग बुझाने की काफी कोशिशें की गई, मगर सारी कोशिशें नाकाम साबित हुई। आखिर ये शहर है कहां? बात कर रहे हैं अमेरिका के पेंसिलवेनिया में स्थित सेंट्रेलिया नाम के एक छोटे से शहर की। सेंट्रेलिया के जलने की शुरुआत होती है 1962 गर्मियों में, जब ये शहर देश के मेमोरियल डे की तैयारी कर रहा था। अमेरिका में अपने दिवंगत सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए मई के आखिरी सोमवार को मेमोरियल डे मनाया जाता है। मई 1962 में भी ऐसा ही होना था। सेंट्रेलिया में मेमोरियल डे से पहले शहर के सारे कचरे को एक बड़े लैंडफिल, यानी कचरे के लिए बने गड्ढे में डालकर जला दिया जाता था। उस साल भी ऐसा ही होना था। कचरे को आग लगाई गई, पर एक बड़ी चूक हो गई। इस चूक में आग नीचे मौजूद कोयले की खदान में फैल गई। सेंट्रेलिया शहर बहुत बड़े कोयले की खदान पर बना है। ये खदानें जाल की तरह फैली हैं जो करीब 700 फीट की गहराई तक जाती हैं और हजारों एकड़ में फैली हैं। एक जगह पर आग लगने से खदानों में आग बढ़ती गई और देखते-देखते एक बड़े हिस्से को कवर कर लिया। ये आग 27 मई 1962 की रात लगाई गई थी। शुरू में आग बुझ गई। पर 2 दिन बाद दोबारा कूड़े वाली जगह पर आग जलती दिखाई दी। फिर 4 जून को दोबारा आग जलती हुई दिखाई दे गई। धीरे-धीरे कार्बन मोनोऑक्साइड गैस हवा में फैलने लगी जो बेहद जानलेवा होती है। खदान सुस्केहैना कोल कंपनी की थी। कंपनी के साथ अमेरिकी सरकार ने मिलकर आग बुझाने की कई कोशिशें की। सबसे पहले गड्ढे खोदने का फैसला लिया गया, जिससे आग ऊपर आ जाए और उस बुझाया जा सके, पर इसके लिए बहुत ज्यादा खुदाई करनी पड़ती और उतना फंड था नहीं। इसके बाद दूसरा प्लान ये बना कि पानी और छोटे पत्थरों को मिलाकर गड्ढों में भरा जाए, जिससे अंदर की आग बुझ जाए, पर तापमान काफी कम होने की वजह से पानी जमने लगा। 1983 तक पेंसिलवेनिया प्रशासन ने 58 करोड़ रुपये आग बुझाने के काम में खर्च कर दिए थे, पर सफलता नहीं मिली। लगातार धुआं निकलने की वजह से लोग घरों में बेहोश होने लगे, आसपास के पेड़-पौधे सूखने लगे। जानवर भी मरने लगे। साल 1980 तक शहर की आबादी 1000 तक हो गई थी। हालांकि, लोगों ने धीरे-धीरे धुएं के साथ जीना सीख लिया था। 1983 में फेडरल सरकार ने 350 करोड़ रुपये देकर सेंट्रेलिया को खरीद लिया और उसके बाद वहां से लोगों को हटाने और इमारतों को गिराने का काम शुरू किया। कई लोग अपना घर छोड़कर नहीं जाना चाहते थे। उन्होंने सरकार से कानूनी लड़ाई शुरू कर दी। 1993 तक वहां पर 63 लोग बचे थे। जबकि 2013 तक 10 से भी कम लोग रह गए थे। अब शहर पूरी तरह सुनसान हो चुका है। माना जा रहा है कि शहर के नीचे इतना कोयला है कि अगले 250 सालों तक जलता रहेगा।

हड़ताली चिकित्सकों का लाइसेंस नहीं होगा निलबिंत......सरकार ने वापस लिया फैसला

सियोल। दक्षिण कोरिया ने कहा कि वह देश में लंबे समय से चिकित्सकों के साथ जारी गतिरोध को खत्म करने के लिए, हड़ताल कर रहे चिकित्सकों के लाइसेंस निलंबित करने की अपनी योजना वापस लेगा। स्वास्थ्य मंत्री चो क्यो हॉग ने कहा कि सरकार ने हड़ताल कर रहे चिकित्सकों के लाइसेंस निलंबित न करने का फैसला किया है, चाहे वे अपने अस्पतालों में काम पर लौटें या नहीं। चिकित्सा प्रशिक्षु और रेजीडेंट के तौर पर काम कर रहे 13,000 से अधिक जूनियर चिकित्सक मेडिकल कॉलेज में दाखिले में वृद्धि करने की सरकार की योजना के विरोध में हड़ताल पर हैं। उनकी हड़ताल से अस्पतालों के कामकाज पर काफी असर पड़ा है। उनकी हड़ताल को तब झटका लगा जब मई में सियोल की एक अदालत ने सरकार की योजना के समर्थन में फैसला दिया। सरकार ने बाद में अपने अस्पतालों में काम पर लौटने वाले चिकित्सकों के लाइसेंस निलंबित करने की अपनी योजना वापस ले ली थी लेकिन काम पर न लौटने वाले चिकित्सकों के लिए ऐसा कोई कदम नहीं उठाया था।

इमरान के करीबी पूर्व मंत्री कुरैशी को लखपत जेल भेजा गया

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी सहयोगी शाह महमूद कुरैशी को रावलपिंडी की अदियाला जेल से लाहौर की कोट लखपत जेल में ट्रांसफर किया गया। बता दें कि पाकिस्तान की अदालत ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान, उनके सहयोगी कुरैशी और पूर्व मंत्री शेख राशिद को तोड़फोड़ के एक मामले में हाल ही में बरी कर दिया था। पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 144 के उल्लंघन में कथित संलिप्तता के आधार पर इस्लामाबाद के थाने में दर्ज किया गया था। धारा 144 के तहत रैलियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। यह मामला साल 2022 में तोड़फोड़ से संबंधित है।

किंजल हाइपरसोनिक मिसाइलों से किया हमला.....20 लोगों की मौत

कीव। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि रूसी सेना ने सोमवार को यूक्रेनी ठिकानों पर कई बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें दागीं। कीव शहर के विभिन्न हिस्सों से धुआं उठता देखा गया। यूक्रेन के आंतरिक मंत्रालय ने बताया कि इस रूसी हमले में 20 लोगों की मौत हुई, और लगभग 50 लोग घायल हैं। वायुसेना ने बताया कि हमले में किंजल हाइपरसोनिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया,

जो कि रूस के सबसे उन्नत हथियारों में से एक है। किंजल ध्वनि की गति से 10 गुना अधिक गति से उड़ता है, इस रोकना मुश्किल हो जाता है। रूसी मिसाइल हमले ने कीव के बच्चों के अस्पताल को निशाना बनाया है और अधिकारियों का कहना है कि वे क्षति का आकलन कर रहे हैं। कीव प्रशासन ने बताया कि कीव के सोलोमियांस्की, दिनप्रोवस्की और होलोसिवस्की जिलों में संभवतः मिसाइलों के गिरने से मलबा गिर गया, जिससे आग लग गई। कीव के कई इलाकों से धुआं उठ रहा था।

स्पेन में लोग एक जंगली गाय से बचने का प्रयास करते हुए।

किम की बहन ने सीमा के निकट सैन्य अभ्यास को बताया आत्मघाती कृत्य

सियोल। तानाशाह किम जोंग उन की शक्तिशाली बहन ने सोमवार को सियोल की जमकर आलोचना की। किम की बहन किम यो-जोंग ने दक्षिण कोरिया की सैन्य अभ्यासों को आत्मघाती करार दिया है। साथ ही इससे होने वाले भयानक आपदा को लेकर भी चेताया है। बयान के अनुसार, किम यो जोंग ने कहा कि यह एक खुला युद्ध का खेल है और एक अक्षम्य और स्पष्ट उकसावे की कार्रवाई है जो दोनों देशों की स्थिति को और बिगाड़ रही है। उत्तर कोरिया शासन की एक प्रमुख प्रवक्ता ने आगे कहा कि दक्षिण कोरिया के सीमा अभ्यास आत्मघाती हैं, जिसके लिए उन्हें भयंकर आपदा का सामना करना पड़ेगा। किम यो जोंग ने कहा कि यह सभी के लिए स्पष्ट है। डीपीआरके की सीमा के करीब आने वाले आरओके सेना के उपरोक्त लापरवाह लाइव गोला बारूद फायरिंग अभ्यासों का जोखिम पैदा कर रही है। अगर सियोल के अभ्यास उत्तर की संप्रभुता का उल्लंघन करते हैं, तो हमारे सशस्त्र बल तुरंत अपने मिशन को अंजाम देंगे।दरअसल, प्योंगयांग ने कचरे से भरे गुब्बारे साउथ कोरिया के कई हिस्सों में फेंके थे। इस हरकत के बाद सियोल ने पिछले महीने तनाव कम करने वाले सैन्य समझौते को पूरी तरह से निलंबित कर दिया और लाइव-फायर अभ्यास फिर से शुरू कर दिया।

फ्रांस चुनाव में परिणामों के बाद भड़की हिंसा, कई स्थानों पर लगाई आग

-वामपंथी दलों ने जीती सबसे ज्यादा सीटें, दक्षिणपंथी का टूटा सपना

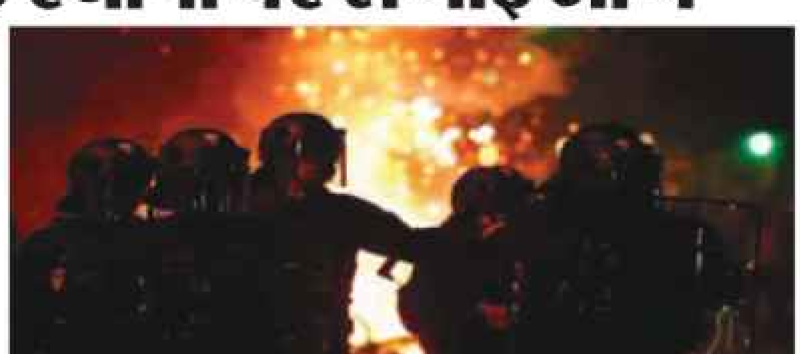

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस में चुनाव परिणामों के बाद कई जगह हिंसा भड़क गई। इस चुनाव में वामपंथी दलों के गठबंधन ने सबसे ज्यादा सीटें हासिल की हैं। वहीं पहले दौर में चुनाव जीतने वाला दक्षिणपंथी दल नीचे खिसक गया। हालांकि यहां किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला है, जिससे फ्रांस में अनिश्चितता की ऐसी स्थिति बन गई है, जो पहले कभी नहीं बनी।

इस चुनाव में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का मध्यमार्गी गठबंधन दूसरे और दक्षिणपंथी तीसरे नंबर पर है इस चुनावों में तीन प्रमुख राजनीतिक दल उभरे हैं फिर भी उनमें से कोई भी 577 सीटों वाले निचले सदन नेशनल असेंबली में 289 सीटों के करीब नहीं पहुंच पाए हैं। चुनाव में सबसे बड़े दल बनकर उभरे वामपंथी गठबंधन ने 182 सीटें जीती हैं। वहीं मैक्रों के गठबंधन को 168 सीटें, जबकि धुर दक्षिणपंथी रैसेम्बलेमेंट नेशनल और उसके सहयोगियों को 143 सीटें हासिल की हैं।

नेशनल असेंबली में वामपंथी और दक्षिणपंथी पार्टियों की सीटों में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि किसी भी दल को बहुमत नहीं मिलने से अगले प्रधानमंत्री को लेकर कोई दावेदार नहीं उभरा है। यहां वामपंथी या दक्षिणपंथियों को सरकार बनाने के लिए मध्यमार्गी इमैनुएल मैक्रों की पार्टी का समर्थन चाहिए होगा। हालांकि उसका कहना है कि वह नई सरकार पर कोई भी फैसला लेने से पहले नई नेशनल असेंबली के खुद को संगठित करने का इंतजार करेंगे।

नेशनल असेंबली का सत्र 18 जुलाई से शुरू होगा। फ्रांस में 30 जून को पहले चरण का चुनाव हुआ था, जिसमें मरीन ले पेन की 'नेशनल रैली' ने बढ़त बनाई थी। नेशनल रैली का नस्लवाद और यहूदी-विरोधी भावना से पुराना संबंध है और वह फ्रांस के मुस्लिम समुदाय की भी विरोधी है। दूसरे राउंड के चुनाव के इन नतीजों से मरीन ले पेन को बड़े झटके लगे हैं। इस बीच चुनाव परिणामों के बाद फ्रांस की सड़कों पर हिंसा भड़क गई है। हिंसा के कई वीडियो सामने आए हैं, जिसमें कई नकाबपोश प्रदर्शनकारियों को सड़कों पर उत्पात मचाते, फ्रांस के कुछ हिस्सों में आग लगाते हुए देखा जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार अधिकारियों ने राजनीतिक तनाव बढ़ने की आशंका के चलते पूरे देश में 30,000 पुलिस तैनात कर दी है और हिंसा करने वालों के साथ सख्ती से निपटने के लिए कहा गया है।

लो फिर आया बाइडेन का वीडियो... किस तरह ट्रंप के सामने भीगी बिल्ली साबित हो रहे

वाशिंगटन (एजेंसी)। जो बाइडन राष्ट्रपति चुनाव से पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहे। उन्होंने अंगद के पैर की तरह ही अपनी दावेदारी ठोक दी है। हालांकि राष्ट्रपति चुनाव से पहले पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई डिबेट में वे बिल्कुल भीगी बिल्ली साबित हुए। राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप वार पर वार कर रहे, लेकिन बाइडन का उनके पास कोई जवाब नहीं था। बाइडन ने ट्रंप को जो जवाब दिए, उन्होंने बतौर राष्ट्रपति उनकी योग्यता पर ही सवाल उठा दिया। अब सत्ताधारी डेमोक्रेटिक पार्टी के करीब पांच सांसदों ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से जो बाइडन को बाहर करने की उठा दी है। इस बीच बाइडन का एक वीडियो भी खूब वायरल हो रहा है, वीडियो देखकर आप समझ जाएंगे कि बाइडन के खिलाफ क्यों इस तरह की आवाजें बुलंद हो रही हैं।

यह वीडियो फिलाडेल्फिया के चर्च का है, जहां बाइडन अपने चुनाव अभियान के तहत पहुंचे थे। हालांकि इस दौरान उन्हें एक अजीबोगरीब स्थिति का सामना करना पड़ा। वीडियो में देख सकते हैं कि चर्च में पादरी ने सभी लोगों से खड़े होने को कहते, लेकिन बाइडन वहीं बैठे रह गए। इस दौरान बाइडन बेहद गुमसुम और बदहवास दिख रहे हैं। उनकी नजर बाईं तरफ कहीं टिकी थी। हालांकि यह साफ नहीं कि वह क्या देख रहे थे। इसके थोड़ी देर बाद वह धीरे-धीरे अपनी सीट से उठकर खड़े होते हैं। यह वीडियो वायरल होने के साथ अमेरिका सहित दुनियाभर में चर्चा में आ गया है। कई लोग ये साफ मान रहे हैं कि बाइडन राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप का मुकाबला करने के लिए बिल्कुल भी काबिल नहीं। इस बीच बाइडन की लोकप्रियता रेटिंग में भी गिरावट आई है और उनकी अपनी पार्टी के ही साथियों ने उनके सेहत पर सवाल उठाते हुए कहना शुरू कर दिया है कि उनमें अगले चार सालों तक शासन करने की क्षमता ही नहीं है।

रूस में पीएम मोदी की आवभगत से चीन की बढ़ी धड़कन

-बोला-रूस-यूक्रेन युद्ध शांति से बातचीत कर खत्म कराने का किया आह्वान

बीजिंग (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी सोमवार को रूस के दौरे हैं। उनकी इस यात्रा पर दुनियाभर की नजर टिकी हैं। माना जा रहा है कि पीएम मोदी दोनों देशों के बीच कारोबार और रक्षा क्षेत्र में बड़े समझौते कर सकते हैं। इसके साथ ही पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच शिखर वार्ता में यूक्रेन संघर्ष पर भी बात होने की उम्मीद है।

रूस में पीएम मोदी के इस आवभगत से चीन की भी धड़कन बढ़ गई है और शायद इसी वजह से उसने रूस-यूक्रेन जंग पर सलाह दी है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस युद्ध को शांति से बातचीत के जरिये खत्म कराने का आह्वान किया है। शी चिनफिंग ने सोमवार को हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान से मुलाकात की। इस बैठक में उन्होंने वैश्विक महाशक्तियों से आह्वान किया कि रूस और यूक्रेन को सीधी बातचीत फिर से शुरू करने में मदद करें। ओरबान पिछले हफ्ते रूस और यूक्रेन की यात्रा करने के बाद चीन पहुंचे थे। वह यूक्रेन में शांति समझौते की संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए कई देशों की यात्राएं कर रहे हैं। ओरबान ने शांति के लिए चीन की पहल की तारीफ करते हुए उसे वैश्विक उथल-पुथल के बीच स्थिरता लाने वाली ताकत करार दिया। वहीं ओरबान ने कहा रूस और यूक्रेन के अलावा 'युद्ध खत्म होना तीन ग्लोबल पॉवर- अमेरिका, यूरोपीय संघ और चीन के फैसले पर निर्भर करता है। उधर यूक्रेन में संघर्ष के बीच रूस रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने भी वहां शांति की हिमायत की और कहा कि भारत शांतिपूर्ण और स्थिर क्षेत्र के लिए सहयोगात्मक भूमिका निभाना चाहता है।

अंतरिक्ष जानकारों ने नासा को दी सलाह कहा- सुनीता विलियम्स की वापसी के लिए चलाएं रेस्क्यू

मॉस्को (एजेंसी)। वाशिंगटन(ईएमएस)। एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बैरी विल्मोर अंतरिक्ष स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर फंस गए हैं। दोनों अंतरिक्ष यात्री बीते महीने 5 जून को अंतरिक्ष के लिए रवाना हुए थे। अंतरिक्ष में उनका मिशन केवल एक सप्ताह के लिए ही था, लेकिन एक महीने से भी ज्यादा समय बीत चुका है और अभी तक उनकी वापसी के बारे में कोई अपडेट नहीं है। सुनीता की वापसी को लेकर अंतरिक्ष के जानकारों ने नासा को सुझाव दिया है कि नासा को रेस्क्यू चलाना चाहिए। बता दें कि बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान के थ्रस्टर में खराबी के बाद इसका धरती पर वापसी का मिशन रोक दिया गया है।

नासा के इंजीनियर स्टारलाइनर की समस्या को ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं, इस दौरान दोनों एस्ट्रोनॉट स्पेस स्टेशन पर दूसरे यात्रियों के साथ रहना पड़ रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या दोनों अंतरिक्ष यात्रियों की धरती पर वापसी कब होगी और क्या नासा को इसके लिए रेस्क्यू मिशन शुरू करने की जरूरत है।

इन सवालों का जवाब अंतरिक्ष प्रणालियों और मिशनों के विशेषज्ञ पैट्रिक विनिंग ने दिया है। पैट्रिक जॉन्स हॉपकिंस एप्लाइड फिजिक्स लैब में नेशनल सिक्योरिटी स्पेस के लिए मिशन एरिया एग्जीक्यूटिव के रूप में काम करते हैं। उन्होंने बताया कि दोनों अंतरिक्ष यात्रियों के लिए रेस्क्यू अभियान की बात करना अनावश्यक है। इसकी वजह बताते हुए वे कहते हैं कि पहले तो यह समझना होगा कि स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट में सवार होकर आईएसएस पर पहुंचे अंतरिक्ष यात्री फंसे नहीं हैं। न ही आईएसएस पर पहले से मौजूद सात दूसरे अंतरिक्ष यात्री ही फंसे हुए हैं।यहां हमें याद रखने की जरूरत है कि अंतरिक्ष में जाना कठिन है। वहीं, मानव अंतरिक्ष उड़ान तो और भी कठिन है। स्टारलाइनर के डिजाइन में कई बैकअप सिस्टम हैं, जिसने आईएसएस पर इसके पहुंचने को सफल बनाया, लेकिन बैकअप सिस्टम के साथ भी अप्रत्याशित स्थितियों को समझना महत्वपूर्ण है। यही वजह है कि नासा अधिक डेटा एकत्र कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि रेस्क्यू मिशन आम तौर पर सेना चलाती है, जैसे कि अगर कोई स्पेसक्रॉफ्ट लॉन्च के समय समुद्र में गिर जाए।

फ्रांस में त्रिशंकु संसद के आसार....किसी को बहुमत नहीं

पेरिस। फ्रांस में हुए संसदीय चुनाव में वामपंथी गठबंधन ने धुर-दक्षिणपंथी दलों को शिकस्त देकर सबसे ज्यादा सीटें जीतीं। हालांकि, वह बहुमत हासिल करने में नाकाम रहा, जिससे देश में त्रिशंकु संसद की आशंका बढ़ गई है। फ्रांस में राजनीतिक उथल-पुथल से अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है और यूक्रेन में युद्ध, वैश्विक कूटनीति तथा यूरोप की आर्थिक स्थिरता पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। फ्रांस की संसद का कार्यकाल 2027 में खत्म होना था, लेकिन यूरोपीय संघ में नौ जून को बड़ी हार मिलने के बाद राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने समय से पहले संसद भंग कर बड़ा दांव खेला था। उन्होंने कहा था कि फिर मतदाताओं के बीच जाने से स्थिति 'स्पष्ट' होगी। हालांकि, उनका यह दांव लगभग हर पड़ाव पर उल्टा पड़ता दिखा है। आधिकारिक नतीजों के मुताबिक, संसदीय चुनाव में तीनों प्रमुख गठबंधन में से कोई भी 577 सदस्यीय नेशनल असेंबली में बहुमत के लिए जरूरी 289 सीटों का जादुई आंकड़ा नहीं छू सका।

अब रिसर्च करने श्रीलंका आएंगे विदेशी जहाज, श्रीलंका हटाएगा बैन

-चीन की पड़ोसी देशों पर बुरी नजर के चलते भारत की बढ़ी चिंता

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका ने अपने जल क्षेत्र में रिसर्च के लिए आने वाले जहाजों पर लगे प्रतिबंध को हटाने का फैसला किया है। अगले साल विदेशी अनुसंधान जहाजों पर से यह प्रतिबंध हटा जाएगा। श्रीलंका का ये फैसला चीन के लिए अच्छा तो वहीं भारत की सुरक्षा दृष्टि से ये चिंता का सबब है क्योंकि रिसर्च के नाम पर चीन के जहाज पड़ोसी देशों में जासूसी करते रहे हैं। श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने इसका ऐलान किया है।

उन्होंने कहा कि हम अलग-अलग देशों के लिए अलग-अलग नियम नहीं बना सकते हैं। हम दूसरे देशों को इजाजत देकर सिर्फ चीन को बैन नहीं कर सकते हैं। इस साल जनवरी में श्रीलंका ने विदेशी शोध जहाजों की यात्रा पर प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया था, जिसे अब हटाया जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक साबरी ने कहा है कि श्रीलंका अगले साल से अपने बंदरगाहों पर विदेशी शोध जहाजों को आने की इजाजत देगा।

उन्होंने कहा कि यह कदम श्रीलंका को अपना खुद का सर्वेक्षण करने, डेटा एकत्र करने और इसे बाकी दुनिया के साथ साझा करके व्यावसायिक रूप से दोहन करने का अवसर देगा। बीते साल मई में चाइना मर्चेंट्स ग्रुप ने कोलंबो पोर्ट पर एक बड़े लॉजिस्टिक्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए 400 मिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा की थी। ये 2022 में दिवालिया होने के बाद से श्रीलंका में आने वाला पहला बड़ा विदेशी निवेश है।

वहीं दूसरी ओर भारत अपने क्वाड भागीदारों, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ, हिंद महासागर क्षेत्र में चीन के प्रभाव का मुकाबला करने पर ध्यान दे रहा है। 2020 में भारत ने श्रीलंका और मालदीव के साथ कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन किया, इसे मॉरीशस, सेशेल्स और बांग्लादेश को शामिल करने के लिए विस्तारित किया।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 20 जून, 2024 को कोलंबो की अपनी यात्रा के दौरान, कोलंबो नौसेना मुख्यालय में स्थित एक समुद्री बचाव समन्वय केंद्र का उद्घाटन किया था। अमेरिका भी श्रीलंकाई बंदरगाहों पर बड़ी भूमिका निभा रहा है। जापान ने भी श्रीलंका को पानी के नीचे सोनार से लैस एक जहाज देने की योजना बनाई है, जिसका इस्तेमाल देश की समुद्र विज्ञान सर्वेक्षण क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए अन्य जहाजों के स्थान का पता लगाने के लिए किया जाता है।

महिला होकर महिलाओं के साथ अत्याचार पर चुप्पी.....ममता पुतला फूंका

रेवाड़ी। हिंदू धर्मशास्त्रों के अनुसार जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवताओं का वास होता है। लेकिन, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वयं एक महिला है और उन्हीं की शह पर राज्य में महिलाओं पर न केवल असहनीय अत्याचार हो रहे हैं, बल्कि उनकी अस्मत के साथ खिलवाड़ हो रहा है। और ममता चुप्पी साधे हुए है। यह कहना है भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारियों व महिला कार्यकर्ताओं का। जिन्होंने इसके विरोध में ममता का पुतला फूंककर जिला उपायुक्त के माध्यम से केंद्रीय गृहमंत्री को ज्ञापन सौंपकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच व दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने की गुहार लगाई है। बंगाल में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार से आक्रोशित भाजपा महिला मोर्चा की महिलाओं ने कहा कि बड़े शर्म की बात है कि महिला मुख्यमंत्री के सबकुछ संज्ञान में होने के बाद किस कदर उन्हीं के राज्य में महिलाओं की ये दुरशाश हो रही है। उन्होंने स्मृति ईरानी के उस बयान को भी मीडिया के सामने रखा जिसमें उन्होंने ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि ममता की शह पर उनके गुंडे पहले महिलाओं की रेकी कर उन्हें उठाकर ले जाते हैं और तब तक नही छोड़ते जब तक उनका मन नही भर जाता।

उत्तराखंड में भारी बारिश.....उधमसिंह नगर से 100 लोगों को किया रेस्क्यू

उत्तराखंड। उत्तराखंड में मानसून की भारी बारिश लगातार पूरे प्रदेश में अपना कहर दिखा रही है। कुमाऊं से लेकर गढ़वाल तक हर जगह भारी बारिश से परेशानी दिख रही है। उधमसिंह नगर के खटीमा में चकरपुर में करीब 100 लोग भारी बारिश के कारण फंस गए थे। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ की टीम बैकअप के तौर पर उधमसिंह नगर के खटीमा में चकरपुर पहुंची। उसके बाद लगभग 100 लोगों का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया। दूसरी ओर चंपावत के बनबसा में भी लगातार भारी बारिश हो रही है, जिसके कारण कई क्षेत्रों में जलभराव हो गया है। यहां भी कई लोगों के फंसे होने की सूचना दी गई। जिसके बाद एसडीआरएफ की टीम ने 110 लोगों का सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। अभी एसडीआरएफ की पांच टीम रेस्क्यू अभियान चला रही है। भारी बारिश की चेतावनी के बाद आर्मी और एसडीआरएफ दोनों ही मोर्चा संभाले हुए है। वहीं, लोगों से सावधानी बरतने की अपील भी की गई है।

नेपाल में बारिश..... यूपी के महाराजगंज में बाढ़ से फसलों को नुकसान

लखनऊ। नेपाल में हो रही मूसलाधार बारिश से नारायणी नदी में पानी छोड़ने से भारत के तराई इलाके में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। यह देखकर प्रशासन ने बाढ़ अलर्ट जारी कर दिया है। नेपाल की तरफ से सोमवार को 4 लाख 41 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जिससे सोहगीबरवा सहित कई गांव में बाढ़ का पानी घुस गया। वहीं सैकड़ों एकड़ फसल भी जलमग्न हो गई। जिलाधिकारी ने नदियों में बढ़ते जल स्तर के दृष्टिगत झुलनीपुर बैराज और सोहगीबरवा क्षेत्र का निरीक्षण कर हालात का जायजा लेकर सभी को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। महाराजगंज जिले में बहन वाली नारायणी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। सोहगीबरवा के लोगों ने बताया कि अचानक नदियों का जलस्तर बढ़ने से गन्ने और धान की फसल को नुकसान पहुंचा है और गांव वालों को फिर बाढ़ का खतरा सता रहा है। दरअसल, नेपाल से भारतीय क्षेत्र में बहकर आने वाली नदियों और नालों के उफान से हर साल एक तरफ जहां सैकड़ों एकड़ फसल बर्बाद हो जाती है, वहीं जनपद के कई इलाके बाढ़ से पूरी तरह घिर जाते हैं। कई दर्जन गांवों का संपर्क पूरी तरह टूट जाता है और लोगों को अपना घर बार छोड़कर ऊंची जगहों पर जाने को मजबूर होना पड़ता है।

पत्नी को वापस बुलाने टंकी पर चढ़ा पति, पुलिस ने किया गिरफ्तार, थमाया 05 लाख का नोटिस

चूरू। प्रेमी के साथ लिव इन में रह रही पत्नी को वापस बुलाने की मांग को लेकर पानी की टंकी पर चढ़ा पति उस समय हैरान रह गया जब पुलिस ने उसे पांच लाख रुपए का नोटिस भेज दिया। यह शख्स अपनी मांग को लेकर करीब चार घंटे तक जलदाय विभाग की पानी टंकी पर चढ़ा रहा। उसे नीचे उतारने पुलिस प्रशासन चार घंटे वहां मशक्कत करता रहा। आखिरकार समझाइस के बाद उसे नीचे उतर लिया गया। नीचे उतरने के बाद उस व्यक्ति पर पुलिस ने उसे शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया बल्कि पुलिस फोर्स और अन्य संसाधनों के खर्च का भुगतान करने के लिए पांच लाख रुपये का नोटिस भी थमा दिया। चूरू पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि शहर के वन विहार कॉलोनी में स्थित जलदाय विभाग की टंकी पर चढ़कर प्रदर्शन करने वाले शख्स को कोतवाली पुलिस ने नीचे उतार कर गिरफ्तार कर लिया है। डीएसपी के मुताबिक सरदारशहर निवासी राशिद अपनी पत्नी सायना को प्रेमी से बरामद कर उसके साथ भेजने की मांग को लेकर पानी की टंकी पर चढ़ गया था। उसकी पत्नी सायना बीते दो माह से अपने प्रेमी आबिद के साथ लिव इन में रह रही है। उसने पुलिस और प्रशासन का करीब चार घंटे का समय खराब किया है। मौके पर लगाए गए पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा प्रदान कराने की एवज में उसे 5 लाख रुपये का नोटिस अलग से दिया है। जलदाय विभाग की ओर से पेश की गई रिपोर्ट पर राशीद के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

फिर एक बार कच्छ में भूकंप का झटका, कोई नुकसान नहीं

कच्छ। कच्छ में एक बार फिर भूकंप का झटका महसूस किया गया है। भारत-पाक सीमा पर 2.6 तीव्रता का झटका महसूस किया गया। सुबह 4.45 बजे झटका लगने से लोगों में दहशत फैल गई। जानकारी के मुताबिक भूकंप का केंद्र खावड़ा से 34 किलोमीटर दूर दर्ज किया गया। राहत की बात है कि भूकंप की तीव्रता कम होने के कारण किसी के हताहत होने या क्षति की कोई खबर नहीं है। आपको बता दें कि इससे पहले कच्छ के भचाऊ के धोलावीरा इलाके में भूकंप आया था। यहां 2.8 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। उसमें भी कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। भूकंप का झटका महसूस करने वाले लोगों में डर का माहौल देखा गया। भूकंप का केंद्र पाकिस्तान के पास धोलावीरा से 100 किलोमीटर दूर दर्ज हुआ था।

बिहार में वज्रपात का कहर.... 24 घंटे में 12 की मौत

पटना। बिहार के सात जिलों में पिछले 24 घंटे के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से 12 लोगों की मौत हुई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वज्रपात से हुई मौत पर गहरी संवेदना जाहिर कर कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। सीएम हाउस से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पिछले 24 घंटे के दौरान वज्रपात की चपेट में आकर जमुई और कैमूर में तीन-तीन, रोहतास में दो, सारण, सहरसा, भोजपुर और गोपालगंज में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई है। नीतीश ने मृतक के परिजनों को आज ही चार-चार लाख रूपये की अनुग्रह राशि देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी तरह से सतर्कता बरतें, वज्रपात से बचाव के लिए आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सुझावों का अनुपालन करें, खराब मौसम के दौरान घरों में रहें और सुरक्षित रहें।

बब्बर खालसा का आतंकवादी पकड़ाया, हथियार गोला-बारुद बरामद

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने सिमरनजीत बबलू को गिरफ्तार किया है, जो बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) का सदस्य है। सिमरनजीत पूर्व आतंकवादी रतनदीप सिंह की हत्या करने के मामले में भी शामिल था। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने सोमवार को एक्स पर जानकारी देते हुए लिखा-इस मॉड्यूल को पाकिस्तान स्थित आतंकवादी हरविंदर रिंदा और अमेरिका स्थित गोपी नवांशहरिया संचालित कर रहा था। उन्होंने कहा कि सिमरनजीत के पास से भारी मात्रा में गोला-बारूद और अत्याधुनिक हथियार बरामद किए गए हैं। आगे की जांच जारी है। इस बीच बीएसएफ ने कहा कि दो अलग-अलग तलाशी अभियानों में एक पाकिस्तानी ड्रोन और हेरोइन का एक पैकेट बरामद किया गया है। बरामद ड्रोन चीन में बना है। इसकी पहचान डीजेआई माविक-3 क्लासिक के रूप में की गई है। अधिकारियों ने बताया कि खुफिया जानकारी और बीएसएफ जवानों की सक्रियता से एक बार फिर सीमा पार तस्करों के नापाक मंसूबों को नाकाम करने में सफलता मिली है।

बाढ़ मुक्त असम का वादा... डबल इंजन की सरकार का सबसे बड़ा धोखा : राहुल गांधी

गुवाहाटी (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बाढ़ पीड़ितों से मिलने के लिए सोमवार को असम का दौरा किया। बाढ़ से 28 जिलों में लगभग 23 लाख की आबादी प्रभावित है। इस वर्ष बाढ़, भूस्खलन और तूफान में मरने वालों की संख्या 78 थी, जिसमें सिर्फ बाढ़ में 66 लोगों की मौत हुई, जबकि अधिकांश नदियों में जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राहत शिविर का दौरा कर पीड़ितों से मुलाकात की।

इसके बाद राहुल गांधी ने लिखा कि असम में बाढ़ से हुई भीषण तबाही दिल दहला देने वाली है, 8 साल के अविनाश जैसे मासूम बच्चों को हमसे छीन लिया गया। राज्य भर के सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। राहुल गांधी ने दावा किया कि अब तक राज्य में 60 से ज्यादा मौतें हुई है, 53,000 हजार से ज्यादा विस्थापित जबकि

24,00,000 प्रभावित हुए है। ये आंकड़े भाजपा की डबल इंजन सरकार के घोर और गंभीर कुप्रबंधन को दिखाता है, जो बाढ़ मुक्त असम के वादे के साथ सत्ता में आई थी।

राहुल गांधी ने कहा कि असम को अल्पावधि में उचित राहत, पुनर्वास और मुआवजे के लिए एक व्यापक और दयालु दृष्टि की आवश्यकता है। लंबी अवधि में बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए एक अखिल-पूर्वोत्तर जल प्रबंधन प्राधिकरण की आवश्यकता है। मैं असम के लोगों के साथ खड़ा हूं, मैं संसद में उनका सिपाही हूं और मैं केंद्र सरकार से राज्य को शीघ्रता से हर संभव सहायता और समर्थन देने का आग्रह करता हूं।

वहीं, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि बाढ़ प्रभावित जिलों में सभी राहत शिविरों में पूरी व्यवस्था की गई है और स्थिति सामान्य होने तक आवश्यक वस्तुओं का पर्याप्त भंडार रखा गया है। उन्होंने कहा कि बाढ़ राहत शिविरों की सुरक्षा और स्वच्छता सरकार की प्राथमिकता है और उनकी टीम वहां रह रहे लोगों के संपर्क में है। वर्तमान में, 28 जिलों में 3,446 गांवों के लगभग 23 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, जबकि बाढ़ की दूसरी लहर से 68,432.75 हेक्टेयर फसल भूमि जलमग्न हो गई है।

मणिपुर के लोग कई सालों से अपने पीएम की राह देख रहे : मनोज झा

पटना। राष्ट्रीय जनता दल सांसद मनोज झा ने नेता प्रतिपक्ष और सांसद राहुल गांधी के मणिपुर दौरे को लेकर पीएम मोदी पर हमला बोला। उन्होंने नीट के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा। मनोज झा ने राहुल गांधी के मणिपुर दौरे पर कहा कि मणिपुर के लोग पिछले कई सालों से अपने पीएम मोदीजी की राह देख रहे हैं। क्या पीएम मोदी का फर्ज नहीं बनता की वह वहां जाएं? राहुल गांधी तीसरी बार वहां गए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी मणिपुर नहीं जाते हैं, मणिपुर का जिक्र नहीं करते, लोगों को इससे तकलीफ होती है। पीएम मोदी को यह समझना होगा कि वह देश के प्रधानमंत्री हैं। पीएम मोदी के रूस दौरे पर उन्होंने कहा कि पीएम मोदी विदेश जा रहे हैं, वहां घरेलू राजनीति की आलोचना नहीं करनी चाहिए। रूस से संबंधित बहुत सारे गंभीर मुद्दे हैं, रुस-यूक्रेन युद्ध है, पाकिस्तान और रूस के बीच भी कुछ मामला है। मुझे लगता है कि पीएम मोदी को इन सब मुद्दों पर बात करनी चाहिए। नीट परीक्षा को लेकर उन्होंने कहा कि मैं नतीजों का इंतजार कर रहा हूं। लाखों बच्चों के भविष्य के साथ सरकार ने खिलवाड़ किया है। एनटीए को फ्रॉड संस्था बताते हुए उन्होंने कहा कि इसको उखाड़ कर बंगाल की खाड़ी या अरब सागर में फेंक देना चाहिए। हाथरस की घटना पर उन्होंने कहा इस देश को क्या हो गया है। हर रोज नए बाबा पैदा हो रहे हैं। कोई जुता सुंघा रहा है, देश में धर्म की हवा चल रही है। देश ने अपने यूएसपी खो दी है, उन घरों का क्या हो रहा होगा जिनके घर के चिराग बुझ गए?

रुपौली सीट.... एनडीए और इंडिया के लिए प्रतिष्ठा का सवाल

पूर्णिया (एजेंसी)। पूरे बिहार में एकमात्र पूर्णिया जिला के रुपौली विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने है। लिहाजा चुनावी सरगर्मी तेज है। सभी पार्टी के बड़े-बड़े नेता रुपौली आकर अपने लोक लुभावन बयानों से जनता को लुभाने का प्रयास कर रहे है। इस उपचुनाव में कुल 11 प्रत्याशी मैदान में है, जिसमें त्रिकोणीय मुकाबला है। एक ओर जहां जदयू छोड़कर राजद में आई बीमा भारती राजद की प्रत्याशी हैं। वहीं जदयू ने एक शिक्षक कलाधर मंडल को अपना उम्मीदवार बनाया है। इधर लोजपा से पूर्व में विधायक रह चुके शंकर सिंह टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय मैदान में उतरे हैं। वहीं सब की निगाहें सांसद पप्पू यादव पर भी टिकी है। रूपौली उपचुनाव में जहां एनडीए ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी से लेकर करीब दो दर्जन मंत्री और सांसद, विधायक लगातार क्षेत्र में कैंपेन कर रहे हैं। वहीं राजद की तरफ से भी तेजस्वी यादव मोर्चा संभल रहे है। वहीं शक्ति यादव सहित कई विधायक और पूर्व मंत्री लगातार क्षेत्र में घूम-घूम कर प्रचार कर रहे हैं।

चुनाव में जहां एनडीए के निशाने पर बीमा और शंकर सिंह दोनों हैं। मुख्यमंत्री नीतीश ने बीमा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जिन्हें बोलना और पढ़ना नहीं आता था उस हमने मंत्री बनाया। आज हमको ही छोड़कर भाग गई। यह भी कहा कि अब तक उन्होंने 10 लाख से अधिक नौकरी दी है। अगले साल तक 22 लाख रोजगार दिए जाएंगे। नीतीश ने अपने चिर परिचित अंदाज में परिवारवाद पर लालू यादव पर भी जमकर कटाक्ष कर कहा कि कुछ लोग शादी कर 9 बच्चे पैदा करते हैं और अपने ही परिवार के बारे मे सोचते हैं। वहीं उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सभा को संबोधित कर कहा था कि बीमा लोकसभा में राजद की प्रत्याशी थी। लेकिन, उन्हें राजद वालों ने ही वोट नहीं दिया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग लोजपा के नाम पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। लेकिन यहां एनडीए का एक ही प्रत्याशी है कलाधर मंडल। चौधरी ने कांग्रेस पर निशाना साधकर कहा कि कांग्रेस की हालत लूडो के 99 की हो गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने माना पेपर लीक हुआ, अगली सुनवाई 11 जुलाई को

-एनटीए और सरकार ने अब तक आरोपियों को पहचानने के लिए क्या कदम उठाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेडिकल एंट्रेस परीक्षा नीट-2024 विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि पेपर लीक हुआ है सवाल ये है कि इसका दायरा कितना बड़ा है। ये समझना जरूरी है कि पेपर लीक कितना व्यापक है? सिर्फ दो लोगों की चीटिंग की वजह से पूरी परीक्षा रद्द नहीं की जा सकती है। कोर्ट ने कहा हम जानना चाहते हैं कि एनटीए और सरकार ने अब तक पेपर लीक के आरोपियों को पहचानने के लिए क्या कदम उठाए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अब इस मामले की सुनवाई 11 जुलाई तय की है।

ये भी ध्यान देने की बात है कि लीक कैसे हुआ। अगर पेपर सोशल मीडिया से लीक हुआ तो लीक व्यापक हो सकता है। अगर लीक टेलीग्राम, व्हाट्सएप जैसे इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से हुआ, तो ये जंगल में आग की तरह फैला हो सकता है। दूसरी ओर, अगर लीक 5 तारीख की सुबह हुआ है, तो इसके फैलने का समय सीमित रहा है।

मेडिकल एंट्रेस परीक्षा नीट-2024 विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। आज

सुनवाई के दौरान सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने पूछा, किस आधार पर दोबारा परीक्षा की मांग कर रहे हैं? सीनियर वकील नरेंद्र हुड्डा अगर सिस्टम लेवल पर गलती पाई जाती है, तो पूरी परीक्षा की पवित्रता से समझौता होगा। गलत तरीकों से रैंक लाने वालों की पहचान नहीं हो पा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम ऐसे एक भी कैंडिडेट को आगे नहीं बढ़ने देंगे जिसने गलत तरीकों का इस्तेमाल किया है।

अदालत 38 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई कर रहा है। इनमें से 34 याचिकाएं छात्रों, शिक्षकों और कोचिंग इंस्टीट्यूट्स ने दायर की हैं, जबकि चार याचिकाएं नेशनल टेस्टिंग एजेंसी एनटीए ने लगाई हैं। 50 से ज्यादा याचिकाएं दोबारा परीक्षा के खिलाफ याचिका लगाई है। बता दें इस साल 5 मई को नीट परीक्षा हुई थी। 571 शहरों के 4,750 परीक्षा केंद्रों पर करीब 24 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। लेकिन यह परीक्षा विवादों में आ गई। पेपर लीक और 1563 छात्रों को ग्रेस मार्क देने के बाद कई छात्रों ने धांधली और गड़बड़ी का आरोप लगाया था। इसे लेकर कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए। विपक्षी दलों ने संसद में यह मुद्दा उठाया।

रथ खींचते समय जगन्नाथ यात्रा में मची भगदड़, एक की मौत, 15 घायल

- सीएम माझी ने की चार लाख रुपए अनुग्रह राशि देने की घोषणा

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में रविवार से जगन्नाथ यात्रा की शुरुआत हो गई है। इस दौरान एक घटना घटी जिसमें भगवान जगन्नाथ की रथ खींचने के दौरान भगदड़ मच गई। जिसमें एक श्रद्धालु की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनमें ज्यादातर लोगों को मामूली चोटें आई थी उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। गंभीर रूप से घायलों का उपचार जारी है। मृतक की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि वह ओडिशा से बाहर का रहने वाला था।

जानकारी के मुताबिक यह दुर्घटना भगवान बलभद्र का रथ खींचने के दौरान हुई। रथ खींचने समय एक व्यक्ति जमीन पर गिर गया और बाद में उसकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद वहां भगदड़ मच गई, जिससे 15 लोग घायल हो गए। इस बीच, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मृतक के परिजन

को चार लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

बता दें हर साल जगन्नाथ रथ यात्रा में लाखों श्रद्धालु आते हैं। इस दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा अपनी मौसी गुंडिचा के मंदिर की यात्रा पर निकलते हैं। धार्मिक मान्यता है कि पुरी में अनेक प्रकार के व्यंजन खाने के बाद जगन्नाथ बीमार पड़ जाते हैं, लेकिन स्नान पूर्णिमा पर स्नान करने के बाद वह ठीक हो जाते हैं और रथ यात्रा पर सवार होकर अपने भाई-बहनों के साथ अपनी मौसी के पास जाते हैं।

रथ यात्रा शुरू होने से पहले की रस्में रविवार को ही पूरी कर ली गई थीं। दोपहर 2.30 बजे जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा अपने-अपने रथों पर सवार हुए। भगवान को सामान्य समय से दो घंटे पहले जगाया और मंगला आरती सुबह चार बजे के बजाय दो बजे की गई। मंगला आरती के बाद 2.30 बजे दशावतार पूजा की गई। दोपहर 3 बजे नैत्रोत्सव मनाया और शाम 4 बजे पुरी के राजा ने पूजा की। सुबह 5.10 बजे सूर्य पूजा की गई। 5.30 बजे द्वारपाल पूजा हुई। सुबह 7 बजे भगवान को खिचड़ी का भोग-प्रसाद अर्पित किया। उल्लेखनीय है कि 53 सालों के बाद ऐसा हुआ है कि नबाजीबन दर्शन, नेत्र उत्सव और रथ यात्रा एक ही दिन आयोजित किए गए।

2027 की तैयारी में मायावती... पांच जिले की कार्यकारिणी में बदलाव

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने संगठन में बड़ा बदलाव किया है। बसपा ने पांच जिले की कार्यकारिणी में बदलाव किया। बसपा मुखिया और पूर्व सीएम मायावती ने 2027 के चुनाव के लिए रणनीति बनानी शुरू कर दी है। लखनऊ, प्रयागराज, रायबरेली, प्रतापगढ़ और उन्नाव के लिए नई जिला कमेटियां गठित की है। बसपा की तरफ से जारी किए गए पत्र में बताया गया है कि पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के आदेश पर नई कार्यकारिणी बनाई गई है। लखनऊ की जिला कमेटी में बदलाव किए गए हैं और राकेश जायसवाल को इसका उपाध्यक्ष बनाया गया है।

वहीं रामशंकर गौतम को जिला सचिव बनाया गया है। इसके अलावा युसुफ गाजी को जिला खजांची नियुक्त किया गया है। विशाल कांशी और कुलदीप रावत को जिला कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। वहीं विजय चौधरी को बीवीएफ संयोजक और आरके बर्मन को जिला संयोजक बामसेफ बनाया गया है। इस तरह के

उन्नाव जिले की जिला कमेटी में पदाधिकारीगण मनोनीत किए गए हैं। मूलचन्द लोधी को जिला उपाध्यक्ष सुदामा पासी को जिला महासचिव जबकि जिला सचिव अमर सिंह गौतम जिला खजांची रईस बेग, जिला कार्यकारिणी सदस्य सतीश पासी और वीरेन्द्र गौतम बने हैं। जिला बी.वी.एफ संयोजक नरेश भास्ती और रामनरेश गौतम को जिला संयोजक बामसेफ बनाया गया है।

रायबरेली की जिला कमेटी में रामविलास लोधी को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जिला महासचिव की जिम्मेदारी संदीप कुमार रावत को दी गई है। वहीं दिनेश पाल को जिला सचिव बनाया गया है। जिला खजांची मो. फारूख, जिला कार्यकारिणी सदस्य मंगल प्रसाद, चन्द्रकेश बने हैं। जिला बी.वी.एफ संयोजक अमरनाथ कोरी और बामसेफ का जिला संयोजक अनिल कान्त को बनाया गया है। जनपद प्रतापगढ़ की जिला कमेटी में जिला उपाध्यक्ष अनवर अली, जिला महासचिव नीरज पासी, जिला सचिव रामआसरे आर्या, जिला खजांची उमाकांत पांडेय, जिला कार्यकारिणी सदस्य उमाशंकर पाल और बांके लाल पटेल बने हैं। जिला बीवीएफ संयोजक की जिम्मेदारी धर्मराज गौतम को मिली है। जबकि जिला संयोजक बामसेफ राजाराम गौतम बने हैं।

इसतरह प्रयागराज की जिला कमेटी में जिला उपाध्यक्ष अब्दुल रहमान, जिला महासचिव बुद्धि प्रकाश भारती (पासी), जिला सचिव आकाश वर्मा, जिला खजांची मनोज पाल, जिला कार्यकारिणी सदस्य भोला चौधरी और अतुल कुमार बने हैं। जिला बीवीएफ संयोजक लालचंद गौतम बने हैं। जबकि बामसेफ का जिला संयोजक राम निवास को बनाया गया है। लोकसभा चुनाव 2024 में बसपा को उत्तर प्रदेश में एक भी सीट नहीं मिली। पार्टी ने नए सिरे से तैयारी शुरू कर दी है। अभी हाल में यूपी में दस सीटों पर उपचुनाव होने हैं। उसकी भी तैयारी शुरू हो गई है।

राहुल गांधी के मणिपुर-असम दौरे को लेकर कांग्रेस-भाजपा में छिड़ा वाकयुद्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को हिंसा प्रभावित मणिपुर जाने से पहले असम के कछार जिले में बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात की। लोकसभा में विपक्ष के नेता बनने के बाद राहुल गांधी का यह पहला पूर्वोत्तर दौरा है। राहुल गांधी का असम दौरा ऐसे समय में हुआ है, जब राज्य में कई दिनों से मूसलाधार बारिश के कारण भयंकर बाढ़ आई हुई है, जिससे भूस्खलन हो रहा है और नदियां उफान पर हैं। इस बाढ़ से 28 जिलों के करीब 22.70 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

इस बीच राहुल गांधी के मणिपुर और असम दौरे को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच वाकयुद्ध छिड़ गया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पीएम मोदी पर साधा निशाना। उन्होंने पीएम मोदी की रूस की आगामी यात्रा और जातीय हिंसा भड़कने के बाद मणिपुर की यात्रा न करने को लेकर उनकी आलोचना की। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि आज, गैर-जैविक प्रधानमंत्री मॉस्को की यात्रा कर रहे हैं, जबकि लोकसभा में विपक्ष के नेता असम और मणिपुर जा रहे हैं। बेशक, गैर-जैविक प्रधानमंत्री के ढोल पीटने वालों ने दावा किया है कि उन्होंने कुछ समय के लिए रूस-यूक्रेन युद्ध को रोक दिया है। उन्होंने कहा कि संभवतः पीएम की मॉस्को की यह यात्रा और भी विचित्र दावों को जन्म देगी।

उन्होंने कहा कि 14 महीने पहले राज्य में हुए विस्फोट के बाद से राहुल गांधी का मणिपुर का यह तीसरा दौरा है। गैर-जैविक प्रधानमंत्री को 3 मई, 2023 को गंभीर संकट के उभरने के बाद भी मणिपुर का दौरा करने का समय नहीं मिला और न ही उनकी इच्छा थी। उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री-जो उनकी अपनी पार्टी से हैं और विधायकों और सांसदों समेत राज्य के अन्य राजनीतिक नेताओं से भी मुलाकात नहीं की।

वहीं भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश पर पलटवार करते हुए कहा कि राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि मणिपुर में हिंसा कांग्रेस की विरासत है। उन्होंने ट्वीट कहा कि मणिपुर में जातीय संघर्ष कांग्रेस पार्टी की विरासत है। राज्य में दशकों से नागरिकों, पुलिस और सेना के जवानों की हत्याएं होती रही हैं, जबकि कांग्रेस सत्ता में थी।

उन्होंने कहा कि तीसरी बार असफल हुए राहुल गांधी को भूल जाइए, क्या पीएम

मनमोहन सिंह समेत किसी भी कांग्रेस नेता ने जो असम से राज्यसभा के सदस्य थे, संघर्षग्रस्त क्षेत्र का दौरा किया। बालक बुद्धि केवल बीमार त्रासदी पर्यटन में लिप्त है।

बता दें कि असम में कई स्थानों पर ब्रह्मपुत्र, बराक और उसकी सहायक नदियों सहित नौ नदियां खतरे के निशान से ऊपर हैं। हालांकि, गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र का जलस्तर घट रहा है। इससे पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बाढ़ के प्रभाव का आकलन करने और प्रभावितों को राहत वितरण के लिए बाढ़ राहत शिविरों का दौरा किया था।